Page 11

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

# सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, आरा एवं रांची से प्रकाशित

Page 10

देश

## मेरी आंखों में आंसू थे, पंत को लेकर दिग्गज खिलाड़ी ने किया बड़ा खुलासा

## लोकसभा रिजल्ट आते ही अजित पवार के बदले बोल! चाचा शरद पवार की तारीफ

मूल्य ₹ 2.00

शुक्ल पक्ष, मघा, विक्रम संवत् 2081 • औरंगाबाद • बुधवार • 12 जून 2024 • वर्ष 26 • अंक 182 • पृष्ठ 12

### सोना चांदी

| सोना | चांदी |
|---|---|
| 10 ग्राम 24 कैरेट | 1 किलो चांदी |
| ₹ 71, 840 | ₹90,500 |

### आज का इतिहास

- 2008 : दक्षिणी एशियाई फुटबाल महासंघ वर्ष 2009 हेतु छठी सैफ फुटबाल चैम्पियनशिप की मेजबानी सौंपी।
- 1994 : दुनिया के सबसे बड़े टिवनजेट विमान बोइंग 777 ने पहली उड़ान भरी।

### न्यूज बाइट्स

#### बीएसईबी के बाहर नर्सिंग अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

**पटना (नि.सं.)।** बिहार बोर्ड कार्यालय( बीएसईबी ) के पास सैकड़ों की संख्या में नर्सिंग अभ्यर्थी प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना है कि आज इंटरव्यू का आयोजन किया गया था। लेकिन, इसे बिना नोटिस दिए कैंसिल कर दिया गया है। मंगलवार की सुबह में पटना पहुंचे। इसके बाद पता चला कि इंटरव्यू कैंसिल कर दिया गया है। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की ओर से 4 जून को नोटिस जाती करते हुए आउटसोर्सिंग के आधार पर डॉक्टर, फिजियोथेरेपिस्ट, नर्सिंग स्टॉफ की सेवा प्राप्त करने हेतु सूचना प्रकाशित की गयी थी। इसमें साक्षात्कार की तिथि 11.06.2024 निर्धारित की गयी थी।

#### फाइनेंस कर्मी से दिनदहाड़े 8 लाख रुपए की लूट

**सहरसा (नि.सं.)।** सहरसा में मंगलवार को दिनदहाड़े बाइक सवार बदमाशों ने एक फाइनेंस कर्मी पर चाकू से हमला कर दिया और 8 लाख 63 हजार रुपया लूट कर फरार हो गए। इस हमले में फाइनेंस कर्मी बुरी तरह से जख्मी हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस घटना स्थल पर पहुंच गई और जख्मी को सदर अस्पताल में भर्ती करया। यहां घायल का इलाज जारी है। घटना सदर थाना क्षेत्र के मत्स्यगंधा के पास की है। घटना को लेकर घायल फाइनेंस कर्मी राजनंदन कुमार ने बताया कि वह फाइनेंस कंपनी में काम करता है। इनका काम लोन देना और कलेक्शन करना है। वह आज अपने घर रहुआ तुलसियाही से कलेक्शन का पैसा बैग में रखकर आ रहा था।

### शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डा. एस. सिद्धार्थ ने सभी जिलों को दिया आदेश

# लें ट्रेनिंग, नहीं तो रुकेगी वेतन वृद्धि

निज संवाददाता | पटना

प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को प्रशिक्षण के बाद ही वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ मिलेगा। जो शिक्षक प्रशिक्षण नहीं लेंगे, उनके वेतन वृद्धि पर रोक लगा दी गई है। इस संबंध में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने मंगलवार को सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों तथा संबंधित जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों को निर्देश दिया है। निर्देश के मुताबिक, शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के लिए चरणबद्ध तरीके से सेवाकालीन आवासीय प्रशिक्षण अनिवार्य है। इसका संचालन राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा सरकारी अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालयों, पटना बिपार्ड एवं गया बिपार्ड में किया जा रहा है। अपर मुख्य सचिव डॉ एस सिद्धार्थ ने एक आदेश पत्र जारी कर दिया है। इस पत्र में उन्होंने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी, समग्र एवं स्थापना के जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों को दो टूक आदेश दिया है कि जो शिक्षक ट्रेनिंग में नहीं जाएंगे उनकी वेतन वृद्धि रोक दी जाएगी। डॉ। एस सिद्धार्थ की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि जिन शिक्षकों ने 3 जुलाई 2023 से अभी तक किसी भी स्तर का प्रशिक्षण नहीं लिया है, उन्हें चिन्हित कर उनका प्रशिक्षण 30 जून तक पूरा करा लिया जाए। अन्यथा ऐसे सभी शिक्षकों की वार्षिक वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिए गए हैं। यह रोक उनके प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद निर्धारित तिथि से पुनः लागू होगी।

अपर मुख्य सचिव सिद्धार्थ ने अपने आदेश में कहा है कि वैसे शिक्षक / शिक्षिका / प्रभारी प्रधानाध्यापक / प्रधानाध्यापक , जिन्होंने प्रतिनियुक्ति के बाद भी किसी भी स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किया है,उन्हें भी 30 जून तक प्रशिक्षण पूरा करा लिया जाये। ऐसा नहीं हुआ तो उनकी भी वार्षिक वेतन वृद्धि पर रोक रहेगी।

#### प्रशिक्षण लेना अनिवार्य

राज्य के सरकारी प्रशिक्षण संस्थाओं में प्रशिक्षण तीन जुलाई 2023 से संचालित है। इसमें लगभग छह लाख शिक्षकों ने विभिन्न स्तर का प्रशिक्षण हासिल किया है। इसके बाद भी कई ऐसे शिक्षक हैं, जिन्होंने अभी तक इस आवश्यक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग नहीं लिया है।

#### अब तक छह लाख शिक्षकों ने ली ट्रेनिंग

प्रशिक्षण कार्यक्रम तीन जुलाई से लगातार चलाया जा रहा है। अब तक छह लाख शिक्षकों ने विभिन्न स्तर पर प्रशिक्षण प्राप्त किया है, लेकिन ऐसे भी शिक्षक हैं, जिन्होंने अब तक प्रशिक्षण नहीं लिया है। इसके मद्देनजर अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिया है कि तीन जुलाई से अब तक प्रशिक्षण नहीं लेने वाले शिक्षकों को चिह्नित कर 30 जून तक अनिवार्य रूप से उनका प्रशिक्षण कराएं। हालांकि, प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद संबंधित शिक्षकों को निर्धारित तिथि वेतन वृद्धि का लाभ पुनः देय होगा।

# नहाने गए चार बच्चों की डूबने से मौत

निज संवाददाता | सीतामढ़ी

सीतामढ़ी में चार बच्चों की डूबने से मौत हो गई। सभी बच्चे मंगलवार को दोपहर में एक साथ बागमती नदी में नहाने गए थे। एसडीआरएफ की टीम ने तीन बच्चों के शव को बाहर निकाल लिया गया है। वहीं, एक बच्चे की तलाश अभी जारी है। घटना जिले के सुप्पी प्रखंड के अख्ता गांव की है। सभी बच्चे इसी गांव के है। घटना की सूचना पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने तीन बच्चों के शव को नदी से बाहर निकाल लिया है। जबकि, चौथे की तलाश जारी है।

मिली जानकारी के अनुसार चारों बच्चे एक साथ अपने अन्य साथियों को लेकर नदी में नहाने गए थे। इसी दौरान दो बच्चे डूबने लगे। इन्हें बचाने के लिए दो अन्य बच्चे भी गए। इसी क्रम में चारों डूबने लगे। वहां मौजूद अन्य बच्चे मदद के लिए हल्ला करने लगे। शोर गुल होने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। लेकिन, तब तक सभी बच्चे नदी डूब चुके थे। ग्रामीणों ने एसडीआरएफ की टीम और थाना को घटना की सूचना दी। सूचना पर एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। अभी तक तीन शव ही बरामद किया गया है। वही, एक शव की तलाश जारी है। हादसे की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे पूर्व विधायक अमित कुमार टुन्ना ने बताया कि पीड़ित परिवार को सभी तरह की सरकारी सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। फिलहाल, उन्हें निजी कोष से राहत सामग्री उपलब्ध कराया जा रहा है। घटना के बाद से गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है।

## सड़क हादसा : 110 की स्पीड में बाउंड्री से टकराई कार, तीन युवकों की मौत

निज संवाददाता | जमुई

जमुई में सड़क हादसे में 3 युवकों की मौत हो गई। तीनों पटना से देवघर के लिए निकले थे। चकाई- देवघर मुख्य मार्ग के अंडीडीह मोड़ के पास मंगलवार की सुबह उनकी कार सड़क किनारे बाउंड्री वॉल से टकराते हुए पलट गई। बताया जा रहा है कि हादसे वक्त गाड़ी की स्पीड 110 से ज्यादा थी। बाउंड्री वॉल से टकराने के बाद कार 3 बार पलटी। जेसीबी और गैस कटर की मदद से गाड़ी में फंसे शवों को बाहर निकाला गया। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। घटना की जानकारी के बाद चंद्रमंडीह थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और जेसीबी और गैस कटर की मदद से तीनों युवक के शव को बाहर निकाला। तीनों युवकों की पहचान पटना के गोरिया टोला गोरेलाल यादव ,अमन कुमार और नवादा निवासी संतोष कुमार यादव के रूप में की गई है। बताया जा रहा है की तीनों पटना से देवघर जा रहे थे।

स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसे के बाद इतनी जोरदार आवाज हुई कि उन्हें लगा कि कोई बम फटा है। जिसके बाद वे लोग घटनास्थल पर पहुंचे और हादसे की जानकारी चंद्रमंडीह थाने की पुलिस को दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने वाहन में फंसे तीनों युवक को बाहर निकाला, तब तक तीनों की मौत हो चुकी थी। जिसके बाद चंद्रमंडीह थाने की पुलिस ने पूरे मामले की जानकारी मृतक के परिजनों को दी। बताया जा रहा है कि कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि हादसे में कार का स्पीड मीटर भी कार से बाहर निकल गया।

#### सड़क किनारे पलटी थी कार

चंद्रमंडीह थाने के प्रभारी थानाध्यक्ष लक्ष्मण कुमार ने बताया कि एक कार सड़क किनारे पलट गई। जिस में सवार तीन युवक की मौत हो गई है। मृतक पटना जिले का बताया जा रहे हैं। मृतक के मोबाइल से उनके परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी गई है। जानकारी के बाद मृतक के परिजन पटना से जमुई के लिए रवाना हो चुके हैं। फिलहाल शव को कब्जे में लेकर उसको पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

## जमाबंदी में सुधार के लिए परिमार्जन प्लस पोर्टल पर सुविधाओं का होगा विस्तार

निज संवाददाता | पटना

ऑनलाइन डिजिटाइज्ड जमाबंदी में सुधार के लिए पोर्टल परिमार्जन प्लस में जल्द ही कई नई सेवाएं जुड़ेंगी। फिलहाल इस पोर्टल पर पुरानी ऑनलाइन जमाबंदी में सुधार का विकल्प दिया गया है। विभागीय मंत्री डॉ. दिलिप कुमार जायसवाल के मुताबिक आने वाले दिनों में जमाबंदी की सभी त्रुटियां इस पोर्टल के माध्यम से सुधारी जाएंगी। ऑनलाइन दाखिल खारिज के निष्पादन के बाद कायम की गई जमाबंदी में ऑनलाइन सुधार होगा। किसी मौजा की जमाबंदी अगर दूसरे मौजे में दर्ज हो गई है तो उसका भी सुधार हो जाएगा। दो या दो से अधिक मौजे का जमाबंदी एक ही मौजा में कायम है तो उसमें भी ऑनलाइन सुधार का विकल्प दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मूल जमाबंदी पंजी में जमाबंदी कायम है, लेकिन उसका डिजिटाइजेशन नहीं हो पाया है या मूल जमाबंदी पंजी में ही जमाबंदी कायम नहीं है तो उसका निदान भी परिमार्जन प्लस पोर्टल पर किया जाएगा। डॉ. जायसवाल ने बताया कि पुरानी जमाबंदियां जो आनलाइन हो चुकी हैं, उसमें कई तरह की त्रुटियां सामने आ रही हैं। डिजिटाइज्ड जमाबंदी में रैयत के नाम, पिता के नाम, जाति और पता में भी त्रुटि की शिकायत मिल रही है। डिजिटाइज्ड जमाबंदी में दर्ज खाता, खेसरा, चौहद्दी एवं रकबा का विवरण दर्ज करने में गड़बड़ी की शिकायतें मिल रही हैं। इन सभी त्रुटियों को सुधारने के लक्ष्य के साथ नया पोर्टल शुरू किया गया है।

रैयत सुधार के लिए आवश्यक दस्तावेज के साथ ऑनलाइन आवेदन करेंगे। समय-सीमा के भीतर सुधार कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिन मूल जमाबंदी में खाता, खेसरा, रकबा अंकित है, ऐसे मामलों में अंचलाधिकारी मूल जमाबंदी पंजी के आधार पर त्रुटियों का निवारण कर सकते हैं।

## इस वर्ष 11 हजार से अधिक दुधारू पशुओं का होगा बीमा

निज संवाददाता | पटना

राज्य के दुधारू पशुओं (गाय और भैंस) का बीमा होगा। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 11 हजार 100 दुधारू पशुओं के बीमा का लक्ष्य रखा गया है। पशु मत्स्य संसाधन विभाग की इस योजना की स्वीकृति इस माह के अंत तक मिल जाएगी। जुलाई से आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी। इस योजना के प्रीमियम का 25 प्रतिशत यानी 525 रुपए प्रति दुधारू पशु, पशुपालकों को देना है। सरकार 75 प्रतिशत यानी 1575 रुपए की राशि देगी। एक पशुपालक अधिकतम 4 पशुओं का बीमा करा सकते हैं। लम्पी त्वचा रोग, एचएसबीक्यू सहित अन्य बीमारी, दुर्घटना, बाढ़ सहित आपदा और अन्य कारण से पशु की मौत पर पशुपालक को 60 हजार रुपए की राशि मिलेगी। बीमा कंपनी की ओर से एक वर्ष के लिए बीमा का प्रावधान है। बीमा कंपनी की ओर से दुधारू पशु में डाटा ईयर टैग लगाया जाएगा, जिसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी लाभुक की होगी। योजना के तहत दुग्ध उत्पादक सहयोग समिति के सदस्यों के दुधारू पशुओं का बीमा में वरीयता देने का प्रावधान किया गया है। इस योजना के तहत वैसे दुधारू मवेशियों का बीमा होगा, जो स्वस्थ हो और पशु चिकित्सक की ओर से स्वास्थ्य प्रमाण पत्र निर्गत किया गया हो। पिछले एक दशक बाद 2023-24 में यह योजना शुरू हुई थी। योजना देर से शुरू होने और पशुपालकों को जानकारी के अभाव में बेहद कम पशुओं को बीमा हो सका था।

इस साल 11 हजार 100 दुधारू पशुओं का बीमा कराने का लक्ष्य रखा गया है। अगले माह से आवेदन प्रक्रिया शुरू होने की पूरी संभावना है। पशुपालकों के लिए यह योजना बेहद लाभकारी है। 2019 की पशुगणना के अनुसार बिहार में 1 करोड़ 53 लाख 97 हजार 980 गाय हैं।

## मोहन चरण माझी होंगे ओडिशा के नए सीएम

**पटना (नि.सं.)।** काफी दिनों से ओडिशा में नए मुख्यमंत्री की चर्चा जारी थी। मोहन चरण माझी ओडिशा में भाजपा विधायक दल के नेता चुने गए हैं। केंदुझर सदर के विधायक मोहन चरण माझी को ओडिशा का नए सीएम होंगे। इनके अलावा ओडिशा में दो उपमुख्यमंत्री कनकवर्धन सिंहदेव और प्रभाती परिडा नियुक्त किए जाएंगे। मंगलवार को हुई विधायक दल की बैठक में ये फैसला लिया गया।

## राज्यसभा की 10 सीटें हुई खाली, चुनाव की नई तारीखों की जल्द घोषणा करेगा चुनाव आयोग

एजेंसी | नई दिल्ली

हाल ही में संपन्न हुए आम चुनावों के कारण राज्यसभा में 10 पद खाली हो गए हैं। दरअसल, इसके सदस्य लोकसभा के लिए निर्वाचित हो गए हैं। राज्यसभा सचिवालय ने अब खाली पदों को अधिसूचित कर दिया है,जिनमें असम, बिहार और महाराष्ट्र में दो-दो तथा हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान और त्रिपुरा में एक-एक पद शामिल हैं। चुनाव आयोग अब राज्य सभा में इन पदों को भरने के लिए चुनाव की नई तारीखों की घोषणा करेगा। पदों के खाली होने का ब्योरा देते हुए अपनी अधिसूचना में, राज्यसभा सचिवालय ने कहा, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 69 की उप-धारा (2) के प्रावधान के अनुसरण में, उस अधिनियम की धारा 67 ए और धारा 68 की उप-धारा (4) के साथ, 18वीं लोकसभा के सदस्य के रूप में चुने जाने की तारीख से, यानी 4 जून, 2024 से राज्यसभा के सदस्य नहीं रहेंगे। इस अधिसूचना के बाद, चुनाव आयोग अब राज्य परिषद में इन खाली पदों को भरने के लिए चुनाव की नई तारीखों की घोषणा करेगा।

## नीटपेपर विवाद : काउंसलिंग पर रोक से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

एजेंसी | नईदिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने मेडिकल कॉलेज स्नातक स्तर की पढ़ाई के लिए पांच मई को आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) 2024 में कथित तौर पर परीक्षा से पहले प्रश्न पत्र सार्वजनिक (पेपर लीक) होने संबंधी गड़बड़ी और धोखाधड़ी के आरोप वाली याचिकाओं के मद्देनजर दाखिले से संबंधित काउंसलिंग की प्रक्रिया पर रोक लगाने से मंगलवार को इनकार कर दिया, लेकिन इस मामले में की राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की अवकाशकालीन पीठ ने शिवांगी मिश्रा और अन्य द्वारा दायर याचिकाओं पर कहा कि कई सवाल उठाए गए हैं। परीक्षा की पवित्रता बनाए रखी जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था एनटीए से जवाब मांगते हुए कहा कि वह इस मामले में आठ जुलाई को अगली सुनवाई करेगी।

# अब पंचायतों में मिलेंगी कई ऑनलाइन सुविधाएं

निज संवाददाता | पटना

प्रदेश के सहकारिता, वन एवं पर्यावरण मंत्री डा. प्रेम कुमार ने कहा कि सहकारिता के विकास में पैक्स अध्यक्ष एवं प्रबंधकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। विभिन्न योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता भी जरूरी है। इसके माध्यम से कार्य कुशलता में वृद्धि होगी। बिहार में सहकारिता के क्षेत्र में विगत वर्षों में राज्य सरकार द्वारा संचालित महत्वपूर्ण कार्यों का उल्लेख करते बताया कि किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान एवं गेहूं की खरीदारी की जा रही है। इसके कारण किसानों को उनकी पैदावार का उचित मूल्य मिल रहा है।

बोधगया में मगध प्रमंडल स्तरीय सहकारिता विभाग के कार्यशाला को सोमवार संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला में गया, औरंगाबाद, जहानाबाद, अरवल जिले के पैक्स अध्यक्ष व प्रबंधक शामिल हुए। मंत्री ने कहा कि पैक्स में कंप्यूटीकरण के माध्यम से उनके कार्यों में सुगमता एवं पारदर्शिता लाने के लिए भारत सरकार द्वारा योजना संचालित की गई है। इसमें बिहार में 4477 पैक्स का कंप्यूटीकरण किया जा रहा है। इसके माध्यम से पैक्सकर्मियों की कार्य कुशलता बढ़ेगी।

बिहार सरकार

## संदेश

बच्चे न केवल राष्ट्र का भविष्य होते हैं बल्कि वे हमारे गौरवशाली अतीत के संवाहक भी होते हैं। उज्ज्वल भविष्य, स्वस्थ पालन–पोषण, शिक्षा एवं स्वच्छ वातावरण सभी बच्चों का नैसर्गिक अधिकार ही नहीं हमारा सामाजिक दायित्व भी है। बाल श्रम इन उद्देश्यों की पूर्ति में बाधक होने के साथ–साथ सभ्य समाज के लिए अभिशाप है। बाल श्रम एक जटिल सामाजिक एवं आर्थिक समस्या है। राज्य सरकार इस समस्या को जड़ से समाप्त करने के लिए कृतसंकल्पित है एवं इसी क्रम में प्रत्येक वर्ष 12 जून को **''विश्व बाल श्रम निषेध दिवस''** के रूप में मनाया जाता है।

बाल श्रम से विमुक्त बच्चों के पुनर्वास हेतु राज्य कार्य योजना के द्वारा सतत प्रयास जारी है। इस पुनीत कार्य में समाज के सभी वर्गों की साझेदारी एवं परस्पर सहयोग आवश्यक है। केवल श्रम कानूनों के प्रवर्त्तन मात्र से बाल श्रम विमुक्त राज्य का सपना पूरा नहीं हो सकता है बल्कि राज्य के प्रत्येक नागरिक को प्रत्येक स्तर से इसे जड़–मूल से हटा देने के लिए संकल्पित भी होना होगा। बाल श्रम के विरुद्ध प्रचार–प्रसार कर हमें जन–चेतना का भी विकास करना होगा।

आज 12 जून को **''विश्व बाल श्रम निषेध''** दिवस के अवसर पर हम बिहार को बाल श्रम मुक्त राज्य बनाने के लिए पूरी निष्ठा एवं प्रतिबद्धता के साथ संकल्प लें एवं अपनी भूमिका का निर्वहन करें।

**(सम्राट चौधरी)**
उप मुख्यमंत्री, बिहार

PR No.- 001717 (LRD)D. 2024-25

बिहार सरकार

## संदेश

मुख्यमंत्री
बिहार

बाल श्रम एक सामाजिक एवं आर्थिक समस्या है। यह न केवल देश की प्रगति में बाधक है, बल्कि पूरे मानव समाज के लिए एक अभिशाप है। राज्य सरकार इस जटिल समस्या को समाप्त करने एवं बाल श्रम से विमुक्त कराये गये बच्चों के कल्याण एवं पुनर्वास हेतु दृढ़ संकल्पित है। इसी संकल्प को और मजबूत करने के लिए हर वर्ष 12 जून को ''विश्व बाल श्रम निषेध दिवस'' मनाया जाता है।

विभिन्न नियोजनों/प्रतिष्ठानों में बाल श्रम की सतत् निगरानी हेतु जिला स्तरीय धावा दल का गठन किया गया है। बाल श्रम से विमुक्त किये गये बच्चों को विभिन्न प्रकार की सुविधायें दी जाती है तथा उन्हें पुनर्वास कार्यक्रमों से जोड़ा जाता है। साथ ही उन्हें मुख्यमंत्री राहत कोष से अनुदान भी दिया जाता है। बिहार को बाल श्रम से मुक्त राज्य बनाना राज्य सरकार का संकल्प है और हम इस दिशा में निरंतर अग्रसर हैं। ऐसे पुनीत कार्य समाज के सभी वर्गों की साझेदारी एवं सहयोग के बिना संभव नहीं है।

**''विश्व बाल श्रम निषेध दिवस''** के अवसर पर हम समाज के सभी वर्गों यथा जन–प्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, आम नागरिकों, श्रमिक संगठनों एवं बुद्धिजीवियों से राज्य को बाल श्रम मुक्त बनाने में सहयोग की अपेक्षा करते हैं। आइये, हम सब मिलकर बिहार को बाल श्रम मुक्त राज्य बनाने का संकल्प लें।

**(नीतीश कुमार)**

PR No.- 001715 (LRD)D. 2024-25

## संक्षिप्त समाचार

### हॉल्ट के पास ट्रेन से कटकर महिला की मौत

**नालंदा।** नालंदा में सोमवार की शाम अज्ञात ट्रेन के संपर्क में आने से एक महिला की मौत हो गई। मामला बख्तियारपुर-राजगीर रेलखंड के पावापुरी रोड हॉल्ट के समीप की है। मृतका की पहचान सरमेरा थाना क्षेत्र अंतर्गत गोपालपुर गांव निवासी वृज केवट की (60) वर्षीय पत्नी शकुंतला देवी के रूप में की गई है। मृतका के परिजन ने बताया कि शकुंतला देवी पावापुरी हॉल्ट के समीप देवधा गांव स्थित रिश्तेदार कामेश्वर केवट के यहां शादी का कार्ड देने के लिए आई हुई थी। जहां पावापुरी हॉल्ट के समीप ट्रेन के संपर्क में आ जाने से वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। जिन्हें स्थानीय लोगों की सूचना पर डायल-112 की पुलिस ने इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के उपरांत डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। अगले महीने 15 जुलाई को शकुंतला देवी की पोती की शादी होने वाली थी। दीपनगर थाना अध्यक्ष नारद मुनि सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पुलिस पोस्टमॉर्टम कराने की प्रक्रिया में जुट गई है। आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पूरे मामले की छानबीन की जा रही है।

### जलसंकट से डिप्टी सीएम को कराएंगे रूबरू

**गया।** गया में इन दिनों अनियमित बिजली व पानी की किल्लत सबसे बड़ी समस्या बन गई है। शहर के अधिकांश मुहल्लों में जहां एक तरफ बिजली की आंख-मिचौली का खेल चल रहा है, वहीं कई इलाकों में पानी की किल्लत विकराल रुप ले रही है। दोनों परेशानी से जनता त्रस्त है। गया जिला भाजपा किसान मोर्चा के सह प्रभारी सह राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि बिजली व पानी की समस्या को लेकर लगातार बिजली विभाग और नगर निगम का ध्यान आकर्षित कराया जा रहा है लेकिन स्थिति नहीं सुधर रही है। जल्द ही बिहार के डिप्टी सीएम से मिलकर उनका ध्यान आकर्षित कराया जाएगा। इस मौके पर संगठन के कार्यवाहक अध्यक्ष राणा रणजीत सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील बंबईया, महेश यादव, मंटू कुमार आदि मौजूद थे।

### निजी विद्यालयों को लगाना होगा आरटीई नामांकन संबंधी फ्लैक्स

**गया।** शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के तहत अलाभकारी समूह और कमजोर वर्ग के बच्चों के निजी स्कूलों में नामांकन के लिए एक जून से ज्ञानदीप पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया है। शैक्षणिक सत्र 2024-25 में प्रस्वीकृति प्राप्त 342 निजी विद्यालयों में बच्चों का नामांकन होगा। आरटीई के प्रति अभिभावक जागरुक हों इसके लिए निजी विद्यालयों को मेन गेट पर नामांकन से संबंधित बैनर लगाने का निर्देश दिया गया है। बैनर में लिखना है कि हमारे विद्यालय में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत अलाभकारी समूह और कमजोर वर्ग के बच्चों का नामांकन की प्रक्रिया शुरू है। फ्लैक्स में नामांकन प्रक्रिया व उससे संबंधित सारी जानकारी उपलब्ध रहेगी। इस बाबत निदेशक, प्राथमिक शिक्षा द्वारा वीसी के जरिए निर्देश जारी किए हैं। बता दें कि इस वर्ष ज्ञानदीप पोर्टल के जरिए आरटीई का नामांकन होगा। 18 जून तक छात्रों का पंजीकरण किया जाएगा। 18 से 19 जून तक ऑनलाइन स्कूल का आवंटन और 20 से 30 जून तक चयनित छात्रों का सत्यापन किया जाएगा।

### दो बाइकों की भिड़ंत में बैंककर्मी की मौत

**करायपरसुराय।** थाना क्षेत्र के चंदकूरा गांव के समीप सोमवार की सुबह दो बाइकों की आमने-सामने की हुई टक्कर में एक बैंककर्मी की मौत हो गई। जबकि, एक सवार जख्मी हो गए। मृतक एकंगरसराय के निश्चलगंज गांव निवासी सत्येंद्र चौधरी के 38 वर्षीय पुत्र राजीव चौधरी फतुहा स्थित बंधन बैंक में क्लर्क थे। बाइक से ड्यूटी पर जाने के दौरान हादसा हुआ। जख्मी करायपरसुराय निवासी सुधीर चौधरी का पुत्र सोनू कुमार इलाजरत है। थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि दोनों बाइकों को जब्त कर लिया गया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिवार के सुपुर्द कर दिया गया।

## आज से 11 दिवसीय महायज्ञ की शुरुआत

# 1111 कन्या और महिलाएं कलश यात्रा में हुईं शामिल

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा के बिंद प्रखंड स्थित विशुणपुर गांव में मंगलवार 11 जून से 11 दिवसीय श्री श्री 108 श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का शुभारंभ हुआ। महायज्ञ के प्रारंभ से पहले 1111 महिलाओं और कुंवारी कन्याएं गाजे-बाजे के साथ भव्य कलश शोभा यात्रा में शामिल हुईं। कलश में जल भरने के लिए श्रद्धालु अलीपुर चौराह पर पहुंचे, जहां बाढ़ के उमानाथ से लाए गए गंगा जल को टैंकर में भरकर रखा गया था। काशी से पधारे कथावाचक आचार्य विवेक कुमार पांडेय ने मंत्रोच्चार के साथ 1111 कलशों में जलभरी करवाई। जलभरी के बाद कलश यात्रा विशुणपुर गांव के यज्ञ स्थल पर पहुंची, जहां कलश को स्थापित किया गया।

**दूर-दराज से पहुंच रहे लोगः** इस अवसर पर श्रवण चौहान, शिवनारायण चौहान, नागेशर चौहान, अरविंद चौहान, बबलू चौहान, बलिंद्र चौहान, निरंजन चौहान, सुभाष चौहान, मुन्ना चौहान, रविंद्र चौहान, दीपक चौहान सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। ग्रामीणों ने बताया कि इस तरह के आयोजन से गांव में सुख, शांति और समृद्धि आती है। गांव के सभी लोगों के सहयोग से यह आयोजन किया जा रहा है। धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने के लिए दूर दराज से यहां लोग पहुंच रहे हैं। जिनके रहने के लिए बेहतर व्यवस्था की गई है। आगामी 11 दिनों तक इस महायज्ञ में धार्मिक अनुष्ठान, कथा वाचन, भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। यह महायज्ञ क्षेत्र के लोगों के लिए आस्था का केंद्र बन गया है।

## गया में लोहे की दुकान में दिनदहाड़े लूट, CCTV में कैद वारदात

निज संवाददाता। गया

- दुकानदार और मैनेजर को बंधक बनाकर लूटे 42 हजार

गया के बुनियादगंज थाना क्षेत्र के खंजहापुर के सामने अपराधियों ने दिनदहाड़े लूट की वारदात को अंजाम दिया है। बाइक सवार हथियारबंद अपराधियों ने लोहे की दुकान में घुस कर उसके मैनेजर शंकर यादव और मालिक रंजन पांडे के साथ हथियार के बल पर मारपीट की। फिर बंधक बनाकर 42 हजार रुपए लूट लिए। सभी अपराधी हेलमेट पहने थे। गमछे से मुंह ढक रखा था। पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची बुनियादगंज पुलिस और वजीरगंज SDPO सुनील कुमार पांडे ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया। बताया जा रहा कि मारपीट की घटना सिर्फ मैनेजर के साथ हुई है। घटना दोपहर के बाद की बताई जा रही है। SDPO सुनील कुमार पांडे ने बताया कि दुकान का मैनेजर शंकर यादव ने बताया कि वह और अन्य स्टाप दोपहर अपने अपने काम में लगे थे। इसी बीच दो बाइक से 5 बदमाश हेलमेट पहने और मुंह ढके हुए दुकान के अंदर आए। उन्होंने दुकान के अंदर घुसनते ही हथियार निकाला और मैनेजर को भिड़ा दिया। साथ ही मारपीट शुरू कर दी। वहीं, उन 5 में एक काउंटर को खंगालने लगा। इस बीच बदमाशों ने मैनेजर को बंधक बना लिया। काउंटर से 12 हजार रुपए लूट लिए। लूट की वारदात को अंजाम देकर सभी अपराधी जा ही रहे थे कि दुकान का मालिक रंजन पांडे भी दुकान में पहुंच गए। उन्हें भी अपराधियों ने अपने कब्जे में लिया और उनकी जेब से 30 हजार रुपए लूट लिए। घटना को अंजाम देकर सभी अपराधी बाइक पर सवार होकर फरार हो गए। एसडीपीओ सुनील कुमार पांडे का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है। अपराधियों की शिनाख्त की जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

## पुलिस पर महिला मजदूर की पिटाई का आरोप

निज संवाददाता। गया

गया जिले के वजीरगंज के जमुआवां पंचायत अंतर्गत बरातू बिगहा में पुलिस पर महादलित परिवार के मजदूरों की पिटाई का आरोप लगा है। जख्मी महिला लालो देवी को जयप्रकाश नारायण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उप प्रमुख जनार्दन पासवान ने बताया कि जमुआवां पंचायत के बरातू बिगहा में महादलित परिवार के लोग काम करने साइड पर जा रहे थे। मुखिया पंचायत में काम करवा रहे। बालू की कमी के कारण काम रुका था। पहले से साइड पर पड़े बालू को मजदूर उठा रहे थे। इसी बीच अचानक वजीरगंज पुलिस पहुंची और महादलित परिवार के मजदूरों के साथ मारपीट और गाली गलौज शुरू कर दिया।

**वजीरगंज पुलिस पर कार्रवाई की मांगः** उप प्रमुख ने बताया कि बालू चोरी के संदेह में पुलिस ने मारपीट की घटना को अंजाम दिया है। जबकि, मजदूरी करने जा रहे लोग बता रहे थे कि मुखिया का बालू पहले से साइड पर गिरा हुआ है। उसी को उठा रहे थे। लालो देवी व अन्य लोग घायल हो गए हैं। उप प्रमुख ने बताया कि इस घटना की जांच वरीय पुलिस अधिकारी करें और निर्दोष मजदूरों के साथ मारपीट करने वाले वजीरगंज पुलिस पर कार्रवाई की जाए।

## गया की पहाड़ियों पर उगाए जाएंगे पेड़-पौधे, सीड बॉल तकनीक का पहली बार किया जा रहा प्रयोग

निज संवाददाता। गया

इस साल गया में पहली बार पायलट प्रोजेक्ट के तहत सीड बॉल तकनीक से पहाड़ों पर पेड़ लगाए जाएंगे। सीड बॉल का मतलब यह है कि एक छोटे आकार का जैविक खाद्य का गोलाकार नुमा में विभिन्न पेड़ के बीज को डालकर उसे सुखाया जाता है। उसे बरसात आने पर ड्रोन के माध्यम से या मैन्युअल पहाड़ों पर सीड बॉल का छिड़काव किया जाता है। इससे बिना पेड़ों के पहाड़ पर दोबारा पौधे उगाए जा सकते हैं। पहली बार यह पहल इस बार गया में की जा रही है। यह तकनीक सही तरीके से चलने पर अगले मानसून में इसे व्यापक पैमाने पर करवाया जाएगा। इस साल रामशिला प्रेतशिला दुर्गेश्वरी सहित अन्य बड़े पहाड़ों पर सीड बॉल का छिड़काव करवाया जाएगा। इस साल 1 लाख सीड बॉल छिड़काव करने का पायलट प्रोजेक्ट तैयार किया गया है। इसके अलावा इस साल मानसून सीजन में वन विभाग द्वारा 8 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य है।

मुख्य रूप से व्यापक पैमाने पर जंगल में पौधे लगाए जाएंगे। गया शहर के अंदर शहरी क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर 10 हजार पौधे लगाने की योजना तैयार की गई है। लगाए जाने वाले पेड़ों को अच्छी तरीके से देखभाल और विकसित के लिए टैंकर एवं ट्रैक्टर की भी व्यवस्था की गई है। ताकि नियमित तौर पर लगातार 3 सालों तक उसे देखभाल किया जा सके। इसके अलावा 3 लाख 40 हजार पौधे जीविका के माध्यम से विभिन्न स्थानों पर लगाए जाएंगे। कृषि वाणिज्य कर विभाग द्वारा एक लाख पौधे लगाए जाएंगे। 16 हजार 700 पौधे विभिन्न नेशनल हाईवे और स्टेट हाईवे वाले सड़कों के किनारे लगाए जाएंगे। इसके लिए सर्वे का कार्य पूरी हो चुकी है। लगाए जाने वाले पेड़ों में मुख्यत पीपल बरगद नीम गुलमोहर इत्यादि को शामिल किया गया है।

## गर्मी से बच्चों का बुरा हाल, 50 बच्चे स्कूल में हुए बेहोश

निज संवाददाता। नालंदा

षण गर्मी के कारण सोमवार को विभिन्न जिलों में 50 स्कूली बच्चे बेहोश हो गए। पटना के बिहटा में एक, दरभंगा में एक बच्चा बेहोश हो गया। शेखपुरा में 10 बच्चे बेहोश हुए हैं। जहानाबाद में तीन शिक्षक, नालंदा में 16 बच्चे और नवादा में चार बच्चे व एक शिक्षक बेहोश हो गए। बांका जिले के विभिन्न हिस्सों में छह स्कूली बच्चे और एक शिक्षिका बेहोश हो गईं। उधर, जमुई के सोनो प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों में छह बच्चे बेहोश हो गए। आदर्श मध्य विद्यालय की काजल कुमारी सहित तीन छात्राएं चेतना सत्र के दौरान बेहोश हो गईं। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की दो छात्राओं की तबीयत बिगड़ने पर वापस छात्रावास भेजा गया। कन्या मध्य विद्यालय की छात्रा आरुषि कुमारी बेहोश हो गई। मुंगेर में एक सरकारी विद्यालय में दो बच्चों को पहले तो उल्टी हुई, उसके बाद बेहोश हो गए। खगड़िया के मानसी प्रखंड के मध्य विद्यालय बख्तियारपुर में वर्ग 6 की छात्रा पूजा कुमारी गर्मी से बेहोश होकर गिर गई।

**आज से 15 जून तक सभी स्कूल बंद, शिक्षकों को भी छुट्टीः** बिहार सरकार ने भीषण गर्मी व लू के चलते सभी स्कूलों को बंद कर दिया। स्कूल 11 जून से 15 जून तक बंद रहेंगे। माध्यमिक शिक्षा निदेशक सन्नी सिन्हा ने इस बारे में आदेश जारी किया। आदेश में कहा गया है-मौसम विभाग के अनुसार 10 जून से 14 जून तक बिहार के अनेक स्थानों पर भीषण गर्मी व लू की संभावना व्यक्त की गई है। इसी के मद्देनजर स्कूलों को बंद किया गया है। आदेश में कहा गया है-इस दौरान स्कूलों के शिक्षक भी अवकाश पर रहेंगे। राज्य में अभी गर्मी से निजात नहीं मिलेगी। 14 जून तक पटना समेत 24 जिलों में हीट वेव और सीवियर हीट वेव चलेगी। पछुआ हवा चलने से मौसम के तेवर का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि सोमवार को चालू सीजन में पहली बार पटना समेत बिहार के 13 जिलों में हीट वेव और 7 जिले सीवियर हीट वेव की चपेट में रहे। इससे पहले 9 जून 2024 को 12 जिले लू की चपेट में थे। बक्सर और भोजपुर दोनों जिले सोमवार को सबसे अधिक गर्म रहे। दोनों जिलों का अधिकतम तापमान 45.9 डिग्री से. दर्ज किया गया। वहीं, 31 मई से ही मॉनसून बंगाल के इस्लामपुर में रुका हुआ है। सोमवार को पटना का अधिकतम पारा 41.7 डिग्री से. दर्ज किया गया। यह सामान्य से 4.5 डिग्री अधिक है। सोमवार को जो 20 जिले लू और भीषण लू की चपेट में रहे, इन सभी जिलों का अधिकतम तापमान 40 से अधिक दर्ज किया गया। जो सामान्य से 5.3 डिग्री से 7.9 डिग्री अधिक था। पटना मौसम विज्ञान केंद्र के मौसमविद आनंद शंकर ने बताया कि 14 जून तक दक्षिण भाग के अधिकांश जिलों के अनेक स्थान लू की चपेट में रहेंगे जबकि उत्तरी भाग के कुछ जिले के एक-दो स्थानों में हीट वेव की स्थिति बने रहने की संभावना है।

**14 जून तक ये 24 जिले रहेंगे लू की चपेट मेंः** पटना, गया, नालंदा, लखीसराय, बेगूसराय, शेखपुरा, नवादा, जहानाबाद, भागलपुर, बांका, जमुई, मुंगेर, खगड़िया, बक्सर, भोजपुर, रोहतास, भभुआ, औरंगाबाद, अरवल, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, छपरा।

**15 जून के बाद दस्तक देगा मॉनसूनः** जब तक बिहार में पछुआ हवा कमजोर नहीं पड़ेगी तब तक मॉनसून की पहली बौछार नहीं पड़ेगी। अब मॉनसून 15 से 20 जून के बीच दस्तक दे सकता है। वैसे बिहार में मॉनसून आने का समय 10 से 15 जून ही है। यानी इसबार बिहार में मॉनसून की इंट्री कुछ देर से होने के आसार हैं।

## सड़क हादसे में बेटे को खोया

# अब लोगों को ट्रैफिक नियमों का पढ़ा रहे पाठ

निज संवाददाता। गया

ट्रैफिक नियमों की अनदेखी के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के कारण प्रतिवर्ष हजारों लोग अपनी जान गंवा देते हैं। इन दुर्घटनाओं में किसी परिवार का चिराग बुझ जाता है। तो कई महिलाओं की गोद व सुहाग उजड़ जाते हैं। इससे बचाव का सबसे अच्छा तरीका है कि लोग ट्रैफिक कानूनों के उल्लंघन से बचे। इसके लिए यह भी जरूरी है कि लोगों को ट्रैफिक कानूनों के पालन के प्रति जागरूक किया जाए। आजकल गया शहर की सड़कों पर यह नजारा आम है। जहां गया के नगर यातायात थाना में पदस्थापित एक एसआई लोगों को न सिर्फ ट्रैफिक कानूनों के पालन के प्रति जागरूक कर रहे हैं। बल्कि जरूरत पड़ने पर कड़ाई से उसका पालन भी सुनिश्चित करवा रहे हैं।

तीन वर्ष पहले सड़क हादसे में हुई बेटे की मौत एसआई श्री सिंह बताते हैं कि तीन वर्ष पूर्व 2021 में उनके साले की मौत हो गई थी। उनके अंतिम क्रियाकर्म में शामिल होने परिवार के लोग झारखंड के दुमका गए थे। इसी क्रम में एक दिन उनका इकलौता पुत्र 26 वर्षीय अनमोल कुमार सिंह साइकिल से घूमने निकला। घर से बाहर निकलने के बाद अचानक सामने से एक बाइक आ गई। उससे बचने के चक्कर में उनके पुत्र ने अपनी साइकिल दूसरी ओर घुमाई। इसी बीच सामने से आ रही एक अन्य बाइक की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन-फानन में परिजन उसे इलाज के लिए लेकर पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर स्थित एक अस्पताल गए। जहां करीब 26-27 लाख रुपए खर्च किए जाने के बाद भी उनके इकलौते पुत्र को बचाया नहीं जा सका। नहीं चाहते किसी और के घर का बुझे चिराग श्री सिंह बताते हैं कि ट्रैफिक नियमों की अनदेखी के कारण उनके घर का इकलौता चिराग तो बुझ गया। लेकिन, वे नहीं चाहते हैं कि इस तरह की घटना किसी और के साथ हो। और, उन्हें इस दर्द का सामना करना पड़े। यही कारण है कि नगर यातायात थाना में पदस्थापना होने के बाद से वे लगातार लोगों को ट्रैफिक कानूनों के पालन के प्रति जागरूक करते हैं।

## जीतन राम मांझी के केंद्रीय मंत्री बनने पर हर्ष

निज संवाददाता। गया

गया के सांसद जीतनराम मांझी को रविवार को कैबिनेट मंत्री में शामिल किए जाने और सोमवार दोपहर एमएसएमई मंत्रालय दिए जाने से हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के लोगों में हर्ष है। हम पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता नन्द लाल मांझी कहना है कि समाज के सबसे अंतिम पायदान पर रहने वाले उस मांझी महादलित परिवार को सम्मान मिला है जिसे दशकों से दूर रखा गया। जीतन राम मांझी अपनी प्रतिभा की बदौलत जीवन में आगे बढ़ते रहे। जिसका उचित सम्मान नरेंद्र मोदी ने दिया है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद पहली बार मुसहर महादलित परिवार, दशरथ मांझी के वंशज को भारत सरकार में कैबिनेट मंत्री का दर्जा मिला। यह केवल मुसहर समाज के लिए न सिर्फ गर्व की बात है बल्कि गयावासियों के लिए भी गर्व की बात है। इससे पूर्व गया से जितने वाले एक भी सांसद इस मुकाम तक नहीं पहुंच सके थे। इसकी खास वजह यही रही कि जीतन राम मांझी ने गरीबों के लिए सड़क से लेकर सदन तक आवाज उठाया। हर समय जीतनराम मांझी ने संविधान के तहत संघर्ष किया और गरीबों की हक की मांग की। इससे नई पीढ़ी को काफी सीखने को मिलेगा। पार्टी व समाज के लोगों का कहना है कि बेशक जीतन राम मांझी को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है पर इससे प्रदेश के महादलित मुसहर समाज का मान सम्मान बढ़ा है। पीएम नरेंद्र मोदी ने मुसहर समाज को सम्मान दिया है। इस जाति विशेष से जुड़े लोगों का कहना है कि मुसहर समाज भी आने वाले दिनों में और जागरूक होगा और लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करेगा।

## नालंदा में हिरण्य पर्वत पार्क हुआ बदहाल

# बंद पड़ा फाउंटेन, भूल भुलैया और सेल्फी प्वाइंट जर्जर, झूले भी खराब

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में नीतीश कुमार के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल रहे हिरण्य पर्वत का पार्क आज अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। बिहार शरीफ के हिरण्य पर्वत पर हिरण्य पर्वत पार्क का सिनारियोज एवं सौंदर्यीकरण का कार्य वर्ष 2018 में पौने 3 करोड़ की लागत से किया गया था। हिरण्य पर्वत पार्क के अंदर चिल्ड्रन पार्क, भूल भुलैया, फाउंटेन, सेल्फी पॉइंट लगाए एवं बनाए गए थे। यह सारा काम बिहार शरीफ नगर निगम के द्वारा कराया गया था। अब हिरण्य पर्वत पार्क वन विभाग के जिम्मे है। समय के अनुसार मेंटेनेंस के आभाव में आधी से ज्यादा सुविधाएं ठप हो गई है।

**बंद पड़ा है फाउंटेनः** हिरण्य पर्वत पार्क के अंदर फाउंटेन एवं झरना बनाया गया है। शुरुआत के कुछ दिनों तक तो पार्क में घूमने वाले सैलानी एवं शहर वासियों को इसका आनंद मिलता रहा। लेकिन अब पूरी तरह से झरना एवं फाउंटेन बंद हो चुका है। जिसके कारण पार्क में घूमने के लिए आने वाले लोगों को निराश होना पड़ता है।

**भूल भुलैया और सेल्फी पॉइंट हुआ जर्जरः** पार्क में घूमने के लिए आने वाले लोगों के एडवेंचर के लिए भूल भुलैया एवं सेल्फी प्वाइंट बनाया गया है। लेकिन देखरेख के अभाव में जहां भूल भुलैया की स्थिति बदतर हो गई है तो वहीं सेल्फी प्वाइंट भी जर्जर हालत में आ चुका है।

**चिल्ड्रन पार्क में लगे झूले भी टूटेः** हिरण्य पर्वत पार्क के अंदर चिल्ड्रन पार्क भी बनाया गया है। जहां छोटे-छोटे बच्चों के लिए कई तरह के झूले लगाए गए हैं। इनमें अधिकांश झूले जंग खाकर ब्रेकडाउन हो गया है। तो वहीं कई झूले देखरेख के अभाव में टूट चुके हैं। हालांकि इस बीच कुछ झूले जो ठीक है उन्हीं से बच्चे अपना मनोरंजन करते हैं। चंदन कुमार और मोहम्मद नसीम ने बताया कि अब पहले वाली बात इस पार्क में नहीं रह गई है। अधिकांश चीजे खराब हो गई है। जिनपर कोई ध्यान देने वाला नहीं है। शहरवासी या पर्यटक अपना कीमती वक्त निकालकर टिकट लेकर यहाँ शहर का नजारा पहाड़ के जरिए देखने के लिए एवं पार्क के अंदर सुविधाओं का लुफ्त उठाने पहुंचते हैं। लेकिन उन्हें निराशा हाथ लगती है।

**DFO और रेंजर से नहीं हुआ संपर्कः** वहीं इस मामलें में जब डीएफओ और रेंजर से जानकारी लेने के लिए संपर्क किया गया तो दोनों ही पदाधिकारी ने फोन उठाना मुनासिब नहीं समझा।

# फोरलेन बनने के दौरान हजारों पेड़ कटे नहीं लगे एक भी पेड़, प्रशासन मौन

निज संवाददाता

**रजौली (नवादा)**। एनएच-31 को गाबर कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा फोरलेन बनाकर एनएच-20 नाम दिया गया। रजौली में समेकित जांच चौकी से लेकर थाना क्षेत्र के अंतिम छोर लालू मोड़ तक घने एवं विकसित हजारों पेड़ों का सफाया वन विभाग द्वारा प्राप्त एनओसी के आधार पर कर दिया गया। किन्तु फोरलेन निर्माणकर्ता गाबर कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा नई तकनीक की मदद से पेड़ों को मशीनों की सहायता से जड़ से उखाड़कर सड़क किनारे लगाया गया। जिसमें एक भी पेड़ पुनः स्थापित नहीं हो सका।पेड़ों के नहीं रहने से राहगीर एवं यात्रा कर रहे लोगों को भीषण गर्मी में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पर्यावरण को संतुलित करने के लिए पेड़ों की महत्ता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। ये बड़े दुर्भाग्य वाली बात है कि जिनपर पेड़ों को बचाने की जिम्मेदारी है, वही अधिकारी मौन हैं। पेड़ों की महत्ता को हम इस बात से समझ सकते है कि एक व्यक्ति जीवित रहने के लिए एक दिन मे लगभग पांच सौ लीटर शुद्ध

ऑक्सीजन का इस्तेमाल करता है, क्योंकि वायु में आक्सीजन की मात्रा लगभग 20% होती है।परंन्तु सांस छोड़ते समय 15% ऑक्सीजन ही बाहर आती है, यानि 5% ऑक्सीजन का हम उपयोग कर लेते हैं। इससे हम अंदाजा लगा सकते हैं कि पेड़ हमारे जीवन में कितने उपयोगी हैं। सामान्य पेड़ एक दिन मे 230 लीटर ऑक्सीजन देता है। पेड़ तापमान को नियंत्रित करने में भी सहायक होते हैं, क्योंकि यह पाया गया है कि जिन स्थानों पर अधिक पेड़ होते हैं, वहां तापमान 3 से 4 डिग्री कम होता है। इससे ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्या से निपटने में सहायता मिलती है। सुप्रीम कोर्ट की एक विशेष समिति ने पेड़ों से मूल्यांकन संबंधित एक रिपोर्ट कोर्ट को सौंपी है, जिसके मुताबिक एक पेड़ का मूल्य एक साल में 74,500 रुपए हो सकता है। पेड़ जितना पुराना होता है, उसके मूल्य उतनी ही बढ़ोतरी हो जाती है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब पेड़ों का मूल्यांकन किया गया है। समिति की रिपोर्ट के मुताबिक 100 साल पुराने एक हैरिटेज वृक्ष की कीमत 1 करोड़ रुपए से अधिक हो जाती है। इस मूल्यांकन को आसान शब्दों मे समझा जाए तो यदि पेड़ की कीमत 74, 500 रुपये है, तो इसमें आक्सीजन की कीमत 45,000 रुपए है। जबकि जैविक खाद की कीमत 20,000 रुपए है। पेड़ों की कीमत उसके द्वारा छोड़ने जाने वाले ऑक्सीजन की लागत और अन्य लाभों पर आधारित है। पीठ ने कहा कि वह पेड़ काटने की जरूरत का चौड़ीकरण जैसी परियोजनाओं के लिए एक नियम तय करने पर विचार करेगी, ताकि पर्यावरण को कम से कम नुकसान हो। एनएच-20 के किनारे पेड़ों के सवाल पर फोरलेन सड़क निर्माणकर्ता गाबर कंस्ट्रक्शन कंपनी के मैनेजर आरके त्रिपाठी गोलमटोल जवाब दिया। उन्होंने कहा कि वन विभाग से एनओसी मिलने के बाद पेड़ों की कटाई की गई। काटे गए पेड़ नहीं स्थापित होने पर कहा कि पेड़ों की कटाई एवं लगाई का कार्य एनएचएआई ने जबरन गाबर कंस्ट्रक्शन कम्पनी से करवाई है। जिसका एक पैसे का भुगतान नहीं किया गया है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि हमें रजौली से गिरियक तक 8000 पेड़ लगाने थे, जो जारी है। हर 3 मीटर की दूरी पर एक पेड़ लगाया जाएगा, उसके लिए गड्ढ़े आदि खोदे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मानसून आने के बाद पेड़ों को लगाने पर जोर दिया जाएगा। वहीं अन्य प्रश्नों के जवाब देने में टालमटोल करते दिखाई दिए।

## आर्य समाज का वार्षिकोत्सव सह राष्ट्र रक्षा महायज्ञ 18 जून से

**कौआकोल (नवादा) (नि. सं.)**। प्रखण्ड के दुर्गामण्डप परिसर में 18 जून से आर्य समाज का 89 वां वार्षिकोत्सव सह पांच दिवसीय सम्मेलन वैदिक धर्म प्रचार अनुष्ठान एवं राष्ट्र रक्षा महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। जो 22 जून तक चलेगा। इसकी जानकारी देते हुए बताया कि आर्य समाज के प्रधान युगल किशोर आर्य एवं मंत्री रामचन्द्र प्रसाद आर्य ने बताया कि पांच दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में सुबह 7:30 से 11:30 तक यज्ञ, भजन एवं प्रवचन तथा संध्या 7 बजे से 11 बजे रात्रि तक भजन एवं प्रवचन आर्य समाज के विद्वान आचार्यों के द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उक्त कार्यक्रम में वेदों के प्रकांड विद्वान व शास्त्र मर्मज्ञ पहाड़गंज, दिल्ली के स्वामी शिवानन्द सरस्वती, हरियाणा के पंडित पवन कुमार आर्य, दानापुर पटना के आर्य भजनोपदेशक पंडित सत्यप्रकाश आर्य सहित अन्य विद्वानों के आने का कार्यक्रम निर्धारित है।

## प्रखण्ड आपूर्ति कार्यालय में कुल 16 मामलों का किया गया निष्पादन

निज संवाददाता

**रजौली (नवादा)**। प्रखण्ड कार्यालय परिसर स्थित प्रखण्ड आपूर्ति कार्यालय में एमओ राजेश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में सोमवार एवं मंगलवार को राशनकार्ड को लेकर जनसुनवाई की गई। इस दौरान प्रखण्ड क्षेत्र के कुल 16 मामलों का निष्पादन किया गया। नवादा डीएम प्रशांत कुमार सीएच के द्वारा सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी व निरीक्षक को प्रत्येक सोमवार एवं मंगलवार को अपने-अपने मुख्यालय में उपस्थित रहकर जन सुनवाई कर समस्याओं का समाधान करने का आदेश जारी किया गया है। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग बिहार द्वारा प्रायोजित कल्याणकारी योजनाओं का लाभ और बेहतर तरीके से आमजनों तक पहुंचाने एवं उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण के लिए अपने-अपने कार्यालयों में उपस्थित रहकर कार्यों का निष्पादन करने का निर्देश दिया गया है। एमओ ने बताया कि प्रखण्ड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों से सोमवार को जनसुनवाई में 8 मामले एवं मंगलवार को भी 8 मामले आये थे। जन सुनवाई में आये सभी 16 मामलों का निष्पादन ऑन द स्पॉट किया गया है। एमओ ने कहा कि आये मामलों में राशनकार्ड में नाम जुड़वाने व हटवाने एवं नए राशनकार्ड हेतु आवेदन आये थे। उन्होंने कहा कि नए राशनकार्ड के लिए आये आवेदनों को सम्बंधित पंचायत सचिव को भेज दिया गया है। जांचोपरांत नए राशनकार्ड का निर्माण कर जल्द ही लाभुकों को सुपुर्द कर दिया जाएगा। इस मौके पर आरटीपीएस सहायक पुरुषोत्तम कुमार के साथ अन्य कर्मी उपस्थित थे।

## घसियाडीह में बिजली आपूर्ति ग्रामीण फिडर से और बिजली बिल शहरी दर पर उपभोक्ता कर रहे भुगतान

निज संवाददाता

**रजौली (नवादा)**। नगर पंचायत के वार्ड नंबर 2 घसियाडीह दलित महादलित की बस्ती है। अगर इस बस्ती में 100 घर है तो अधिकांश घरों में फ्रिज, कूलर, एसी नहीं देखने को मिलेगा। क्योंकि इस बस्ती में मजदूर रहते हैं। दिन भर मजदूरी करके आते हैं और थके हुए बेखबर सो जाते हैं। लेकिन इन लोगों से नगर पंचायत में होने के चलते बिजली बिल शहरी क्षेत्र के दर पर वसूला जाता है।बिजली बिल भुगतान करने में भी इन लोगों को कोई दिक्कत नहीं है। लेकिन बिजली आपूर्ति बिजली विभाग के द्वारा इस नगर पंचायत के वार्ड नंबर 2 के घसियाडीह को ग्रामीण फिडर से बिजली उपलब्ध कराई जाती है। जबकि फीडर नंबर एक से नगर पंचायत के अलावे इस फिडर से कई ग्राम पंचायत के गांव को बिजली आपूर्ति कराई जाती है और उनसे ग्रामीण क्षेत्र के बिजली दर वसूला जाता है। बिजली विभाग से जो डाटा प्राप्त हुआ है। उसमें बताया गया है कि ग्रामीण क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं से पर यूनिट 425 रुपया 100 यूनिट तक लेना है। अगर 100 यूनिट से अधिक उठना है तो पर यूनिट 30 पैसा उसमें बढ़ोतरी की जाती है। इसी तरह शहरी क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं से पर यूनिट 620 पैसा वसूला जाता है। 100 यूनिट से अधिक होने पर पर यूनिट 30 अधिक लिया जाता है। ऐसे में सवाल तो यह उठता है कि नगर पंचायत के नाम पर इस दलित महा दलित के बस्ती से मजदूर वर्ग के लोगों से ग्रामीण क्षेत्र के फिडर से जोड़कर बिजली आपूर्ति करते हुए शहरी क्षेत्र के बिजली दर वसूलना कहां तक सही है यह तो सवाल उठाती है ग्रामीण क्षेत्र का एक पूर्वजों का कहावत है कि एक आंख में सुरमा और एक आंख में काजल यह कहावत बिजली विभाग के अधिकारियों पर सटीक बैठती है। घासीयाडीह के बिजली उपभोक्ताओं का मांग है कि जब हमलोग शहरी क्षेत्र के अनुसार बिजली बिल भुगतान कर रहे हैं तो हमलोगों को भी टाउन फिडर से जोड़कर बिजली आपूर्ति किया जाए। नहीं तो हमलोगों से जब तक ग्रामीण क्षेत्र के फिडर से बिजली आपूर्ति होती है।तब तक हमलोगों से ग्रामीण क्षेत्र के रूप में बिजली बिल वसूला जाए। वार्ड नंबर 2 और बिजली विभाग के कार्यालय का में बात करूं तो अगर बिजली विभाग के अधिकारी अपने ऑफिस के छत पर चढ़कर एक बार बाईपास के तरफ देखेंगे तो उन्हें वार्ड नंबर 2 के महादलित बस्ती दिख जाएगा।

## विद्यालय में सफाईकर्मी हुई बेहोश

**कौआकोल (नवादा) (नि. सं.)**। कौआकोल में भीषण गर्मी ने इन दिनों लोगों का जीना मुहाल कर रखा है। आए दिन कहीं न कहीं अप्रिय घटना घटित होने की सूचना प्राप्त हो रही है। सोमवार को भी कौआकोल के एक विद्यालय में कार्यरत सफाई कर्मी भीषण गर्मी की चपेट में आकर बेहोश हो गई। आनन-फानन में ग्रामीण चिकित्सक को बुलाकर विद्यालय परिसर में ही उनका ईलाज किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रखण्ड के दरावां पंचायत के अफरडीह मध्य विद्यालय में कार्यरत सफाई कर्मी सोनी देवी अचानक भीषण गर्मी से बेहोश हो गई। जिसके बाद स्थानीय ग्रामीण चिकित्सक द्वारा उनका ईलाज किया गया। बता दें कि इस विद्यालय में पानी की भी काफी किल्लत है। जिससे विद्यालय में कार्यरत शिक्षक, रसोईया समेत विद्यार्थियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

## क्रिकेट खेलने के विवाद में ईंट से कूचकर मार डाला

निज संवाददाता

**नवादा**। नगर थाना क्षेत्र के कुरमा गांव में क्रिकेट खेलने के विवाद में किशोर को ईंट से कूच-कूचकर जख्मी कर दिया। आनन-फानन में उसे सदर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही नगर थाने की पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिवार वालों को सौंप दिया। मृतक की पहचान कुरमा गांव निवासी पप्पू चौधरी के 12 वर्षीय पुत्र राहुल कुमार के रूप में किया गया है। मृतक के पिता पप्पू चौधरी ने बताया कि क्रिकेट खेलने को लेकर हुए विवाद में ईंट से कूच कूचकर जख्मी कर दिया। इलाज के लिए सदर अस्पताल लाए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित किया कर दिया। परिजनों ने पुलिस से आरोपी के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की है। छानबीन में जुटी पुलिसः- घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। फिलहाल पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। सदर डीएसपी अनोज कुमार खुद घटना की जांच कर रहे हैं। उन्होंने घटना की पुष्टि की है। कहा कि सूचना मिली की नगर थाना क्षेत्र के कुरमा गांव में किशोर की हत्या की गई है। रोशन कुमार के द्वारा राहुल कुमार को क्रिकेट खेलने के दौरान ईंट से वार किया गया। पुलिस का कहना है कि आरोपी को जल्द पकड़ लिया जाएगा। 'घटना की जानकारी मिली है। एक किशोर की हत्या की गई है। परिजनों के बयान के आधार पर केस दर्ज किया गया है।

## बच्चों का नाम काटने पर अविभावकों ने प्रधानाध्यापिका के साथ किया अभद्र व्यव्हार

निज संवाददाता

**नवादा**। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव का आदेश पालन करना शिक्षिका को महंगा पड़ गया। स्कूल में ही शिक्षिका की जमकर पिटाई कर दी गई। मामला अकबरपुर प्रखंड के पंचगामा उत्क्रमित विद्यालय का है जहां स्कूल में घुसकर मारपीट व छेड़छाड़ करने का आरोप उत्क्रमित मध्य विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका निरंजू कुमारी ने लगाया है। नेमदरगंज थाने में आवेदन देकर गांव के संतशरण सिंह, संजू सिंह, डेजी कुमारी और चंद्रभूषण सिंह पर मारपीट व छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। आवेदन में प्रधानाध्यापिका ने कहा कि वह स्कूल पहुंचकर कार्यालय में अपना काम कर रही थी। इसी दौरान पूर्व प्रभारी संजू कुमारी ने कुछ लोगों को स्कूल बुलाया, वे लोग स्कूल पहुंचकर कागजों को इधर-उधर फेंक दिया। मना करने पर मेरे साथ छेड़छाड़ करने लगे साथ ही डंडे से पिटाई की, जिसमें मेरा पैर टूट गया। बचाव के लिए जब अपने भाई संजय कुमार को बुलाया, तो उसके साथ भी मारपीट की गयी। स्कूल आने वालों के हाथों में पिस्तौल भी था। उन्होंने कहा कि लगभग 70 बच्चे का नाम जो लोग स्कूल नहीं आते थे हटा दिया गया है और इसी के गुस्सा में आकर इन लोगों के द्वारा मेरे साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया। थानाध्यक्ष ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है। जांचोंपरांत अग्रेतर कार्रवाई की जायेगी।

## प्राइवेट स्कूलों द्वारा मनमाने ढंग से बच्चों को निर्गत किया जा रहा टीसी

**कौआकोल (नवादा) (नि.सं.)**। कौआकोल प्रखण्ड में इन दिनों सरकारी विद्यालयों में नवमीं कक्षा में नामांकन करवाने को लेकर फर्जी ढंग से निजी विद्यालयों द्वारा टीसी निर्गत किया जा रहा है। जिससे विद्यार्थियों का आर्थिक शोषण हो रहा है। सूत्रों की मानें तो प्रखण्ड के बीआरसी कार्यालय में अनाधिकृत रूप से काम कर रहे एक बिचौलिया शिक्षक के द्वारा कई निजी विद्यालय के प्राचार्य से सांठगांठ कर दो से तीन हजार रुपये की वसूली कर विद्यार्थियों को टीसी निर्गत किया जा रहा है। यहां बता दें कि सरकारी हाईस्कूलों में नौंवी में नामांकन के लिए आठवीं पास टीसी अनिवार्य है। इस कारण नामांकन के लिए प्राइवेट स्कूलों से फर्जी टीसी का सहारा लिया जा रहा है। जिसका गहनता से जांच कराने पर एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश हो सकता है। बता दें कि एक तरफ जहां सरकार एक ओर फर्जी नामांकन रोकने के लिए कई तरह के नियम बना रखे हैं,वहीं प्राइवेट स्कूलों के संचालकों तथा बीआरसी में अनाधिकृत रूप से काम कर रहे खास बिचौलिए द्वारा सरकार के सारे नियम कानून को ताक पर रखकर बगैर नामांकित छात्रों को भी नाजायज ढंग से टीसी देने का काम किया जा रहा है।

## बिजली और पानी के लिए ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

निज संवाददाता

**कौआकोल (नवादा)**। बिजली और पानी की समस्या को लेकर कौआकोल थाना क्षेत्र के भलुआही बाजार में सोमवार को ग्रामीणों ने कौआकोल-रोह मुख्य पथ को सुबह साढ़े 4 बजे से दोपहर साढ़े 11 बजे तक जाम रखा। भलुआही बाजार को भी शांतिपूर्ण बंद कराया गया। जाम के कारण उस पथ पर वाहनों का परिचालन ठप रहने से यातायात सेवा पूरी तरह से बाधित हो गई। लोग इस कड़ी धूप में पैदल चलने पर विवश हो गए। इस दरम्यान ग्रामीणों ने पीएचईडी तथा बिजली विभाग के साथ साथ स्थानीय प्रशासन, मुखिया, जिला परिषद सदस्य, विधायक एवं सांसद के विरुद्ध जमकर आक्रोश जताया। ग्रामीणों का कहना था कि इस तरह की भीषण गर्मी में भी उन लोगों के समक्ष बिजली तथा पानी की समस्या बिकराल बनी हुई है। शिकायत करने पर कोई भी अधिकारी बीडीओ,सीओ,बिजली विभाग के जेई तथा एसडीओ से लेकर मुखिया,जिला परिषद सदस्य, स्थानीय विधायक तथा सांसद तक कोई कुछ भी सुनने के लिए तैयार नहीं हैं। विधायक के नजदीकी लोगों द्वारा रोज फेसबुक तथा टीम ग्रुप पर मैसेज छोड़ा जा

रहा है कि आज फलां गांव में 100 केवीए का ट्रांसफार्मर विधायक जी के द्वारा लगाया गया, आज फलां जगह पर पावरग्रिड बनाने का निर्णय लिया गया। पर कहां लगा यह सिर्फ उनका खास और विधायक जी ही जानते हैं। धरातल पर कुछ नहीं दिखता और सब झूठे साबित हो रहे हैं। बिजली की स्थिति यह है कि 24 घंटों में महज एक से दो घंटे वह भी निर्वाध रुप से नहीं कभी दस मिनट तो कभी पांच मिनट देकर बिजली काट दी जाती है। जबकि वोल्टेज भी पूरी तरह से लो रहता है। जिसके कारण एक भी समरसेबल चालू नहीं हो पाता है। लिहाजा लोग बूंद-बूंद पानी के लिए भी तरस रहे हैं। उपभोक्ताओं की शिकायत है कि बिजली की बिल भी अनाप शनाप भेज दिया जा रहा है। जब 24 घंटे में 14 और 16 घंटा बिजली मिलती थी तो एक सौ 20 से डेढ़ सौ रुपए का बिल मिलता था और अभी जब जब एक से दो घंटे बिजली मिलती है तो दो सौ से लेकर ढाई सौ रुपए का बिल मिल रहा है। जिससे विभाग की इस मनमानी रवैया से उपभोक्ताओं में भारी आक्रोश है। बिजली नहीं मिलने से लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे है। जल का स्तर काफी नीचे चले जाने से चापाकल भी पूरी तरह से पानी देना बंद कर दिया है। लोग पूरी तरह से समरसेबल तथा बिजली पर आश्रित हो चुके हैं। और ऐसे भी इस तरह की भयंकर गर्मी में बिजली नहीं मिलने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो रहा है। पानी के बिना आम लोगों के साथ पशुओं की भी हलख सूख रहे हैं। समस्या से स्थानीय पदाधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधियों को कई बार अवगत कराते हुए समस्या से निदान के लिए आग्रह किया जा चुका है। बावजूद किसी ने इस समस्या का समाधान करना मुनासिब नहीं समझा। वार्डों में सात निश्चय योजना से लगाए गए नल जल योजना भी सिर्फ दिखावे की वस्तु बनी हुई है। काफी दिनों से पानी की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। जिससे लोग पीने के पानी के लिए तरस रहे हैं। बाध्य होकर ग्रामीण सड़क जाम एवं आंदोलन करने को विवश हो गए हैं। इधर सड़क जाम की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने जाम स्थल पर पहुंच वहां मौजूद लोगों को डांट फटकार लगाया। तथा बिजली विभाग के जेई से मोबाइल पर समस्या को दूर करने का आश्वासन दिलवाकर जाम को हटवाया। जिसके बाद उस पथ पर वाहनों की परिचालन शुरू हो सकी। गौरतलब है कि कौआकोल प्रखंड में यह एक गांव की समस्या नहीं है बल्कि कमोबेश पूरे प्रखंड की यही समस्या है। जिससे प्रखंड क्षेत्र के लोग बिजली और पानी की समस्या से त्रस्त हो चुके हैं। प्रत्येक दिन प्रखंड क्षेत्र के किसी न किसी जगह पर ग्रामीणों द्वारा व्यवस्था को लेकर आक्रोश जताया जा रहा है। पर समस्या के निदान को लेकर किसी तरह की अमल नहीं हो पा रहा है।

## गर्मी के कारण विद्यालय में महिला सफाईकर्मी हुई बेहोश

निज संवाददाता

**नवादा**। इन दिनों जिले में गर्मी पूरे शबाव पर है। तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से कमने का नाम नहीं दे रहा है। भीषण गर्मी ने लोगों का जीना मुहाल कर रखा है। आए दिन कहीं न कहीं अप्रिय घटना घटित होने की सूचना प्राप्त हो रही है। सोमवार को भी जिले के उग्रवाद प्रभावित कौआकोल के एक विद्यालय में कार्यरत सफाई कर्मी भीषण गर्मी की चपेट में आकर बेहोश हो गई। आनन-फानन में ग्रामीण चिकित्सक को बुलाकर विद्यालय परिसर में ही उनका इलाज किया गया। अफरडीह मध्य विद्यालय में कार्यरत सफाई कर्मी सोनी देवी अचानक भीषण गर्मी से बेहोश हो गई।

## मोदी को तीसरी बार पीएम बनने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जताई खुशी

**कौआकोल (नवादा) (नि.सं.)**। देश के प्रधानमंत्री पद पर तीसरी बार नरेंद्र मोदी के सुशोभित होने, केंद्र में एनडीए की सरकार बनने व नवादा संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी विवेक ठाकुर की प्रचंड जीत पर प्रखंड भाजपा कार्यालय में सोमवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बीजेपी पूर्वी मंडल के अध्यक्ष अजित कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को अबीर- गुलाल लगाकर तथा मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी।

## स्कूल खुलते हीं प्रचंड गर्मी में बच्चों को बीमार होने का खतरा बढ़ा, परिजनों में चिंता

निज संवाददाता

**रजौली (नवादा)**। प्रखण्ड क्षेत्र में भीषण गर्मी के साथ हीट वेव में दिनों-दिन बढ़ोतरी देखी जा रही है। इस दौरान विद्यालयों के खुलने से प्रचंड गर्मी में बच्चों के बीमार होने का खतरा बढ़ गया है। वहीं परिजन भी बच्चों को स्कूल भेजने से कतराते दिख रहे हैं। परिजनों ने कहा कि अधिकांश सरकारी विद्यालयों में बिजली एवं पानी की अनियमितता है। वहीं स्कूलों में बिजली रहने के बावजूद लो वोल्टेज की समस्या भी देखने को मिलती है। साथ ही कक्षाओं में एक या दो पंखे लगे होते हैं और बच्चों की संख्या अधिक रहने से पंखे भी निरर्थक साबित हो रहे हैं। वहीं सुबह से ही गर्मी इतनी ज्यादा होती है कि बाहर का तापमान 40 से लेकर 44 तक होता है। ऐसी स्थिति में बच्चे कक्षा में पढ़ते कम और हाथों में कॉपी एवं किताब लेकर खुद को गर्मी से राहत दिलाने में लगे रहते हैं। वहीं बच्चों के साथ-साथ शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का भी हाल-बेहाल रहता है।वे सरकार द्वारा प्राप्त निर्देशों का पालन करने में जुटे हैं। वहीं बच्चों के तबियत बिगड़ने का डर शिक्षकों को हमेशा सताते रहता है। इससे पूर्व भी जब विद्यालय खुले हुए थे, तो प्रत्येक दिन विभिन्न स्कूलों में पढ़ाई कर रहे बच्चों की तबियत बिगड़ी थी। जिसको लेकर बच्चों का इलाज ग्रामीण चिकित्सक एवं अस्पताल में तैनात चिकित्सकों द्वारा करवाया गया था। मौसम विभाग बिहार द्वारा बताया जा रहा है कि 10 जून से लेकर 14 तक दक्षिणी बिहार के अधिकांश जिलों में हीट वेव चरम सीमा पर रहने की प्रबल उम्मीद है। जिसको लेकर आम लोगों को सलाह भी दिया जा रहा है कि जरूरत हो तभी घर से बाहर निकलें अन्यथा बेवजह लू लगने से बीमार पड़ सकते हैं। लोगों को पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, हल्के कपड़े पहनने एवं ज्यादा शारीरिक श्रम नहीं करने की सलाह दी गई है। वहीं उच्च प्रोटीन वाले भोजन, बासी भोजन, चाय, कॉफी एवं शराब आदि के सेवन करने से मना भी किया जा रहा है।

**पूर्व मध्य रेल**

**निविदा सूचना**

**1. कार्य का नाम एवं स्थान** : स्टॉप सिग्नल (120 मीटर से नीचे) के पास आने वाले इंसुलेटेड ओवरलैप का स्थानांतरण।, 2. कार्य का अनुमानित मूल्य (रू) : 1,84,14,446/—, 3. जमानत राशि (रू) : रू 2,42,100/—, निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू) : (रू) 0, **4.** ई—निविदा प्रपत्र जमा करने एवं खुलने की तिथि : ई—निविदा प्रपत्र जमा करने की निर्धारित तिथि एवं समय : दिनांक 01.07.2024 को 12.00 बजे तक, ई—निविदा प्रपत्र खुलने का निर्धारित समय : दिनांक 01.07.2024 को 12.00 बजे वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क. वि.) कार्यालय, पूर्व मध्य रेल / सोनपुर में खोले जायेगें।, **5.** वेबसाईट एवं नोटिस बोर्ड का लोकेशन जहॉ से ई—निविदा संबंधित पूर्ण जानकारी प्राप्त की जा सकती है : वेबसाईट : **http:/www.ireps.gov.in नोटिस बोर्ड** : मंडल रेल प्रबंधक / सोनपुर के कैम्पस भवन, पूर्व मध्य रेल / सोनपुर।

**वरीय मंडल विद्युत इंजीनियर (क.वि.),**
**पूर्व मध्य रेल, सोनपुर**

पीआर/0447/एसईई/वि./टी/24—25/28

**पूर्व मध्य रेल**

**ई—निविदा सूचना**

**ई—निविदा सूचना सं0— CWMPD—01—2024—25, दिनांक : 08.06.2024**
मुख्य कारखाना प्रबन्धक, ब्रिज वर्कशॉप, पूर्व मध्य रेल, प्लान्ट डिपो, पं0 दीन दयाल उपाध्याय द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये तथा उनके प्रतिनिधि के रुप में निम्नलिखित कार्य के लिये प्रतिष्ठित फर्मों से ऑन लाईन (ई—निविदा) आमंत्रित की जाती है।
**ई—निविदा बंद होने की तिथि—02.07.2024**
**1. कार्य का नाम एवं लोकेशन** : इंजीनियरिंग वर्कशॉप, प्लान्ट डिपो, पं. दीन दयाल उपाध्याय में बनाये गये स्टील ब्रिज गर्डरों की ग्रिट ब्लास्टिंग, मेटेलाईजिंग एवं पेंटिंग का कार्य। **2. कार्य का अनुमानित लागत** : रु. 3,62,08,600.00, **3. जमानत राशि** : रू. 3,31,100.00, **4. ई—निविदा बंद होने की तिथि एवं समय** : 02.07.2024 को 12:00 बजे **5.** वेबसाइट पर ई—निविदा की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है। : **www.ireps.gov.in**

अधिशासी इंजीनियर/पी.डी.
पूर्व मध्य रेल, पं0 दीन दयाल उपाध्याय मंडल
**पीआर/0449/डीडीयू/ईजी./टी/24—25/28**

**Govt. of Bihar**

**Government Engineering College, Aurangabad**

**NOTICE INVITING TENDERS**

1. Government Engineering College, Aurangabad has been established under the Department of Science, Technology and Technical Education, Government of Bihar to cater to the needs of technical education. The college/institute is providing technical education as per the norms set by the All-India Council for Technical Education (AICTE). The Government Engineering College, Aurangabad intendents to hire an Internet Service Provider for Internet Leased Line." to provide un-interrupted services and invites bids from eligible entities as mentioned in the tender document.
2. The contract will be signed between Government Engineering College, Aurangabad and the successful agency/bidder.
3. To participate in the e-tendering process, the bidder/agency are required to get themselves registered with eproc2.bihar.gov.in.
4. **Schedule of Events:**

| Sn. | Event Description | Timeline |
|---|---|---|
| 4.1 | Last date & time of downloading the RFP | Till **25.06.204 up to 05:00PM**, on eproc2.bihar.gov.in |
| 4.2 | Pre-bid meeting | **22.06.2024 at 11:00 AM** |
| 4.3 | Submission (upload) of online bidding document. | **25.06.2024 till 10:00 PM**, on eproc2.bihar.gov.in |
| 4.4 | Submission of EMD | Online by 25.06.2024 to Government Engineering College, Aurangabad |
| 4.5 | Opening of Technical Bid | **27.06.2024** on the eproc2.bihar.gov.in |
| 4.6 | Opening of Financial Bid | **28.06.2024** on eproc2.bihar.gov.in |
| 4.7 | Pre- bid meeting venue | Government Engineering College, Aurangabad Arathua, Kasma, Rafiganj, 824125 |
| 4.8 | Contact person | Principal Government Engineering College, Aurangabad Mobil no- 8743074732 Email ID- principal@gecaurangabad.ac.in |
| 4.9 | Method of Selection | Least Cost Selection (LCS) |

For further details please visit : **www.state.bihar.gov.in/prdbihar**

PR. No. 001515 (Sci. & Tech.) 2024-25

**Principal/Principal in charge**
Government Engineering College, Aurangabad

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

# खनन पदाधिकारी पर जानलेवा हमला, सिर में लगी गंभीर चोट

## बक्सर में छापेमारी करने गए थे, ट्रक की जांच के दौरान बालू माफियाओं ने किया अटैक

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महादह गांव के पास छापेमारी के दौरान खनन अधिकारी पर बालू माफियाओं ने जानलेवा हमला कर दिया। जिसमें उनके सिर में गंभीर चोट लगी है। जिन्हें इलाज के लिए बक्सर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी के बाद बक्सर सदर एसडीएम धीरेंद्र मिश्रा और डीडीसी डॉ महेंद्र पाल मौके पर पहुंचे है। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महदह गांव के पास की है। जहां छापेमारी करने गए खनन अधिकारी कृष्ण कुमार गुप्ता पर बालू माफियाओं में जानलेवा हमला कर दिया। बताया जा रहा है खनन पदाधिकारी सूचना पर महदह गांव के पास अवैध खनन कर बालू लदे ट्रक पकड़ने गए थे। जैसे ही वो बालू लदे ट्रक को पकड़ कर जांच कर रहे

थे तभी बालू माफियाओं ने उन पर जानलेवा हमला बोल दिया। हमले में माइनिंग अफसर के सर में गम्भीर चोट लग गया।बताया जा रहा है कि मामले की जानकारी मिलते ही उप विकास आयुक्त डॉ महेंद्र पाल और बक्सर सदर एसडीएम धीरेंद्र मिश्रा सदर अस्पताल पहुंच कर मामले की जांच में जुट गए।

**सिर में लगी थी गंभीर चोटः** सदर अस्पताल में इलाज कर रहे डॉ श्याम बाबू रजक ने बताया कि खनन अधिकारी कृष्ण कुमार गुप्ता के साथ मारपीट की गई है, सुबह वो जख्मी हालत में आए थे। फिलहाल उनकी स्थिति समान्य है। उनके सिर में गंभीर चोट लगा था, जिसका इलाज किया गाय।

**आरोपियों की तलाश जारीः** घटना को लेकर बक्सर एसडीएम धीरेंद्र मिश्रा ने बताया कि जिसने भी यह हमला किया है, उसे बख्शा नहीं जाएगा। सभी की पहचान की जा रही है।

**जल्द होगी कार्रवाईः** सदर एसडीएम धीरेंद्र मिश्रा ने कहा कि हमले की सूचना पर हम लोग हॉस्पिटल पहुंचे थे। फिलहाल वो अभी खतरे से बाहर है। हमला किसने किया यह पहचान कर रहे है। पहचाना होने पर हम लोग आगे कड़ी करवाई करेंगे।

# सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

निज संवाददाता। आरा

आरा-बक्सर नेशनल हाईवे पर शहर के नवादा थाना क्षेत्र के चंदवा पुल के समीप सोमवार की देर शाम अज्ञात स्कॉर्पियो ने बाइक सवार एक युवक को रौंद दिया। हादसे में उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। इसके बाद मौके पर पहुंची नवादा और ट्रैफिक थाना पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल में करवाया।

**पुलिस ने परिजनों की दी सूचनाः** मृतक उदवंतनगर थाना क्षेत्र के गजराजगंज ओपी अंतर्गत अख्तियारपुर बड़का गांव निवासी स्व. सत्य नारायण चौधरी का 21 वर्षीय पुत्र शिवम कुमार उर्फ टाइगर है। मृतक के चाचा कुंदन कुमार ने बताया कि वह बाइक से मार्केटिंग करने के लिए बाजार जा रहा था। इसी दौरान चंदवा पुल के समीप विपरीत दिशा से आ रही अज्ञात स्कॉर्पियो ने रौंद दिया। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने सूचना मृतक के परिजनों को दी। सूचना पाकर मृतक के परिजन आरा अस्पताल पहुंचे। बताया जाता है कि मृतक अपने तीन भाई व एक बहन में छोटा था।

# दो कट्टा जमीन के लिए दो पक्षों में मारपीट

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर जिले के पीरो थाना क्षेत्र के मझिआंव गांव में जमीन विवाद को लेकर पिता-पुत्र समेत अन्य लोगों की जमकर पिटाई कर दी। तीनों लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। उन्हें इलाज के लिए पीरो रेफरल अस्पताल से आरा सदर अस्पताल लाया गया। जख्मियों में पीरो थाना क्षेत्र के मझिआंव गांव निवासी जगमोहन सिंह, उनका पुत्र मंटू सिंह और उनकी भाभी गीता देवी शामिल है।

**मारपीट में महिला भी शामिलः** उधर दोनों पक्षों के बीच हुए मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें देखा जा सकता है कि एक पक्ष के पुरुष और महिला लाठी-डंडे लेकर दूसरे पक्ष के सभी लोगों की जमकर पिटाई कर रहे। इधर मंटू कुमार ने बताया कि पट्टीदार

से ही 5 कट्ठा खेत को लेकर करीब दो वर्ष से विवाद चल रहा है।

**वीडियो के आधार पर जांच की जा रही हैः** दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। जिसके बाद लाठी-डंडे से एक-दूसरे पर हमला शुरू हो गया। जिससे सभी जख्मी हो गए। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए पीरो रेफरल अस्पताल से आरा सदर अस्पताल लाया गया। मामला शांत होने के बाद पीड़ितों ने शिकायत स्थानीय थाना में की। थानाध्यक्ष ने बताया की वीडियो के आधार मामले की जांच की जा रही है।

# चौसा पावर प्लांट की तीसरी यूनिट के लिए भी तैयारी, सितंबर में शुरू होगी 660MW की पहली यूनिट

निज संवाददाता। बक्सर

चौसा में निर्माणाधीन बक्सर ताप बिजली घर की पहली यूनिट (660 मेगावाट) सितंबर माह तक शुरू कर दी जाएगी। इसके साथ ही दूसरी यूनिट को दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य है। उक्त बातों की जानकारी भारत सरकार और हिमाचल प्रदेश सरकार की संयुक्त स्वामित्व वाली एसजेवीएन के नए सीएमडी सुशील शर्मा ने कही। पद संभालने के बाद वे बक्सर पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि बिजली घर का काम काफी तेजी से चल रहा है। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि यह बिहार में सबसे कम समय में शुरू होने वाली बिजली घर परियोजना होगी। बक्सर ताप बिजली घर से उत्पादित होने वाली 85 प्रतिशत ऊर्जा पूर्व निर्धारित करार के अनुसार बिहार सरकार को मिलेगी। शेष बिजली पर केंद्र सरकार के ऊर्जा मंत्रालय और एसजेवीएन की सहायक कंपनी एसजेवीएन थर्मल पावर लिमिटेड (एसटीपीएल) का अधिकार होगा। इस बिजली घर के शुरू होने से ऊर्जा क्षेत्र में बिहार की आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि चौसा में ही 800 मेगावाट की

तीसरी यूनिट के लिए कंपनी ने डीपीआर तैयार कर लिया गया है। इसके लिए स्थान उपलब्ध है। सरकार से मंजूरी मिलते ही कार्य शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने बिहार सरकार के ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव के साथ ही स्थानीय प्रशासन और लोगों को इस परियोजना में सकारात्मक सहयोग के लिए तारीफ किया। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र का विकास होगा। अखौरीपुर गोला पर हाईमास्ट

♦ दिसंबर तक दूसरा पूरा करने का लक्ष्य

लाइट लगेगी एसजेवीएन के सीएमडी सुशील शर्मा सोमवार को चौसा पहुंचे। जहां उन्होंने सबसे पहले मुरा बाबा स्थल को देखा। उन्होंने कहा कि इसका विकास किया जाएगा। इसके साथ ही अखौरीपुर गोला पर हाईमास्ट लाइट लगवाने को निर्देशित किया। सौंदर्यीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उन्होंने कहा कि लगभग 200 एकड़ में हरित पट्टी विकसित की जाएगी। इसकी शुरुआत यहां पेड़-पौधे लगाकर शुरू कर दिया गया है। इस दौरान उनके साथ बक्सर बिजली घर के सीईओ संजय सिंह और कंपनी के सलाहकार एसके सिंह भी मौजूद रहे। वहीं एसटीपीएल के सीईओ संजय सिंह ने बताया कि कंपनी ने अब तक 25 करोड़ रुपए आसपास के इलाके में सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत खर्च किए हैं। कंपनी की ओर से आसपास के 17 सरकारी स्कूलों में फर्नीचर देने जा रही है।

# हार के बाद बसपा नेता अनिल चौधरी की ने की बैठक

## कहा- भारत का लोकतंत्र दो दलीय व्यवस्था की तरफ बढ़ रहा

निज संवाददाता। बक्सर

बहुजन समाज पार्टी के बक्सर जिला कार्यालय में सोमवार को बहुजन समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष सुभाष गौतम के नेतृत्व में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बसपा के प्रदेश प्रभारी सह बक्सर से बसपा प्रत्याशी अनिल कुमार मौजूद थे। इस दौरान अनिल कुमार में कहा की भारत का लोकतंत्र दो दलीय व्यवस्था की तरफ बढ़ रहा है यह बहुजन समाज पार्टी के हार का कारण रहा। यह चुनाव एनडीए नहीं तो इंडिया के बीच जो चल रहा है वैसी परिस्थिति में किसी दल का प्रत्याशी वोट नहीं ला पा रहे है यह बहुत बड़ी विडंबना है। कुछ गलतियां हुई है जिसका खामियाजा हमारी पार्टी को हार के रूप में मिला है।इस चुनाव में अपनी हार और अपनी पार्टी की हार का जवाबदेही मैं ले रहा हूं। उन्होंने कहा कि जाती और धर्म के नाम पर जो यह चुनाव हो रहा है।लोकतंत्र को बचाने की बात हो, या कहीं जातियों में उन्माद फैलाकर वोट लेने की बात हो इन चीजों से अलग हम लोग सामाजिक माहौल को बनाने वाले है। बहुजन समाज पार्टी संविधान के अनुसार चलने वाली पार्टी है। बसपा कभी न किसी का बुरा चाहती

है ना बुरा करती है। उन्होंने कहा की हमने जिन कामों को करने का वादा बक्सर की जनता से किया है उसको पूरा करने की हर संभव कोशिश करूंगा। उन्होंने बक्सर की जनता को धन्यवाद करते हुए कहा की बक्सर की जनता ने जिस तरह से हमें अपना बहुमूल्य वोट देकर बहुजन समाज पार्टी को मजबूत करने का इरादा बनाया है इसलिए सभी भाइयों, बहनों एवं माताओं का शुक्रगुजार हूं। आपका भाई हमेशा आपकी सेवा एवं विकसित बक्सर को बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। इस मौके पर जिला अध्यक्ष सुभाष गौतम, रंजीत कुशवाहा, शिवकुमार सिंह कुशवाहा, शेषनाथ कुशवाहा, प्रदेश महासचिव अभिमन्यु कुशवाहा, पिंटू यादव, रोहतास जिलाध्यक्ष पवन कुमार, कैमूर जिलाध्यक्ष छोटे लाल, संतोष यादव, रवि सिन्हा, रमेश राजभर, जेपी यादव, चंदन चौहान, धर्मपाल पासवान, जयनारायण राम, कमलेश राव, मुकेश पासवान एवं सभी जिला, विधानसभा एवं प्रखंड कमेटी के साथ साथ सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# छात्र हत्याकांड मामले में प्राथमिकी दर्ज

निज संवाददाता। आरा

♦ पिता के बयान पर तीन दोस्तों के खिलाफ एफआईआर, यज्ञ में शामिल होने गया था

नवादा थाना क्षेत्र के बहिरो गांव स्थित गैस गोदाम के समीप गोली मारकर छात्र की हत्या की गई थी। मामले में मृतक के पिता बुधन पासवान ने संबंधित थाना में भुसौला निवासी रंजीत सिंह, बहीरो निवासी अमन पासवान और गुड्डू पासवान के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी कराई है। हालांकि सभी फरार हैं। मृतक के पिता बहीरो निवासी बुधन पासवान ने संबंधित थाना में प्राथमिकी दर्ज की है।

**युवक को घर से ले गए थे बदमाशः** प्राथमिकी में कहा गया है कि उनका पुत्र साहिल उर्फ भोला रविवार की रात घर पर था। इस दौरान रात 8-9 बजे के बीच दो अलग-अलग बाइक से भुसौला निवासी रंजीत सिंह, बहीरो निवासी अमन पासवान और गुड्डू पासवान उनके घर पर आए थे। इसके बाद पुत्र को बुलाकर अपने साथ ले गए थे। एक बाइक पर मेरा बेटा और आरोपित रंजीत सिंह बैठा था। जबकि, दूसरी बाइक पर आरोपित अमन और गुड्डू पासवान बैठा था। पुत्र ने बताया था कि मुफस्सिल थाना के गोठहुला यज्ञ में प्रोग्राम देखने जा रहे हैं। पिता का आरोप है कि एक सप्ताह पूर्व आरोपित रंजीत सिंह से किसी बात को लेकर पुत्र का विवाद हुआ था। इस दौरान आरोपित ने धमकी दी थी कि उठवा लेंगे। मृत छात्र को सिर के पीछे से गोली मारी गई थी। गोली मारकर हत्या के बाद मृत अवस्था में उसे सड़क किनारे छोड़कर फरार हो गए थे। प्राथमिकी के बाद आरोपितों के गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार ने बताया कि यज्ञ देखने गए एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मामला आपसी विवाद को लेकर सामने आ रहा है। जल्दी सभी आरोपितों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

# संक्षिप्त समाचार

## आर्थिक रूप से कमजोर बच्चे ज्ञानदीप पोर्टल पर करें आवेदन

**आरा।** प्राथमिक शिक्षा बिहार की अध्यक्षता में निजी विद्यालयों के संचालकों के साथ सोमवार को जिला समाहरणालय के एनआईसी में बैठक हुई। आरटीआई के तहत निजी विद्यालयों को नामांकन लेने का निर्देश दिया गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी अहसन ने बताया कि शैक्षणिक सत्र, 2024-25 में आरटीआई के तहत नामांकन लेने के लिए आवेदकों को ज्ञानदीप पोर्टल पर निर्धारित समयानुसार रजिस्ट्रेशन कराना होगा। उन्होंने बताया कि एक जून से रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। 16 जून तक नामांकन के लिए रजिस्ट्रेशन होगा। 18 से 19 जून तक ऑनलाइन स्कूल आवंटित किया जाएगा। चयनित छात्रों का सत्यापन एवं विद्यालय में प्रवेश 20 जून से 30 जून तक होगा। आरटीआई के तहत उन्हीं बच्चों का नामांकन निजी विद्यालयों में होगा जिनके माता-पिता का वार्षिक आय एक लाख रुपए तक का है। वह अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अत्यंत पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक समूह से आते हो। नामांकन के समय जन्म प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र सहित अन्य दस्तावेज अनिवार्य है।

## पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का हुआ समापन

**आरा।** पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव का समापन सोमवार को श्री दिगंबर जैन चंद्रप्रभु मंदिर में परम पूज्य श्रमण श्री 108 सुप्रभ सागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 प्रणत सागर जी महाराज के सानिध्य में हुआ। पंचकल्याणक के अंतिम दिन सोमवार को मोक्ष कल्याणक के मोक्ष गमन के पश्चात जिनेंद्र प्रभु की भक्ति पूर्वक अभिषेक, पूजन एवं शांतिधारा संपन्न हुआ। प्रतिष्ठाचार्य पंडित मुकेश जैन शास्त्री व पंडित अखिलेश जैन शास्त्री के विशेष मंत्रोच्चार के बीच विश्व के कल्याण व शांति के लिए हवन हुआ। मीडिया समन्वयक निलेश कुमार जैन ने बताया कि हवन के समाप्ति पर विशाल शोभायात्रा चंद्रप्रभु मंदिर से महाजन टोली के श्री दिगंबर जैन पंचायती मंदिर के लिए निकाली गई। शोभायात्रा में इंद्र-इंद्राणी नव प्रतिष्ठित प्रतिमा को रथ पर विराजमान कर गाजे-बाजे व नाचते-झूमते पंचायती मंदिर पहुंचे। जहां नव निर्मित वेदी पर जिनेंद्र प्रभु को विराजित कर भक्त बहुत प्रफुल्लित थे। शुद्धिकरण के पश्चात अभिषेक, पूजन संपन्न हुआ। महोत्सव को सफल बनाने में श्री दिगंबर जैन पंचायती मंदिर के अध्यक्ष कमलेश कुमार जैन, सचिव डॉ आदित्य विजय जैन, सह सचिव बिभु जैन, कोषाध्यक्ष धीरेंद्र चंद्र जैन, संयोजक आकाश जैन, अज्जू जैन, डॉ श्वेता जैन, कार्यक्रम संयोजक डॉ शशांक जैन, मुनिसंघ सचिव अजय कुमार जैन, नीरज किशोर जैन, कुंतल किशोर जैन, निशी जैन, आदेश जैन, मंजुला जैन, अंशु जैन, छवि जैन, परिमल जैन थे।

## जिला उद्योग केन्द्र में शिविर लगाकर बनाया गया फूड लाइसेंस

**आरा।** जिला उद्योग केन्द्र भोजपुर के सभागार में एफएसएसएआई निबंधन के लिए शिविर लगाया गया। इस दौरान पीएमएफएमई योजना के लाभार्थियों का निबंधन कराते हुए फूड लाइसेंस ऑन स्पॉट बनाया गया। 41 उद्यमियों ने फूड लाइसेंस के ऑनलाइन आवेदन किया था। जांच उपरांत सही पाए जाने पर 12 उद्यमियों को सर्टिफिकेट निर्गत किया गया। विशेष रूप से इस शिविर में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अजय कुमार उपस्थित रहे। जिन्होंने लाभार्थियों के कागजातों को जांचोपरांत उन्हें सर्टिफिकेट जारी किया। उद्योग विस्तार पदाधिकारी सतीश कुमार ने बताया कि फूड रजिस्ट्रेशन के लिए कैंप लगाया गया है। जिसमे खासकर पीएमएफएमई योजना के लाभार्थियों का फूड लाइसेंस के लिए रजिस्ट्रेशन किया गया। इसके साथ ही ऑन स्पॉट उन्हें सर्टिफिकेट जारी किया गया। उन्होंने बताया कि उद्यमियों को फूड लाइसेंस लेना अनिवार्य होता है, इस लाइसेंस को बनवाने में उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ता था। जिसको देखते हुए उद्योग विभाग के द्वारा आज कई जिलों में एक साथ विशेष कैम्प आयोजित करने का निर्देश दिया गया था। जिसके आलोक में जिला उद्योग केंद्र के परिसर में आज फूड लाइसेंस के लिए कैंप लगाया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी अजय कुमार ने बताया कि उद्यमी कविता कुमारी, रिंकी, प्रिया कुमारी, राकेश पांडेय और मनोज कुमार समेत अन्य कई उद्यमियों को फूड लाइसेंस निर्गत किया गया। इन उद्यमियों को खाद्य सुरक्षा अधिकारी अजय कुमार, उद्योग विस्तार पदाधिकारी सतीश कुमार, हरेश कुमार, स्वेता कुमारी ने संयुक्त रूप से फूड लाइसेंस का सर्टिफिकेट प्रदान किया। खाद्य उत्पादों से जुड़े हुए इकाई चलाने वाले उद्यमियों के लिए एफएसएसएआई लाइसेंस लेना अनिवार्य होता है।

## चंदवा मोड़ के पास वाहन की ठोकर से युवक की मौत

**आरा।** आरा नवादा थाना क्षेत्र के चंदवा मोड़ के पास अज्ञात वाहन से ठोकर लगने से एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक गजराजगंज थाना क्षेत्र के अख्तियारपुर- बड़कागांव निवासी शिवमं उर्फ टाइगर कुमार था। जो अख्तियारपुर बड़कागांव निवासी सत्यनारायण चौधरी का 24 वर्षीय पुत्र था। शिवमं कुमार बामपाली में किराना का दुकान चलाता था। उसी दुकान के लिए समान खरीदने के लिए बाइक से आरा जा रहा था। उसी क्रम में चंदवा मोड़ के पास अज्ञात वाहन ने बाइक में ठोकर मार दिया। जिससे बाइक सवार गिर गया और गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौत हो गई। मौके पर उपस्थित लोगों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस घटना स्थल पर पहुंच शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज मृतक के परिवार के लोगों को घटना की सूचना दे दी। सूचना मिलने के बाद परिवार के लोगों ने सदर अस्पताल पहुंचे। शिवमं कुमार की मौत की खबर मिलते ही गांव का माहौल गमगीन हो गया। घर परिवार में चीख पुकार मच गया। परिवार के लोगों ने शव का पोस्टमार्टम करा कर गांव लेते गए। वही वाहन चालक घटना को अंजाम देने के बाद वाहन लेकर भागने में सफल रहा।

## गर्मी से विद्यालय में बिगड़ी छात्रा की तबीयत

**बक्सर।** बक्सर के एकौनी कन्या मध्य विद्यालय में एक छात्रा की अचानक तबीयत खराब हो गई। उसे खाट पर टांग कर एंबुलेंस के पास पहुंचाया गया। उसके बाद उसे डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया। छात्रा को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। हालांकि छात्रा की स्थिति अभी सामान्य है। बताया जा रहा कि जिले का तापमान अभी काफी बढ़ा हुआ है। इसमें विद्यालय में पढ़ने के लिए पहुंच रहे छात्र छात्राओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। डुमरांव प्रखंड स्थित एकौनी मध्य विद्यालय में राजाराम जी राम की बेटी 8वीं क्लास की छात्रा है। आज स्कूल खुलते ही पढ़ने के लिए गई थी। तभी तीसरी घंटी के समय उसे अचानक सांस लेने में तकलीफ होने लगी। वह विद्यालय में गिर छटपटाने लगी। इसकी सूचना एचएम को दी गई जिसको बगल से घाट पर लिटा सड़क पर एंबुलेंस तक पहुंचाया गया। आनन-फानन में छात्रा को डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया। डुमरांव अनुमंडल के डॉक्टर अजीत किशोर ने कहा कि जब बच्ची हॉस्पिटल पहुंची थी तो काफी सीरियस थी। हालांकि समय से इलाज शुरू करने से अब वह ठीक है। कहा कि भीषण गर्मी के कारण ऐसा होता है। बता दें कि सोमवार को बक्सर का तापमान 43 से 44 डिग्री रहा है।

# पैसे नहीं दिए तो पिता की कर दी पिटाई

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर जिले के धोबहा थाना क्षेत्र के बेला गांव में सोमवार को पेंशन के पैसे के विवाद को लेकर बेटे ने अपने पिता और उनके दो पोते की पिटाई कर दी। जिससे सभी जख्मी हो गए। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जख्मियों में धोबहा थाना क्षेत्र के बेला गांव निवासी सह रिटायर्ड फौजी केदारनाथ मिश्र और उनके दो पोते अमर मिश्रा व गोलू कुमार शामिल है।

**पीड़ित ने स्थानीय थाने में की शिकायतः** रिटायर्ड फौजी केदारनाथ मिश्र ने बताया कि मैं आर्मी से रिटायर्ड हूं। 47 हजार रुपए पेंशन मिलता है। दो दिन पूर्व तीसरे नंबर वाला बेटा अनिल मिश्रा कोलकाता से वापस गांव लौटा है। वो पैसा

मांग रहा था। मैंने कहा कि अभी मेरे पास सिर्फ 15 हजार रुपए है ले लो। लेकिन वह नहीं माना और ज्यादा पैसे की मांग करने लगा। इसी बात को लेकर उनके बीच कहासुनी हुई। इसके बाद उसने मेरी पिटाई शुरू कर दी। मुझे पिटता देख मेरे दोनों पोते अमर मिश्रा और गोलू कुमार आए तो अनिल मिश्रा ने उनकी भी पिटाई कर दी। जिससे सभी जख्मी हो गए। मामला शांत होने के बाद पीड़ितों ने इसकी शिकायत स्थानीय पुलिस से की है।

# फाइलेरिया नाइट ब्लड सर्वे 24 जून से होगा

निज संवाददाता। आरा

जिले में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के लिए नाइट ब्लड सर्वे 24 जून से शुरू होगा। नाइट ब्लड सर्वे के आधार पर ही सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए फाइलेरिया विभाग के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी ने एसीएमओ सह जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ केएन सिन्हा को पत्र भेजकर इस संबंध में दिशा निर्देश दिया हैं। निर्देश के आलोक में जिला में नाइट ब्लड सर्वे अभियान के लिए स्वास्थ्य विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। नाइट ब्लड सर्वे को लेकर एसीएमओ डॉ केएन सिन्हा ने सदर अस्पताल में सोमवार को बैठक की। इसकी मॉनिटरिंग करते हुए उन्होंने कई दिशानिर्देश दिए है ताकि, किसी भी स्तर से कोई कमी न होने पाए। नाइट ब्लड सर्वे के लिए स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षित भी किया जाना

है। प्रशिक्षण के लिए सभी प्रखंडों के स्वास्थ्य केंद्रों से डीएचएम, बीसीएम एवं नामित मेडिकल असिस्टेंट की सूचि एसीएमओ ने मांगी है। एनबीएस माइक्रोप्लान, टीम गठन, सुपरविजन प्लान एवं स्थाई और अस्थाई गांव का फील्ड लोकेशन इत्यादि भी तैयारी किया जाएगा। एनबीएस की रिपोर्ट पर ही चलेगा एमडीएम अभियान डॉ केएन सिन्हा ने नाइट ब्लड सर्वे (एनबीएस) व सर्वजन दवा सेवन अभियान (एमडीएम) से संबंधित बैठक में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले से फाइलेरिया को पूरी से मिटाने के लिए एनबीएस व एमडीएम अभियान चलाया जाना है। लेकिन एमडीएम तभी सफल होगा, जब वहां एनबीएस का रिपोर्ट सटीक आएगा। नाइट ब्लड सर्वे के तहत फाइलेरिया प्रभावित क्षेत्रों की पहचान कर वहां रात में लोगों के रक्त के नमूने लिए जाएंगे। इसे प्रयोगशाला भेजकर रक्त में फाइलेरिया के परजीवी की मौजूदगी का पता लगाया जाएगा, क्योंकि फाइलेरिया के परजीवी रात में ही सक्रिय होते हैं, इसलिए नाइट ब्लड सर्वे से सही रिपोर्ट से ही फाइलेरिया का सही पता चल पाएगा। नाइट ब ब्लड सर्वे में जिला व प्रखंड स्तर के स्वास्थ्य विभाग की टीम, स्थानीय गांव के फ्रंटलाइन वर्कर्स,जनप्रतिनिधि व अन्य लोगों की मदद भी ली जाएगी। बैठक में पीरामल के ओझा जी, फाइलेरिया विभाग से अजीत पटेल, प्रियंका, डॉ दयानंद, भीम, तारकेश्वर समेत कई लोग उपस्थित थे।

## संक्षिप्त समाचार

### घर लेकर चले गए सैंडिस के जिम का मसाज चेयर

**भागलपुर**। सैंडिस के जिम का दोनों मसाज चेयर वहां से बाहर ले जाया गया है। बताया जा रहा है कि यह किसी के घर ले जाया गया है। बताया गया कि स्मार्ट सिटी से सीजीएम संदीप कुमार के आदेश पर ऐसा हुआ है। हालांकि सोमवार को स्मार्ट सिटी के पीआरओ पंकज कुमार ने बताया कि मसाज चेयर का रखरखाव ठीक से नहीं हो रहा था, इसलिए उसे मंगवाया गया है। दोनों चेयर स्मार्ट सिटी की अभिरक्षा में है। वहां तैनात गार्ड ने मुकेश कुमार नाम के व्यक्ति से रिसिविंग भी लिखवाया है। इसमें लिखा गया है कि सीजीएम के आदेश पर वह मसाज चेयर लेकर जा रहा है।

### रिपोर्ट समय से नहीं भेजी, 8 प्रभारियों को शोकॉज

**भागलपुर**। सरकारी आदेश का पालन नहीं करने व काम में लापरवाही के आरोप में जिले के आठ अस्पताल प्रभारियों से सिविल सर्जन डॉ. अंजना कुमारी ने स्पष्टीकरण पूछा है। डीएम ने सभी को आदेश दिया था कि बायोमेट्रिक उपस्थिति समय पर दर्ज कर इसकी रिपोर्ट भेजें। लेकिन जिम्मेदारों ने इसका पालन नहीं किया। सीएस ने पीएचसी नारायणपुर, खरीक, नवगछिया, जगदीशपुर, सीएचसी सबौर, शाहकुंड एवं रेफरल अस्पताल नाथनगर एवं सुल्तानगंज प्रभारी से जवाब मांगा है। सीएस ने सीएचसी चंपानगर अस्पताल प्रभारी डॉ. सुनील कुमार पोद्दार के खिलाफ भी एक्शन लिया है। उनकी प्रतिनियुक्ति खत्म कर मूल संस्थान में भेजा गया है। पत्र में सीएस ने कहा है कि सीएचसी चंपानगर में लापरवाही चरम पर है। यहां कर्मी समय पर नहीं आते हैं और समय से पहले अस्पताल से चले जाते हैं। कायाकल्प समेत सरकारी योजना को लेकर किसी तरह का काम नहीं कर रहे हैं। मरीज इस अस्पताल में इलाज कराने से कतराने लगे हैं। यहां के प्रभारी डॉ. सुनील प्रशासनिक रूप से पूरी तरह से विफल हैं।

### लगातार चौथे दिन 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज रहा अधिकतम तापमान, आर्द्रता 51 डिग्री सेल्सियस के बराबर, सिरदर्दी बढ़ी

**मुंगेर**। जिले में गर्मी ने सोमवार को अब तक के सारे रिकॉर्ड को तोड़ दिया। लगातार चौथे दिन जिले में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ऐसा इससे पहले मुंगेर जिले में कभी नहीं हुआ था कि लगातार चार दिनों तक अधिकतम तापमान का पारा 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया हो। जिसके कारण जिले में अब तक के गर्मी का सारा रिकॉर्ड टूट चुका है। गर्मी इतनी प्रचंड थी कि तापमान की आर्द्रता 51 डिग्री सेल्सियस के बराबर दर्ज की गई। जिससे चिलचिलाती धूप के साथ-साथ उमस से भी लोग खासे परेशान रहे। उमस भरी गर्मी के कारण एक सरकारी विद्यालय में दो बच्चों को पहले तो उल्टी होने लगी, उसके बाद दोनों बारी-बारी से बेहोश हो गया। अन्य विद्यालयों में भी बच्चे गर्मी से काफी हलकान रहे। सुबह 11 बजे के बाद से ही सड़कें वीरान होने लगी है। चिलचिलाती धूप से आम लोगों के साथ-साथ पेड़-पौधे भी झुलस रहे हैं। वहीं मौसम विभाग से मिली रिपोर्ट के अनुसार 16 जून से बारिश होने के बाद गर्मी से थोड़ी राहत मिलने की संभावना है। बीते चार दिनों से जिले में अधिकतम तापमान का पारा लगातार 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा रहा है। जबकि न्यूनतम तापमान भी सोमवार को 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जिले का अधिकतम तापमान सामान्य से जहां 19 डिग्री अधिक है, वहीं न्यूनतम तापमान भी सामान्य से 4 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। इससे साफ समझा जा सकता है कि इस बार गर्मी किस तरह से अपने सारे पिछले रिकॉर्ड को भी तोड़ रही है। पहले लगातार इस तरह की गर्मी कभी नहीं देखी गई थी। लगातार भीषण गर्मी पड़ने के कारण आम जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित हो गया है। यहां तक कि विद्यालय आने-जाने वाले बच्चे भी गर्मी के चपेट में आ रहे हैं। असरगंज प्रतिनिधि से मिली जानकारी के अनुसार मध्य विद्यालय कोरियन के छठी कक्षा की छात्रा एवं पहले वर्ग का एक छात्र उमस भरी गर्मी के कारण सोमवार को बेहोश हो गया। प्रभारी प्रधानाध्यापक रविंद्र कुमार ने बताया कि छात्र एवं छात्रा को पहले तो गर्मी के कारण चक्कर आने लगा, उसके बाद बारी-बारी से दोनों को उल्टी होने लगी और फिर दोनों बेहोश हो गया। जिसके बाद दोनों का प्राथमिक उपचार कर बच्चों के अभिभावक को सूचना दी गई। कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक मुकेश कुमार ने बताया कि इस बार प्री-मानसून में बारिश नहीं होने से तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है।

### सफेद बालू के अवैध खनन पर कसेगा शिकंजा

**मुंगेर**। चुनाव आचार संहिता समाप्त होने के बाद जिले में पिछले तीन महीने से रुके कार्य को गति मिलना शुरू हो गया है। गंगा नदी किनारे घाटों पर सफेद बालू का खनन बिना सरकारी टेंडर के ही रोजाना हजारों टन अवैध तरीके से निजी स्तर पर बेचा जा रहा है। इसपर रोक लगाने और सफेद बालू खनन से सरकार को राजस्व की प्राप्ति हो, इसको लेकर जिलाधिकारी ने जिले के 22 सफेद बालू घाटों के लिए निविदा प्रक्रिया निकालने का निर्देश जिला खनन पदाधिकारी को दिया था। जिला प्रशासन के इसी निर्देश के तहत जिला खनन पदाधिकारी रंधीर कुमार ने गंगा किनारे बालू घाटों की बंदोबस्ती के लिए टेंडर प्रक्रिया निकाला है। निविदा प्रक्रिया ऑनलाइन भरी जानी है। निविदा भरने की अंतिम तारीख 13 जून रखी गयी है। सभी 22 गंगा घाटों की बंदोबस्ती 5 वर्ष के लिए की जाएगी। उन्होंने कहा कि डीएम कार्यालय में 19 जून को अपराह्न 2 बजे गंगा घाटों की नीलामी प्रक्रिया होगी। गौरतलब है कि पिछले साल 8 सफेद बालू घाटों की बंदोबस्ती के लिए निविदा निकाला गया था। बड़े-बड़े घाट का संरक्षित राशि काफी ज्यादा होने से बालू घाट की नीलामी प्रक्रिया सफल नहीं हो पायी। जिला प्रशासन ने पिछली बार गंगा घाट का क्षेत्रफल 40 हेक्टेयर से भी अधिक बड़ा रहने के कारण दिक्कतें आयी थी, वहीं इस बार डिवाइड कर घाटों को छोटे-छोटे टुकड़ों में बांट दिया है। इस बार सफेद बालू घाटों को औसतन करीब 15 हेक्टेयर में बांटकर कुल 22 सफेद बालू घाट बना दिया गया है। मालूम हो कि निविदा करने वालों को सेक्युरिटी मनी का 25 प्रतिशत राशि विभाग को अग्रिम जमा करना होगा। जिला खनन पदाधिकारी ने बताया कि बालू घाटों की विस्तृत विवरणी जिला के बेवसाइट पर उपलब्ध है। बेवसाइट- https:// munger.nic.in है। बंदोबस्ती में भाग लेने वाले व्यक्ति या कंपनी या फर्म का प्रिक्योरमेंट पोर्टल पर निबंधन कराना अनिवार्य होगा।

# भागलपुर में ग्रामीणों ने बालू माफिया को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा

## दो माफिया के बीच हुआ था विवाद, गंभीर हालत में चल रहा है इलाज

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में मंगलवार को ग्रामीणों ने बालू माफिया को दौड़ा दौड़ा कर पिटाई कर दी। मामला गोराडीह थाना क्षेत्र के गंगटी के समीप का है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि सोमवार देर शाम दो बालू माफिया के बीच विवाद हुआ था। विवाद में एक पक्ष से सुशांत कुमार सिंह ने पंकज यादव के ट्रैक्टर (अवैध बालू लदे) गाड़ी पुलिस को बुलवाकर पकड़वा दिया था, जिसके बाद से सुशांत और पंकज के बीच विवाद शुरू हो गया। मंगलवार को पंकज यादव अपने तीन साथियों के साथ सुशांत कुमार सिंह को मरने के के लिए घर से ही पीछा कर रहा था। तभी गंगटी के समीप ग्रामीणों ने पंकज यादव को हथियार के साथ पकड़ लिया ओर चारो तरफ से घेर लिया। और



दौड़ा-दौड़ा कर उनकी जमकर पिटाई कर दी। दो बदमाश मौके देख फरार हो गया।

**बेहतर इलाज के लिए JLNMCH रेफर:** बताया जा रहा है कि हथियार से लैस पंकज यादव समेत उनके गुर्गे सुशांत सिंह को मारने के लिए पहुंचे हुए थे। सुशांत अपने कार से सवार होकर जगदीशपुर के तरफ आ रहे थे। पंकज यादव को पीछा करते देखा, तभी सुशांत ने अपना संतुलन खो दिया और नदी में कार लेकर घुस गए, जिससे कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची दो थाने की पुलिस ने घायल पंकज यादव को प्रारंभिक इलाज के लिए जगदीशपुर स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां पर डॉक्टरों ने बेहतर उपचार के लिए भागलपुर के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है।

**छानबीन में जुटी पुलिस:** मामले को लेकर मामले को लेकर घायल के परिजनों ने बताया कि सोमवार के देर शाम गांव के ही सुशांत कुमार सिंह ने पंकज यादव को बालू गिराने के लिए कहा था। पंकज यादव ने उसका बालू नहीं गिराया था। जिसको लेकर विवाद हुई थी बालू नहीं गिराने पर सुशांत पर अवैध बालू लदे ट्रैक्टर को पुलिस बुलवाकर जप्त करवाने का आरोप लगाया। इसी में विवाद हुई है। इधर, घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।। गोराडीह पुलिस से संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन संपर्क नहीं हो पाया।

# भीषण गर्मी के कारण सड़कों पर पसरा सन्नाटा

निज संवाददाता। मुंगेर

मुंगेर में लगातार भीषण गर्मी पड़ रही है। इसके कारण लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। वहीं, हर रोज 42 और 43 डिग्री से अधिक पारा होने की वजह से लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो चुका है। सड़कों पर सुबह 10 बजे के बाद वाहनों का आवाजाही कम हो जाती है। लगातार भीषण गर्मी के कारण लोगों के जन जीवन पर बहुत बुरा असर पड़ रहा है। ग्रामीण इलाकों में भी गर्मी का असर देखने को मिल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस साल सबसे ज्यादा गर्मी पड़ रही है, गर्मी के कारण बिजली की आंख मिचौली देखने को मिल रही है। इसके कारण काफी परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने मांग की है कि केंद्र सरकार और बिहार सरकार राष्टीय राजमार्ग के किनारे पेड़ लगाए। दूसरी ओर चिकित्सक हर्षवर्धन ने बताया कि भीषण गर्मी में छोटे-छोटे बच्चे और बुजुर्ग दिन में घरों से नहीं निकले। उन्होंने कहा कि काम होने पर ही, घर से निकले, नहीं तो घर



से बाहर नहीं निकले। जब भी घर से निकले, तो पूरे शरीर पर कपड़े को ढक कर निकले और पानी को साथ में लेकर निकले। दरअसल, मुंगेर में पिछले एक सप्ताह से तापमान में अत्यधिक बढ़ोतरी होने के कारण लोगों को भीषण गर्मी के बीच गुजरना पड़ रहा है। तापमान 40 से 43 डिग्री तक है। यह 51 डिग्री जैसा सभी को महसूस हो रहा है। जबकि, लगातार बिजली में कटौती होने की वजह से लोग गर्मी से परेशान हो रहे हैं।

# गंगा में उपलाती हुई मिली युवती की लाश

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में सोमवार की देर रात सबौर स्थित एक नदी में युवती की उपलाती लाश मिली। मामला सबौर थाना क्षेत्र के इंग्लिश गांव के चाय टोला के सामने गंगा नदी किनारे का है। जहां पर बच्चों ने लाश देखी और वापस घर जाकर इसकी जानकारी अपने परिजनों को दी। इसके बाद घटना की सूचना मिलने पर दर्जनों ग्रामीण गंगा किनारे पहुंचे और इसकी जानकारी स्थानीय मुखिया और डायल-112 को दी।



**मृतका की नहीं हुई पहचान:** मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। शव को देख ऐसा प्रतीत हो रहा है कि दो-चार दिन पहले की घटना है। नदी में कहीं से उपलाती हुई लाश सबौर पहुंची। शरीर पूरी तरह से गल चुका है। जिससे आम लोगों को पहचानने में मुश्किल हो रहा है। फिलहाल मृतका की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस मामले को लेकर छानबीन कर रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बच्चों ने घटना की जानकारी दी। जिसके बाद हम लोग पहुंचे तो लगभग पांच वर्षीय युवती का शव गंगा नदी के पानी में था। डायल-112 और स्थानीय मुखिया के बारे में जानकारी दी गई। पुलिस घंटों के बाद भी नहीं पहुंची। इसके बाद घटना की जानकारी स्थानीय थाने को दी गई। इधर, सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

# गुमराह करने वालों पर होगी कार्रवाई, कोडिंग के विरोध में नहीं चले आठ हजार ई-रिक्शा

निज संवाददाता। भागलपुर

प्रशासन के कोडिंग सिस्टम के विरोध में सोमवार को आठ हजार से अधिक ई-रिक्शा चालक हड़ताल पर चले गए। उन्होंने ऑटो चालकों को भी सड़क पर नहीं चलने दिया। इक्का-दुक्का टेंपो गलियों के रास्ते चले। इस कारण 40 डिग्री तापमान में लोगों को पैदल गंतव्य तक जाना पड़ा। अनुमान के अनुसार करीब 30 हजार लोगों को पैदल आना-जाना पड़ा। स्टेशन के अधिकारियों के अनुसार समय पर नहीं पहुंचने के कारण करीब 230 यात्रियों की ट्रेन छूट गई। ट्रेन से उतरे यात्री घंटों ई-रिक्शा का इंतजार करते रहे, नहीं मिलने पर पैदल ही चल पड़े। कई लोगों ने रिक्शे का सराहा लिया, लेकिन भीषण गर्मी के कारण रिक्शे वालों ने दूर की सवारी नहीं ली। सबसे ज्यादा परेशानी उन्हें हुई जिनके पास सामान था। स्टेशन व बस स्टेंड पर उतरे यात्री व ट्रेन व बस पकड़ने वालों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। सुबह 9 बजे शुरू हुई परेशान देर शाम तक जारी रही। इसके बाद कुछ ई-रिक्शा चलना शुरू हुआ। इस बीच टेंपो व रिक्शा वालों ने मनमाना किराया वसूला। स्टेशन से मायागंज अस्पताल का ई-रिक्शा का किराया 20 से 25 रुपए है। लेकिन टेंपो वालों ने 300 रुपए तक मांगे। कुछ ई-रिक्शा चालकों ने गाड़ी



सड़क पर निकाली, लेकिन हड़तालियों ने उसे रोक दिया। प्रदर्शन किया। कुछ जगहों पर हड़तालियों ने राहगीर व ई-रिक्शा चालकों के साथ मारपीट भी की। चालक संघ जुलूस लेकर डीएम कार्यालय जा रहा था, लेकिन पुलिस ने उसे रोक दिया। पुलिस ने हंगामा व मारपीट करने के मामले में 39 लोगों को हिरासत में लिया है। पूरी घटना की वीडियोग्राफी भी कराई गई है। इनलोगों पर सड़क जाम करने, बिना अनुमति जुलूस निकालने, साइन बोर्ड को क्षति पहुंचाने, इमरजेंसी सेवा बाधित करने समेत अन्य आरो लगाए गए हैं। तिलकामांझी पुलिस ने पवन फौजी व अरुण कुमार मिश्रा के खिलाफ मजिस्ट्रेट के बयान पर केस दर्ज किया है। मंगलवार को दोनों को कोर्ट में पेश किया जाएगा। उधर, भागलपुर ई-रिक्शा चालक संघ ने पुलिस पर चालकों को पीटने का आरोप लगाया है। संघ का आरोप है कि वे लोग शांतिपूर्ण ढंग से हवाई अड्डा से जुलूस लेकर जा रहे थे। तभी तिलकामांझी चौक के पहले पुलिस ने लाठीचार्ज किया। इसमें संघ के सदस्यों को चोटें आई हैं। संघ के पदाधिकारी को जबरन हिरासत में लिया गया है। संघ को जिलाधिकारी से नहीं मिलने दिया गया। हमारी मांग है कि कोडिंग व्यवस्था को खत्म किया जाए। मायागंज में आज मरीजों की भीड़ बढ़ने की आशंका टेंपो को भी नहीं चलने दिया गया ई-रिक्शा चालकों की हड़ताल का असर मायागंज अस्पताल के ओपीडी में भी दिखा। यहां आमतौर पर हर सोमवार ढाई हजार मरीजों का इलाज होता था, लेकिन सोमवार को 1709 मरीज ही पहुंचे। दरअसल ई-रिक्शा के हड़ताल के चलते लोग समय से नहीं पहुंच सके। जबकि कई मरीज बाद में पहुंचे तो ओपीडी का समय खत्म हो चुका था। तिलकामांझी चौक पर वाहन का इंतजार कर रहे नारायणपुर निवासी मनोज मंडल, सबौर से आई मालती देवी व अन्य मरीजों ने बताया कि एक बज गये अबतक अस्पताल नहीं पहुंच पाये हैं। अब लौट कर घर जा रहे हैं, वहां जाने से भी लाभ नहीं होगा।

# श्रीकृष्ण सेतु मार्ग पर 5 किमी तक महाजाम

निज संवाददाता। मुंगेर

मुंगेर श्रीकृष्ण सेतु के निर्माण के बाद से इस मार्ग पर वाहनों का दबाव काफी बढ़ गया है। जिसके कारण आए दिन इस मार्ग पर वाहनों का लंबा जाम लगा रहता है। रविवार को बालू लदे वाहनों के जांच के दौरान श्रीकृष्ण सेतु से लेकर तेलिया तालाब तक बड़े वाहनों की लंबी लाइन लग गई थी। जिसके बाद धीरे-धीरे सड़क पर एक लाइन के बाद दो लाइन बनी और रात होते-होते तीन लाइन लग गई। जिससे इस मार्ग से होकर आवागमन पूर्णतः बाधित हो गई। हाल यह था कि इस मार्ग से चार पहिया वाहन तो दूर, दो पहिये वाहनों को भी निकालने में लोगों के पसीने छूट रहे थे। हालांकि कुछ जगहों पर पुलिस बल वाहनों को आगे-पीछे करवा रहे थे। लेकिन सोमवार की शाम को समाचार लिखे जाने तक जाम की स्थिति यथावत बनी हुई थी। श्रीकृष्ण सेतु से लेकर तेलिया तालाब तक कुल पांच किलोमीटर तक जाम की स्थिति काफी अधिक थी। श्रीकृष्ण सेतु से लेकर तेलिया तालाब के बीच जग भी जाम की स्थिति बनती है, तब हर बार इसकी वजह ट्रकें ही बनती हैं। हर बार ट्रकों के कारण ही इस मार्ग पर जाम लगती है। सोमवार को भी इस जाम में लगभग 3 हजार से अधिक ट्रकें फंसी हुई थी। इसके अलावा अन्य वाहनों की तादाद भी काफ अधिक थी। इस मार्ग पर जब कभी कोई ट्रक खराब हो जाएग, किसी का गुल्ला टूट जाए या फिर वाहनों की चेकिंग की जा रही हो, हर बार ऐसी स्थिति में इस मार्ग पर जाम लग ही जाती है। इस मार्ग पर जाम लग जाने के बाद इससे तुरंत निजात पा लेना आसान नहीं होता, क्योंकि मार्ग पर ट्रैफिक कंट्रोल को लेकर किसी भी नियम का पालन किया ही नहीं जाता है।

# 2 बाइक सवार बदमाश हथियार के साथ अरेस्ट

निज संवाददाता। मुंगेर

मुंगेर के हवेली खड़गपुर थाना क्षेत्र के रतैठा गांव स्थित पंचायत सरकार भवन के समीप पुलिस ने सोमवार को वाहन चेकिंग के क्रम में बाइक सवार अपराधी से हथियार और जिंदा गोली बरामद किया है। दोनों गिरफ्तार बदमाशों से पूछताछ की जा रही है। प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि रतैठा गांव स्थित पंचायत सरकार भवन के समीप खड़गपुर पुलिस वाहन चेकिंग कर रही थी। इस दौरान मुजफ्फरगंज की तरफ से आ रहे बाइक सवार पुलिस को देखकर बाइक घुमाकर भागने का प्रयास करने लगे।

# 112 डायल के 16 हाईटेक बुलेट को एसपी ने दिखाया हरी झंडी

**सहरसा**। सहरसा के विभिन्न थाना क्षेत्रों में अब 112 डायल करने पर पुलिस तुरंत बुलेट मोटरसाइकिल से पहुँचेगी और उक्त गाड़ियों को पुलिस अधीक्षक हिमांशु ने मंगलवार को हरी झंडी दिखाकर रवाना कर किया। पुलिस अधीक्षक हिमांशु ने बताया कि विभिन्न थाना क्षेत्रों में बीस 112 की बड़ी गाड़ी अपराध नियंत्रण हेतु अनवरत काम कर रही है। लेकिन इसी कड़ी में अपराध पर और अत्यधिक अंकुश लगाने हेतु जहां पुलिस की गाड़ी तुरंत नही पहुँच पाती है उन जगहों पड़ जाने के लिए 112 डायल करने पर मोटरसाइकिल पुलिस भी अब तुरंत पहुँच पायेगी। उन्होंने बताया कि अपराध और अपराधियों पर हर हाल में नकेल कसने हेतु पुलिस प्रशासन कटिबद्ध है। एसपी हिमांशु ने बताया कि 112 डायल की 16 बुलेट मोटरसाइकिल में फिलहाल 04 सदर थाना 01 सौरबाजार, 01 सोनवर्षा, 02 कनरिया, 01 बसनहीं , 01 सिमरी बख्तियारपुर, 02 चिड़ैया, 02 डरहार एवं 02 पस्तपार थाना क्षेत्र में यह हाईटेक बुलेट फिलहाल चलाये जायेगें। हालांकि उन्होंने सबसे पहले सदर थाना के विभिन्न मार्गों पर उक्त हाईटेक बुलेट को चलाया और सदर थाना क्षेत्रों का जायजा भी लिया।

पूर्व रेलवे

**निविदा सं.: सीओएम/डीईवी/कैश-पिक अप/एचडब्ल्यूएच/2024, दिनांक: 10.06.2024,** वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, चतुर्थ तल, यात्री निवास, न्यू कॉम्प्लेक्स, पूर्व रेलवे, हावड़ा-711101 (इसके पश्चात ''रेल प्रशासन'' के रूप में संदर्भित) द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए योग्य बैंकों से दो पैकेट प्रणाली के अंतर्गत ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम:** दो (02) वर्ष की अवधि के लिए पश्चिम बंगाल, झारखंड राज्य में फैले हुए पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल के 156 स्टेशनों/स्थानों से दैनिक आधार पर स्टेशन कैश और इंस्ट्रूमेंट्स को उठाना और एफए एंड सीएओ, पूर्व रेलवे के खाते में जमा करने के लिए बैंक में रखना। **बोली प्रणाली:** दो पैकेट। **कार्य का अनुमानित मूल्य:** रु. 9,32,85,229.76, **बयाना राशि जमा (ईएमडी):** रु. 6,16,400/-, **निविदा कागजात का मूल्य:** रु. 11,200/-**अनुबंध की अवधि:** अनुबंध की अवधि दो वर्ष के लिए होगी। **प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन। **निविदा अपलोड करने की तिथि और समय:** दिनांक 10.06.2024 को 18.15 बजे। **बोली प्रारंभ होने की तिथि:** दिनांक 18.06.2024, **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 02.07.2024 को 12.00 बजे। **निविदा के खुलने की तिथि और समय:** दिनांक 02.07.2024 को 12.00 बजे। निविदा कागजात वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। बोली केवल ऑनलाइन जमा की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा।

HWH-107/2024-25

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

**ई-निविदा सूचना सं.: एनआईटी/02/24/33, दिनांक: 10.06.2024,** प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, 17, नेताजी सुभाष रोड, दूसरी मंजिल, फेयरली प्लेस, कोलकाता-700001, पूर्व रेलवे के द्वारा निम्नलिखित सामानों की आपूर्ति हेतु ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम सं.; निविदा सं.; विवरण; बयाना राशि : (1); 08241021;** पॉलियामाइड कवर्ड कॉपर कंडक्टर बेयर का क्रय। साइज:6.35X3.05 मिमी आदि; रु. 94410, **निविदा खुलने की तिथि:** 18.06.2024, **समय :** 13.30 बजे **(2); 11231403;** एलएचबी टाइप के लिए मिरर आरएच; रु. 0, **निविदा खुलने की तिथि:** 25.06.2024, **समय :** 13.30 बजे **(3); 08231614सी;** सील्ड लेड एसिड मेन्टेनेन्स आदि का क्रय; रु. 100740, **निविदा खुलने की तिथि:** 26.06.2024, **समय :** 13.30 बजे **(4); 10232470ए;** सेकेरॉन कॉन्ट्रैक्टर टाइप बीपीएस आदि के लिए एएओच/आईओएच/पीओएच किट का क्रय; रु. 0, **(5); 12245189;** ट्रैक मशीन स्पेयर्स का क्रय; रु. 0, **(6); 20232147;** आरडीएसओ एसएमआई नं. आरडीएसओ/पीई/एसएमआई/ ईएमयू/0041-2008 (रिव-0) अगस्त-2008 के अनुसार ईएमयू/एमईएमयू मोटर कोच, ईएलजीआई प्रस्तुत एयर कम्प्रेसर, टाइप टीआरसी-1000 डीसीएम, 54 माह ओवरहॉलिंग किट; रु. 95310, **निविदा खुलने की तिथि:** 27.06.2024, **समय:** 13.30 बजे [क्रम सं. 4 से 6 हेतु] **(7); 12235199;** ट्रैक मशीन स्पेयर्स का क्रय; रु. 0, **निविदा खुलने की तिथि:** 28.06.2024, **समय :** 13.30 बजे **(8); 10232396ए;** इंडिकेशन लैंप के सेट का क्रय आदि; रु.58210, **(9); 12235194बी;** ट्रैक मशीन स्पेयर्स का क्रय; रु. 0, **निविदा खुलने की तिथि:** 01.07.2024, **समय :** 13.30 बजे [क्रम सं. 8 एवं 9 हेतु] **(10); 12245209;** ट्रैक मशीन स्पेयर्स का क्रय; रु. 62410, **निविदा खुलने की तिथि:** 03.07.2024, **समय :** 13.30 बजे **(11); 08231671;** केबल बंचिंग टाइस के सेट आदि का क्रय; रु. 99970, **(12); 10231670;** ऑटो ड्रेन वाल्व; रु. 63070, **निविदा खुलने की तिथि:** 04.07.2024, **समय :** 13.30 बजे [क्रम सं. 11 एवं 12 हेतु] **(13); 10242326;** ऑग्जिलरी कॉन्टैक्टर्स शाल्टबाऊ टाइप एस-163, 80 एम्पीयर; रु. 185680, **(14); 12245212;** आरडीएसओ ड्रॉ. नं. टी-5919 के तहत ईआरसी एमके-वी के क्रय के लिए रनिंग कॉन्ट्रैक्ट; रु. 5000000, **निविदा खुलने की तिथि:** 08.07.2024, **समय :** 13.30 बजे [क्रम सं. 13 एवं 14 हेतु] **(15); 15235184;** पाँच वर्ष की वारंटी के साथ ''एडवांस्ड बायोपोलर वेसल सीलिंग के साथ एक अदद अल्ट्रासोनिक कटिंग कोआगुलेशन डिवाइस''का क्रय; रु. 0, **निविदा खुलने की तिथि:** 09.07.2024, **समय :** 13.30 बजे **(16); 19231062ए;** ग्लास फाइबर बैग फिल्टर लार्ज आदि; रु. 0, **निविदा खुलने की तिथि:** 11.07.2024, **समय:** 13.30 बजे **(17); 10241173;** मॉडिफाइड फिक्स्ड कॉन्टैक्ट के सेट आदि का क्रय रु. 95230, **(18); 10241550;** हैंडल के साथ इंडिपेंडेंट ब्रेक वाल्व (एसए9) की खरीद;रु. 164510, **(19); 15245002बी;** हेवी ड्यूटी मेटल कटिंग बैंड सॉ की आपूर्ति. संस्थापन एवं आरंभ करना, क्षमता: 340 मिमी डाया एवं 340 x 340 वर्ग मिमी; रु. 77840, **निविदा खुलने की तिथि:** 15.07.2024, **समय :** 13.30 बजे [क्रम सं. 17 से 19 हेतु] **(20); 15235137ए;** एलएचबी एवं आईआरवाई कोचों के लिए एक्सियल शिफ्ट के साथ कॉइस स्प्रिंग स्क्रैगिंग एवं लोड डिफ्लेक्शन टेस्टिंग मशीन की आपूर्ति, संस्थापन एवं आरंभ करना; रु.423160, **निविदा खुलने की तिथि:** 16.07.2024, **समय :** 13.30 बजे **(21); 10232483ए;** सभी लोको के लिए सेंटर बफर हेतु ट्रांजिशन स्क्रू कपलिंग का संशोधित अरेंजमेंट; रु. 63060, **निविदा खुलने की तिथि:** 18.07.2024, **समय:** 13.30 बजे **(22); 10242505;** एन 32 टैप चेंजर आदि के लिए कनेक्टिंग रॉड के साथ पिस्टन की खरीद; रु. 0, **निविदा खुलने की तिथि:** 22.07.2024, **समय :** 13.30 बजे **(23); 04245013;** वारंटी के बाद सीएएमसी 5 वर्ष के साथ 140 टन रेल क्रेन ऑपरेटर्स फुल कैब ट्रेनिंग सिमुलेटर की आपूर्ति, संस्थापन एवं आरंभ करना; रु. 955720, **निविदा खुलने की तिथि:** 23.07.2024, **समय:** 13.30 बजे **(24); 10242469;** फिल्टर असेंबली आदि का सेट; रु. 73160, **निविदा खुलने की तिथि:** 25.07.2024, **समय :** 13.30 बजे, **निविदा मूल्य:** रु. 0 [क्रम सं. 1 से 24 हेतु]। **टिप्पणी:** उपर्युक्त सभी निविदाएँ ई-निविदाएँ हैं एवं सभी निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि आईआरईपीएस की वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** के माध्यम से अपनी बोली ऑनलाइन जमा करें। ऊपर उल्लिखित निविदाओं एवं अन्य आपूर्ति निविदाओं के संबंध में विस्तृत विवरण के लिए, कृपया आईआरईपीएस की वेबसाइट देखें।

STORES-17/2024-25

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

**विज्ञापित जीईएम बोली सं.: जीईएम/2024/बी/5021174, दिनांक 06.06.2024,** मुख्य कारखाना प्रबंधक, पूर्व रेलवे वर्कशॉप, कांचरापाड़ा, कैरिज/लोको कॉम्प्लेक्स, उत्तर 24 परगना, पीओ-कांचरापाड़ा, पिन-743145, पश्चिम बंगाल द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** जीईएम बोली सं. जीईएम/2024/बी/5021174, दिनांक 06.06.2024 के तहत जीईएम के माध्यम से बाहरी एजेंसी के जरिए 02 (दो) वर्ष की अवधि के लिए लोको कॉम्प्लेक्स, पूर्व रेलवे वर्कशॉप, कांचरापाड़ा में 12 ईओटी क्रेन (क्षमता 10 टन और उससे अधिक) का वार्षिक रखरखाव ठेका (एएमसी)। **निविदा मूल्य:** रु.89,28,562/-, **बयाना राशि जमा:** रु.1,78,600/-, **निविदा कागजात का मूल्य:** रु.0.00, **अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 17.06.2024 को 11.00 बजे। निविदा कागजात और संपूर्ण विवरण वेबसाइट **www.gem.gov.in** पर उपलब्ध है।

MISC-72/2024-25

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

**निविदा सूचना सं.: 222-एस/1/डब्ल्यू-II, दिनांक 10.06.2024,** वरिष्ठ मंडल अभियंता/III, पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, कंट्रोल बिल्डिंग, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए निम्नलिखित ई-निविदाएँ ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम सं. 1, निविदा सं.: टीएन-84-24-25, कार्य का नाम:** एईएन/बहरामपुर कोर्ट के कार्यक्षेत्र में एसएसई/पीडब्ल्यू/भगवानगोला के अधीन बीसीएम मशीन और डीप स्क्रीनिंग एवं अन्य अनुषंगी कार्य। **निविदा मूल्य:** रु.88,95,180.59, **बयाना राशि:** रु. 1,77,900/- **क्रम सं. 2, निविदा सं.: टीएन-85-24-25, कार्य का नाम:** एईएन/बहरामपुर कोर्ट के कार्यक्षेत्र में एसएसई/ पी.वे/बेलडांगा के अधीन बीसीएम मशीन और डीप स्क्रीनिंग एवं अन्य अनुषंगी कार्य। **निविदा मूल्य:** रु.1,76,17,504.77, **बयाना राशि:** रु. 2,38,100/-, **कार्य की समापन अवधि:** 12 माह (क्रम सं. 1 एवं 2 प्रत्येक हेतु)। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 04.07.2024 को 15.00 बजे (क्रम सं. 1 एवं 2 प्रत्येक हेतु)। **निविदा के खुलने की तिथि और समय:** दिनांक 04.07.2024 को 15.30 बजे (क्रम सं. 1 एवं 2 प्रत्येक हेतु)। निविदा कागजात एवं अन्य विवरण वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। बोली उपर्युक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जाएगी। मैनुअल प्रस्तावों को तत्काल रद्द कर दिया जाएगा।

SDAH-83/2024-25

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

# पटना सहित प्रमुख स्टेशनों की बदलने वाली है सूरत, रेलवे ने की ये खास तैयारी

निज संवाददाता

**पटना।** पूर्व मध्य रेल द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए कई ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में रेलवे की ओर से एक प्लेटफॉर्म से दूसरे पर जाने के लिए एस्केलेटर एवं लिफ्ट की सुविधा प्रदान की जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य है वरिष्ठ नागरिकों, महिला एवं दिव्यांगजन विशेष रूप से सुविधा प्रदान करना। पूर्व मध्य रेलवे की ओर से जोन के प्रमुख स्टेशनों पर 33 एस्केलेटर और 49 लिफ्ट लगाए जा चुके हैं। साथ ही 35 एस्केलेटर एवं 34 लिफ्ट लगाए जाने की तैयारी चल रही है। रेलवे की ओर से पटना जंक्शन पर छह एस्केलेटर लगाए गए हैं। वहीं, पाटलिपुत्र, राजेन्द्र नगर टर्मिनल, आरा, बक्सर, गया, डीडीयू धनबाद में दो-दो एस्केलेटर, मुजफ्फरपुर एवं समस्तीपुर स्टेशन पर चार-चार एवं दरभंगा स्टेशन पर पांच एस्केलेटर लगाए गए हैं। इसके अलावा पटना जंक्शन पर चार और एस्केलेटर लगाने की तैयारी चल रही है। हाजीपुर में दो एस्केलेटर लगाए जा रहे हैं। दानापुर मंडल के पटना जंक्शन, पटना साहिब, दानापुर, आरा में दो-दो एस्केलेटर लगाने की तैयारी चल रही है। रेलवे की ओर से दानापुर मंडल के चार स्टेशनों पर लिफ्ट लगाए गए हैं। दानापुर मंडल के पटना, राजेन्द्र नगर, पाटलिपुत्र एवं बक्सर में लिफ्ट लगायी गयी है। डीडीयू मंडल के गया, सासाराम, सोनपुर मंडल के हाजीपुर, सोनपुर, मुजफ्फरपुर एवं बरौनी, समस्तीपुर मंडल के दरभंगा, समस्तीपुर, सहरसा, नरकटियागंज, बेतिया, मधुबनी, धनबाद मंडल के धनबाद, कोडरमा एवं डाल्टेनगंज सहित कुल 49 स्टेशन पर लिफ्ट लगायी गयी हैं। रेलवे की ओर से पटना जंक्शन पर चार, राजेन्द्र टर्मिनल पर एक, पटना साहिब पर दो, दानापुर में चार, आरा में दो, डीडीयू जंक्शन पर दो, सासाराम में एक, अनुग्रह नारायण रोड में एक, डिहरी आर सोन में दो, खगड़िया में दो लिफ्ट लगाने की तैयारी चल रही है।

## प्रवक्ता श्याम सुंदर शरण ने दी बधाई

निज संवाददाता

**नरहट (नवादा)।** गया के सांसद सह हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (से.) के संरक्षक जीतन राम मांझी ने आज मोदी 3.0 में केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इस अवसर पर हम (से.) के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्याम सुंदर शरण ने बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन गया लोकसभा समेत तमाम गरीब वर्ग की जनता के लिए अत्यंत हर्ष और गर्व का है, क्योंकि जीतन राम मांझी ने केन्द्रीय मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया है। उनका वर्षों का राजनीतिक अनुभव और समाज सेवा के प्रति उनकी निष्ठा और गया जी की जनता के आशीर्वाद ने उन्हें यह मौक़ा दिया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि उनके नेतृत्व में देश के विकास को नई दिशा मिलेगी और समाज के सभी वर्गों को लाभ होगा। हम (से.) राष्ट्रीय प्रवक्ता नवादा जिले के नरहट प्रखण्ड अंतर्गत नारायणपुर गांव के निवासी हैं। उन्होंने आगे कहा कि जीतन राम मांझी ने हमेशा से ही समाज के वंचित और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए कार्य किया है। बिहार में मुख्यमंत्री और विधायक रहते उन्होंने अपनी पूरी जिन्दगी समाज की उन्नति को समर्पित कर दी। इसलिए उनके नेतृत्व में हमें विश्वास है कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत देशहित में महत्वपूर्ण कदम उठाए जाएंगे।

# जिले में थम नहीं रहा राशन में करप्शन का मामला

- ऐसे में लाभुकों के पेट पर डाका डालने से पीडीएस बिक्रेताओं को रोकेगा कौन यह यक्ष प्रश्न शासन- प्रशासन के सामने है।

निज संवाददाता

**नवादा।** जिले में राशन में करप्शन का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। आबाज उठाने वाले पत्रकारों को झूठे मुकदमे में फंसाया जा रहा है। ऐसे में पीडीएस बिक्रेताओं की मनमानी चरम पर है। ताजा मामला जिले के उग्रवाद प्रभावित सिरदला प्रखंड क्षेत्र का है। लाभुकों की शिकायत पर बीडीओ ने अपर थानाध्यक्ष के साथ छापामारी में व्यापक पैमाने पर अनियमितता पायी थी। यहां तक कि गोदाम जांच करने पहुंचे बीडीओ को गोदाम जांच तक नहीं करने दिया गया था। बीडीओ ने जांच प्रतिवेदन समाहर्ता को भेजा जिसमें अनियमितता की पुष्टि के साथ कार्रवाई की अनुशंसा की। प्रतिवेदन भेजे करीब चौदह दिनों का समय व्यतीत होने के बावजूद अबतक किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं होने से अधिकारियों की मंशा पर प्रश्नचिन्ह लगने लगा है। ऐसे में लाभुकों के पेट पर डाका डालने से पीडीएस बिक्रेताओं को रोकेगा कौन यह यक्ष प्रश्न शासन- प्रशासन के सामने है। अब बीडीओ द्वारा भेजे गये प्रतिवेदन के साथ पूर्व में जांच के समय के कुछ वीडियो पाठकों के सामने प्रस्तुत कर शासन- प्रशासन के सामने चुनौतीयां प्रस्तुत कर रहा हूं ताकि वे अपनी काली करतूतों से न केवल अवगत हो सकें बल्कि कार्रवाई पर मजबूर किया जा सके।

# बिहार में 46 स्कूली बच्चे और शिक्षक हुए बेहोश, तीन की लू से मौत

निज संवाददाता

**पटना।** प्रदेश में सोमवार को भीषण गर्मी व लू लगने से तीन व्यक्तियों की मौत हो गई, जबकि 14 जिलों में 46 बच्चे व दो शिक्षक बीमार पड़ गए या अचेत हो गए। सोमवार को राज्य के 19 जिले लू व भीषण उष्ण लहर की चपेट में रहे। 45.9 डिग्री सेल्सियस के साथ भोजपुर व बक्सर राज्य में सबसे गर्म स्थान रहे। भोजपुर जिले के संदेश में एक तथा सारण जिले के रिविलगंज प्रखंड में दो लोगों की लू से मौत की सूचना है। वहीं, भारत गौरव ट्रेन से भ्रमण करने रविवार को गया आए 10 तीर्थयात्रियों की तबीयत भीषण गर्मी के कारण अचानक खराब हो गई। इनमें गंभीर तमिलनाडु निवासी 67 वर्षीय पंडारीबाई तथा 57 वर्षीय जयलक्ष्मी गुनापलन की रविवार को मौत हो गई। वहीं, एक अन्य तीर्थयात्री का अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कालेज सह अस्पताल में उपचार चल रहा है। ये भी तमिलनाडु के रहने वाले हैं। बताया गया कि दक्षिण भारत के तीर्थयात्रियों को लेकर रविवार की सुबह 03:55 बजे गया जंक्शन पहुंची थी। सभी को बसों से गया व बोधगया के धर्मस्थलों के भ्रमण के लिए आइआरसीटीसी की ओर से ले जाया गया। इसी क्रम में दोपहर लगभग एक बजे 10 तीर्थयात्रियों ने तबीयत बिगड़ने की शिकायत की। सभी को पहले रेलवे अनुमंडल अस्पताल, गया ले जाया गया। सात तीर्थयात्री प्राथमिक उपचार के बाद स्वस्थ हो गए। गंभीर स्थिति वाले तीन यात्रियों को अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कालेज सह अस्पताल रेफर किया गया। वहां चिकित्सक ने दो को मृत घोषित कर दिया। इधर, जून माह में पहली बार मंगलवार को पटना सहित 14 जिलों में भीषण लू व गर्मी को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। इनमें पटना, अरवल, जहानाबाद, नालंदा, गया, औरंगाबाद, रोहतास, भभुआ, बक्सर, भोजपुर, नवादा, लखीसराय, शेखपुरा, बेगूसराय शामिल हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, अगले चार दिनों तक प्रदेश के दक्षिणी भाग में भीषण गर्मी व उष्ण लहर का प्रभाव जारी रहेगा। लोगों को दोपहर 12 से तीन बजे तक घर से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी गई है। उत्तरी भागों के सुपौल, अररिया, किशनगंज, मधेपुरा, सहरसा, पूर्णिया, कटिहार में झोंके के साथ मेघ गर्जन व हल्की वर्षा के आसार हैं। सोमवार को पटना सहित 20 जिलों में अधिकतम तापमान सामान्य से चार से सात डिग्री अधिक दर्ज किया गया। पटना का अधिकतम तापमान सामान्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस अधिक 41.7 डिग्री सेल्सियस रहा। आरा तथा सीतामढ़ी में एक-एक शिक्षक, दरभंगा व रोहतास में दो-दो बच्चे, शेखपुरा जिले में 14, सिवान में चार, बेगूसराय में एक छात्र व एक रसोइया, अरवल में एक शिक्षक, नवादा में तीन बच्चे, एक शिक्षक व एक सफाईकर्मी, नालंदा में एक शिक्षिका, छपरा में दो बच्चे व एक शिक्षक तथा मुजफ्फरपुर व समस्तीपुर में एक-एक बच्चे एवं बक्सर में शिक्षक समेत 10 विद्यार्थियों के अत्यधिक गर्मी से अचेत होने की सूचना है। सभी को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया।

## घर वाले पूजा में शामिल होने गए, चोरों ने किया घर ख़ाली

**नवादा (नि.सं.)।** जिले में चोरी की घटना थमने का नाम नहीं ले रहा है। नगर हो या फिर ग्रामीण क्षेत्रों का घर चोर चोरी की घटना को अंजाम दे रहा है। ताजा मामला नारदीगंज थाना क्षेत्र के आदमपुर गांव का है। नारदीगंज थाना क्षेत्र के आदमपुर गांव में चोरी की बड़ी घटना का अज्ञात चोरों ने अंजाम दिया है। आशय की जानकारी देते हुए गृह स्वामी राजेंद्र चौधरी ने बताया कि सारे परिजन पूजा में शामिल होने बस्तीविघा गए हुए थे। घर ख़ाली पड़ा था। अज्ञात चोरों ने घर सुना का फ़ायदा उठाया। सोमवार की मध्य रात्रि में सोने की जेवरात एक लाख नगद, साड़ी, बक्सा अन्य घरेलू सामान लेकर फरार हो गया। गृह स्वामी राजकुमार चौधरी ने बताया कि नारदीगंज थाना पुलिस से मामले की जांच कर अविलम्ब दोषियों पर कार्रवाई करने, चोरी गई सामान जप्त करने की मांग की है। सूचना के आलोक में पहुंची पुलिस ने मामले की जांच आरंभ कर दी है। बावजूद मामले का खुलासा हो भी पायेगा इसमें संदेह है।

# रेलकर्मियों ने अपनी समस्याओं से महाप्रबंधक को कराया अवगत

निज संवाददाता

**हाजीपुर (वैशाली)।** महाप्रबंधक तरूण प्रकाश रेलकर्मियों की समस्याओं के निराकरण के लिए व्यक्तिगत रूप से रूचि ले रहे हैं। इसी क्रम में मुख्यालय, हाजीपुर में 04 रेलकर्मी/उनके आश्रितों ने महाप्रबंधक से मुलाकात की तथा अपनी विभागीय समस्याओं को उनके समक्ष रखा। महाप्रबंधक ने विस्तारपूर्वक उनकी समयाओं को सुना तथा संबंधित विभागों को प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए निर्धारित समय सीमा में केस निष्पादन के निर्देश दिए। इस अवसर पर कार्मिक विभाग के अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। विदित हो कि रेल से जुड़े स्टेक होल्डर की समस्याओं के निष्पादन के उद्देश्य से उनकी समस्याओं के समाधान के लिए महाप्रबंधक से मुलाकात हेतु प्रत्येक मंगलवार को निर्धारित किया गया है। इसके लिए रेलकर्मी अपना नाम पूर्व में कार्मिक विभाग में रजिस्टर्ड करवाकर मंगलवार को महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याएं उनके सामने रख सकते हैं। महाप्रबंधक के इस पहल से रेलकर्मियों में काफी हर्ष है । कर्मचारी कल्याण के प्रति महाप्रबंधक की यह पहल रेलकर्मियों को और अधिक निष्ठा के साथ कार्य निष्पादन हेतु प्रेरित कर रहा है।

## महाप्रबंधक तरूण प्रकाश ने अधिकारियों संग की समीक्षा बैठक

**हाजीपुर (वैशाली)।** पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक तरूण प्रकाश द्वारा मुख्यालय, हाजीपुर में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की गई। बैठक में मुख्यालय के सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष उपस्थित थे जबकि मंडलों के अधिकारी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। बैठक में मुख्य रूप से रेल परिचालन में संरक्षा, यात्री सुरक्षा एवं समय-पालन मुद्दे पर चर्चा हुई। महाप्रबंधक ने रेल परिचालन में संरक्षा और यात्री सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए संरक्षित रेल परिचालन सुनिष्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने ट्रेनों एवं स्टेशनों पर यात्री सुरक्षा के लिए चैकस रहने को कहा। इसी क्रम में महाप्रबंधक द्वारा गाड़ियों का समय पालन बनाए रखने का भी निर्देश दिया।

# डॉ. नीलू अग्रवाल कथा सृजन की एक जीवंत हस्ताक्षर है : सिद्धेश्वर

निज संवाददाता

**पटना।** आज की कहानियां कपोल- कल्पित नहीं, बल्कि यथार्थ की जमीन पर खड़ी अपनी दास्तान प्रस्तुत कर रही होती है वह भी पुख्ता सच्चाई के साथ। डॉ. नीलू अग्रवाल की कहानी' यह इश्क नहीं आसाँ 'जीवन की एक कड़वी सच्चाई है। जितने भी सीरियल या फिल्में बनी है उसमें ऐसे ही कथानक नजर आते हैं। और हमारे जीवन में भी अधिकांशतः ऐसी घटनाएं घटती है। यह एक कटु सच्चाई है। जिससे हम मुंह मोड़ नहीं सकते। कथा लेखिका ने बहुत ही साहस के साथ इस बात को अपनी इस कहानी में प्रकट की है। हमें इस बात को स्वीकार कर लेना चाहिए कि दांपत्य संबंध के बावजूद भी अपने-अपने दोस्तों के साथ दबे छुपे इश्क की अपनी एक कहानी होती है। और जब इश्क़ को भूला पाना इतना आसान नहीं तो, जीवन के इस यथार्थ समझते हुए हम उसे सहज रूप से स्वीकार क्यों नहीं कर लेते शादी के बाद यदि पति को अपने स्त्री मित्र से मिलने का अधिकार है तो फिर पत्नी को क्यों नहीं। पूरी कहानी पढ़ने के बाद लगता है कि डॉ नीलू अग्रवाल कहानी बुनने की कला में सिद्धहस्त हैं। पूरी कहानी पढ़ते वक्त चलचित्र की भांति हर एक-एक मिनट की घटनाएं घटती रहती है, जो कहानी को जीवंतता प्रदान करती है। इसलिए कहा जाता है कि कहानी पढ़ते नहीं है हम बल्कि कहानी खुद को पढ़वा लेती है। डॉ. नीलू अग्रवाल की कहानी को पढ़ते हुए भी कुछ ऐसा ही एहसास होता है कि उनकी कहानी को हम पढ़ते नहीं बल्कि उनकी कहानी हमें पढ़ने के लिए बाध्य कर देती है। इस स्तर की बहुत कम कहानी लिखी जा रही है आज भी। इसमें कोई शक नहीं कि डॉ नीलू अग्रवाल कथा सृजन की एक जीवंत हस्ताक्षर है। भारतीय युवा साहित्यकार परिषद के तत्वावधान में, गूगल मीट के माध्यम से, फेसबुक के अवसर साहित्यधर्मी पत्रिका एवं युट्युब के पेज पर, हेलो फेसबुक कथा सम्मेलन का संचालन करते हुए संयोजक सिद्धेश्वर ने उपरोक्त उद्गार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि प्रतिष्ठित युवा लेखिका डॉ. नीलू अग्रवाल ने अपनी 'ये इश्क नहीं आसाँ 'कहानी का पाठ किया। उनकी कहानियों पर टिप्पणी करते हुए अपने अध्यक्षीय टिप्पणी में चर्चित कथाकार जयंत ने कहा कि डॉ. नीलू अग्रवाल की कहानी 'यह इश्क नहीं आसाँ, इस बात को बयां करती है कि स्वार्थ से परे प्यार होता है तो वह जन्म जन्मांतर तक जीवित रहता है। विवाह एक सामाजिक बंधन मात्र है। यह कहानी हमारी भारतीय संस्कृति को भी अक्षुण्ण बनाए रखती है। यही कारण है की नायिका चाह कर भी पूर्व प्रेमी के घर पर रुक नहीं पाती और कुछ क्षणों के मुलाकात के बाद वहां से प्रस्थान कर जाती है। जीवंतता का एहसास कराती यह कहानी, डॉ. नीलू अग्रवाल जी की सशक्त कहानी है। ऑनलाइन कथा सम्मेलन के दूसरे सत्र का आरंभ जयंत की कहानी 'अंगूठा छाप से हुआ। जयंत की कहानी पर टिप्पणी करते हुए, गोष्ठी की मुख्य अतिथि डॉ. नीलू अग्रवाल ने कहा कि जयंत जी की कहानी मैंने पहले भी पढ़ा हैं वे दिल पर अमिट छाप छोड़ती हैं। इनकी कहानी,'अंगूठा छाप' कुछ न कह कर भी बहुत कुछ बयां कर जाती है। इसका सार जहां तक मुझे समझ आया, यही है कि मनुष्य मशीन की गिरफ्त में आकर मशीन होता जा रहा है। महामारियां आती रहती हैं। हमने अभी-अभी कोरोना नामक महामारी झेली है। महामारियां आती है मनुष्य को सबक देने के लिए। सुखी राम जो कॉलेज में चपरासी है, अपनी प्रवृति के साथ जीना चाहता है। बाल बच्चे वाला, अपने जीवन से संतुष्ट सुखी जिसकी एक प्रवृत्ति विलंब से आने की है। उस पर हावी है बायोमेट्रिक। जिसमें अंगुठे का निशान देना होता है।

## दिवंगत अधिवक्ता को दी श्रद्धांजलि न्यायालय कार्य से रहे अलग

निज संवाददाता

**नवादा।** जिला व्यवहार न्यायालय के दिवंगत अधिवक्ता बिशेश्वर राम के निधन पर जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अरुण कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में शोकसभा न्यायालय परिसर में आयोजित की गयी। मौके पर अधिवक्ताओं ने उनकी सादगी क़ो याद करते हुए नमन किया। वे अनुसूचित जाति के पहले नवादा व्यवहार न्यायालय अधिवक्ता के थे। उनका निधन पोस्टमार्टम रोड आवास पर हो गया। मौके पर महासचिव संत शरण शर्मा, अधिवक्ता गौरी शंकर प्रसाद सिंह, प्रमोद कुमार वर्मा, के.के. चौधरी, संजय प्रियदर्शी, मोहम्मद साजिद खान, उदय प्रसाद सिंह, तबस्सुम मेहर, रीना कुमारी, राकेश कुमार, करण सक्सेना, रामबिनय सिंह, रामाश्रय प्रसाद सिंह, कुमार चन्दन, अखिलेश नारायण, मोहम्मद तारिक, ओमप्रकाश चौरसिया, सहित सैकड़ो अधिवक्ता उपस्थित मौजूद थे। उनके सम्मान में अधिवक्ताओं ने अपने आपको न्यायालय कार्य से अलग रखा।


## उपायुक्त का कार्यालय (समाज कल्याण शाखा) लातेहार।

विकास भवन, प्रथम तल, समाहरणालय परिसर, लातेहार पिन–829206 झारखंड
Email ID- latehardswo@gmail.com ; dswolatehar@gmail.com

### आम सूचना

सरकार के सचिव, महिला बाल विकास एवं समाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड राँची के संकल्प संख्या–2033 दिनांक 05.09.2022, संशोधित संकल्प ज्ञापांक 344 दिनांक 18.02.2023 एवं संशोधित संकल्प ज्ञापांक 3217 दिनांक 20.12.2023 में निहित शर्तो एवं मार्ग निर्देश के आलोक में राज्य योजना अंतर्गत संचालित सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत् कक्षा 8 से 12वीं एवं 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग की किशोरी बालिकाओं को प्रोत्साहन राशि का भुगतान करने का प्रावधान है। जिसके तहत कक्षा–8वीं से 9वीं में 2500, कक्षा 10वीं, 11वीं तथा 12वीं में 5000 एवं 18 से 19 वर्ष की आयु की किशोरी बालिकाओं को एकमुश्त 20000 रूपया का भुगतान किया जाता है।

विभाग द्वारा संबंधित योजना से शतप्रतिशत योग्य लाभार्थियों (बालिकाओं) को आच्छादित करने तथा योजना में पारदर्शिता एवं सुगमता के लिए सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के अहर्ताधारी बालिकाओं के अभिभावकों एवं आमजन हेतु एक ऑनलाईन पोर्टल https://savitribaipksy.jharkhand.gov.in की शुरूआत राज्य सरकार द्वारा की गई है, जिसका उपयोग कोई भी योग्य लाभार्थी सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत लाभ लेने हेतु आसानी से कर सकते है।

संबंधित पोर्टल पर सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के लिए आवेदन भरने से लेकर स्वीकृति एवं भुगतान की स्थिति का अनुश्रवण करने में अभिभावकों को आसानी होगी, तथा योजना के क्रियान्वयवन में पारदर्शिता रहेगी।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी,
लातेहार।

PR 325950 (Social Welfare,Women and Child Development) 24-25 (D)



## कार्यालय, कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पचांयत, छत्तरपुर।

पताः–बारा मोड़, छतरपुर, जिला–पलामू, झारखण्ड–822113,[E-Mail: np.chhattarpur2018@gmail.com]

### सैरातबन्दोबस्ती डाक सूचना संख्या–01/2024–25

सर्वसाधारण से सूचित किया जाता है कि छतरपुर नगर पंचायत, छतरपुर अन्तर्गत नगरपालिका व्यवसायिक वाहन शूल्क से प्रवेश शूल्क की वसूली हेतु उच्चतम डाकवक्ता से डाक/ नीचे अंकित तिथि एवं समय पर नगर पंचायत, छतरपुर के सभाबन्दोबस्ती का कार्य होगी।

सुरक्षित जमा राशि एवं जमानत की राशि निम्नलिखित हैः–

| क्र 0 | सैरात का नाम | सुरक्षित जमा राशि / डाक/बोली की न्यूनतम राशि | अग्रधन की राशि | डाक/बोली में भाग लेने के लिए आवेदन शूल्क जो वापस नहीं किया जायेगा। | डाक की तिथि | नगर पालिका व्यवसायिक वाहन प्रवेश शुल्क (नगर पंचायत, छतरपुर।) 24 घंटे के लिए वसुलनीय दर। |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 5 | |
| 1 | नगर पालिका में व्यवसायिक वाहन प्रवेश शुल्क वसूली/बन्दोबस्ती। | 1900000/– | 190000/– | 10,000/– | दिनांक–20.06.2024 समय–01:00 बजे अपराहन | 1. तीन चक्का वाहन–20 रू0<br>2. चार चक्का, कमाण्डर/जीप– 30 रू0<br>3. चार चक्का, 407/पिकअप, टैक्टर–40 रू0<br>4. 06 च क्का ट्रक :– 80 रू0<br>5. 10 चक्का वाहन– 90<br>6. 10 चक्का से अधिक वाहन–120 |

नियम/शर्तो की प्रति कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

ह0/–
कार्यपालक पदाधिकारी,
नगर पंचायत, छतरपुर।

PR 325995 (District) 24-25 (D)



## कार्यालय – जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गढ़वा

### विज्ञापन संख्या – 01/2024

1. झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्रधिकार के अन्तर्गत झारखण्ड राज्य के गढ़वा जिले में Legal Aid Defense Counsel System(LADCS) कार्यालय में संविदात्मक पूर्णकालिक (01 वर्ष की अवधी के लिए) नियुक्ति हेतू आवश्यक योग्यता रखने वाले उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।
2. रिक्तियों की विवरणी निम्नांकित है :–

| क्र0सं0 | पदनाम | रिक्त पदों की संख्या | कुल रिक्त पद |
|---|---|---|---|
| 1 | कार्यालय सहायक/क्लर्क –सह– रिसेश्शनिस्ट –सह– डेटा एंट्री ऑपरेटर (टाईपिस्ट) | 01 | 01 |
| 2 | कार्यालय चपरासी (मुंशी/अटेंडेंट) | 01 | 01 |

3. शैक्षणिक योग्यता

| क्र0सं0 | पदनाम | मासिक मानदेय | योग्यता |
|---|---|---|---|
| 1 | कार्यालय सहायक/क्लर्क –सह– रिसेश्शनिस्ट –सह– डेटा एंट्री ऑपरेटर (टाईपिस्ट) | 18000/– | स्नातक या उससे समकक्ष, कम्प्युटर संचालित करने की क्षमता एवं टाईपिंग गति 40 शब्द प्रति मिनट, श्रुतलेख लेने और डेटा दर्ज करने की क्षमता, फाईल रख–रखाव और प्रसंस्करण ज्ञान उत्कृष्ट मौखिक औरलिखित संचार कौशल दूरसंचार प्रणालियों (टेलीफोन, फैक्स मशीन, स्विच बोर्ड आदि) पर काम करने की क्षमता। |
| 2 | कार्यालय चपरासी (मुंशी/अटेंडेंट) | 12500/– | मैट्रिकुलेशन या उसके समकक्ष |

4. उम्मीदवार भारत का नागरिक हो, मानसिक, शारीरिक रूप से स्वस्थ हो, नैतिक चरित्र अच्छा हो एवं किसी अपराधिक आचरण वाले किसी मामले में वांछित या सजा याफता न हो।
5. उपरोक्त पदों पर उम्मीदवारों की उम्र सीमा दिनांक 01.06.2024 को कम से कम 18 वर्ष तथा सामान्य जाति के लिए अधिकतम 35 वर्ष, पिछड़ी/अत्यन्त पिछड़ी जाति के अधिकतम 37 वर्ष, महिलाओं की 38 वर्ष तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (पुरूष/महिला) के अधिकतम 40 वर्ष होनी चाहिए।
6. अपनी उम्र, शैक्षणिक तथा वांछित योग्यता से संबंधित प्रमाण–पत्र की स्वअभिप्रमाणित प्रति एवं आरक्षित वर्ग के आवेदक आरक्षण से संबंधित प्रमाध–पत्र की स्वअभिप्रमाणित प्रति आवेदन के साथ अवश्य संलग्न करें।
7. उम्मीदवार अपना टंकित आवेदन–पत्र देवनागरी लिपि में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गढ़वा को संबोधित करते हुए विहित प्रारूप में अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 22.06.2024 के अन्दर तक स्वयं या निबंधित डाक/स्पीड पोस्ट द्वारा कार्य दिवस को प्रातः 07:30 बजे से पूर्वाहन् 12:30 बजे तक जमा कर सकते हैं। उपरोक्त तिथि के उपरान्त प्राप्त होने वाले पत्र स्वीकार नहीं किये जायेंगे।
8. आवेदक, आवेदन–पत्र के साथ 03 अद्यतन पासपोर्ट साईज का फोटोग्राफ संलग्न करें, जिसमे एक आवेदन–पत्र पर एवं दो अतिरिक्त होगा।
9. महत्वपूर्ण निर्देश :–
   (क) आवेदन–पत्र का प्रारूप व्यवहार न्यायालय, गढ़वा की वेबसाईट https://garhwa.dcourts.gov.in से भी डाउनलोड किया जा सकता है एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गढ़वा कार्यालय से भी प्राप्त कर सकते हैं।
   (ख) आवेदकों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गढ़वा में आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक वांछित शैक्षणिक योग्यता प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
   (ग) उपरोक्त वांछित सूचनायें किसी प्रकार के अपूर्ण होने पर अथवा वांछित प्रमाण–पत्र संलग्न नहीं रहने पर उम्मीदवार का आवेदन किसी भी समय रद्द कर दिया जायेगा और तत्संबंधी किसी भी प्रकार का पत्राचार अमान्य होगा।
   (घ) उम्मीदवार द्वारा नियुक्ति प्रक्रिया को किसी भी रूप से प्रभावित करने के प्रयास को उनकी अयोग्यता मानते हुए उनकी अभ्यर्थिता तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी जायेगी।
   (ङ) लिफाफे के उपर विज्ञापन संख्या, आवेदित पद का नाम बड़े–बड़े एवं साफ अक्षरों में लिखा जाना आवश्यक है।
   (च) वर्तमान विज्ञापन में किसी भी प्रकार का संशोधन अथवा निरस्तीकरण का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।
   (छ) परीक्षा/साक्षात्कार के लिए बुलाये जाने पर कोई मार्ग व्यय देय नहीं होगा।
   (ज) आवेदन भेजने का पता (निबंधित डाक/स्पीड पोस्ट या हाथो हाथ)
   सेवा में,
   सचिव,
   जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गढ़वा।

ह0/–
प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश
–सह–अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गढ़वा

PR 326045 Law(24-25)#D

# बच्चों के मीड डे मील में मिला कीड़ा:किशनगंज में मामले ने पकड़ा तुल

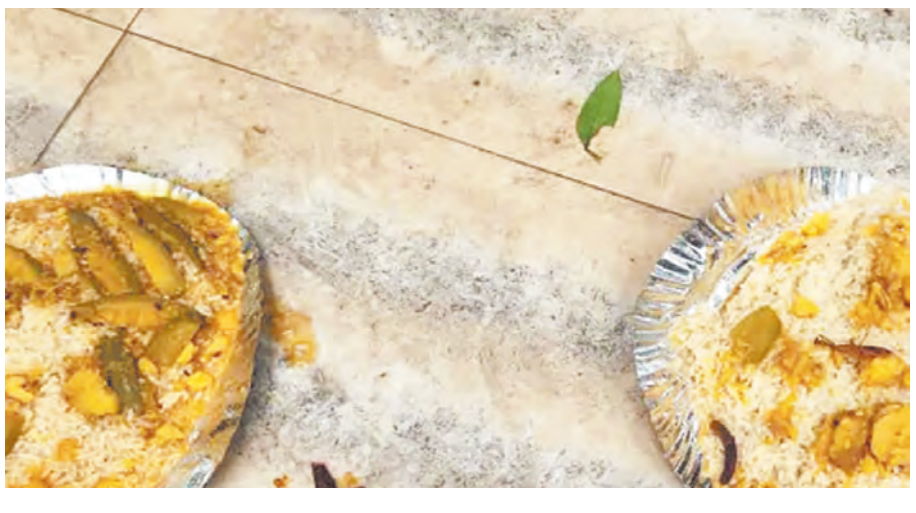

## जिला मध्याह्न भोजन पदाधिकारी बोले-जांच कर होगी कार्रवाई

**किशनगंज , एजेंसी।** किशनगंज के बहादुरगंज प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मुख्य बाजार झांसी रानी चौक के समीप स्थित आदर्श मध्य विद्यालय बहादुरगंज में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को मिलने वाली मीड डे मील के भोजन में कीड़ा मिलते ही विद्यालय में अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। बहादुरगंज नगर क्षेत्र के अधिकांश सरकारी विद्यालयों में सरकार की ओर से दी जाने वाली मीड डे मील भोजन जन जागृति एजेंसी सप्लाई कराती है। जन जागृति एजेंसी में कार्यरत कर्मियों की लापरवाही से विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के साथ एक बड़ी घटना घटित होने से बच गयी।

स्थानीय अभिभावकों ने जन जागृति एजेंसी के खिलाफ आक्रोश जताते हुए डीएम किशनगंज तुषार सिंगला से उचित जांच कर कार्रवाई की मांग की है। विद्यालय के अध्यक्ष सह स्थानीय वार्ड पार्षद संजय भारती ने कहा कि स्थानीय अभिभावकों ने पहले भी कई बार एजेंसी द्वारा दिए जाने वाले मीड डे मील की गुणवत्ता पर सवालिया निशान लगाया गया था, जिसकी सूचना विद्यालय के प्रधानाध्यापक के माध्यम से संबंधित विभाग एवं एजेंसी को भी दी गयी थी लेकिन फिर भी सुधार न होना और इस प्रकार के जहरीले भोजन छात्र छात्राओं के लिए भेजा जाना एक बड़ी लापरवाही को दर्शाता है। जिला मध्याह्न भोजन पदाधिकारी नूपुर कुमारी ने सोमवार की शाम बताया कि घटना कि जानकारी उन्हें दूरभाष से प्राप्त हुई है, मामले की जांच कर उक्त एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की जायगी।

## डॉक्टर की लग्जरी कार से शराब तस्करी, तीन गिरफ्तार

**मुजफ्फरपुर, एजेंसी।** मुजफ्फरपुर मध निषेध की पुलिस ने दो लग्जरी कार में यूपी के शराब के साथ तीन शातिर शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। लग्जरी कार पर डॉक्टर का स्टिकर लगा कर शराब की तस्करी कर रहा था।द टीम को गुप्त सूचना मिली कि कुछ शराब तस्कर जिले के पारू थाना क्षेत्र में लालू छपरा गांव में विदेशी शराब को कार में लादकर पताही ले जा रहे है। टीम लालू छपरा गांव में छापेमारी करने पहुंची। जहां पुलिस टीम ने दो लग्जरी कार से 45 कार्टन शराब बरामद की। मौके से तीन शराब तस्कर को गिरफ्तार किया। एक कार का नंबर प्लेट बंगाल और एक कार पर डॉक्टर लिखा हुआ है।

**मोहमदपुरखाजा गांव के रहने वाले हैं बदमाश :** दो तस्कर की पहचान करजा थाना क्षेत्र मोहमदपुरखाजा गांव निवासी के रूप में हुई है। मध निषेध की इंस्पेक्टर शिबेंद्र कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने पारू थाना क्षेत्र लालू छपरा में कार्रवाई की। दो लग्जरी कार से शराब की खेप लेकर पहुंचे तीन लोग पकड़े गए। इस दौरान लाखों रुपए की शराब की खेप बरामद हुई है। जब्त लग्जरी कार में डॉक्टर का स्टिकर लगा हुआ है।

## संक्षिप्त समाचार

### धनरुआ के सकरपुरा मध्य विद्यालय की दो छात्राएं हुईं बेहोश

**धनरुआ, एजेंसी।** धनरुआ प्रखंड के सकरपुरा स्थित मध्य विद्यालय की आठवीं और छठी कक्षा की दो छात्राएं सोमवार की दोपहर अचानक बेहोश हो गयीं। उसके सहपाठियों के शोर मचाने के बाद मौजूद शिक्षक अन्य छात्राओं की मदद से दोनों को बाहर हवादार जगह पर लाकर पानी का छींटा दिया गया। उसके कुछ देर बाद दोनों को होश आया। इसके बाद शिक्षक ने दोनों को ओआरएस का घोल पिलाया। इसबीच इसकी सूचना दोनों छात्रा बेबी कुमारी व पूजा कुमारी के परिजन समेत गांव के अन्य लोगों को हुई और वे सभी भागे भागे विद्यालय पहुंचकर हंगामा शुरू कर दिया। लोगों का आरोप था कि कक्षा में पंखा है, लेकिन बिजली नहीं रहने से नहीं चलता है। प्रधानाध्यापक रवीन्द्र कुमार ने ग्रामीणों को समझा बुझाकर मामले को शांत कराया और दोनों छात्रा को सकुशल घर पहुंचवाया।

### वृद्ध महिला का शव मिला, लू से मरने की आशंका

**मसौढ़ी, एजेंसी।** पटना गया रेलखंड के तारेगना स्टेशन परिसर स्थित बंद शौचालय परिसर से 70 वर्षीया एक अज्ञात वृद्धा का शव सोमवार को रेल पुलिस ने बरामद किया। तारेगना रेल थानाध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि मृतका देखने से भिखारी प्रतीत होती हैं। शव का पहचान नहीं हो सकी है। यूडी केस दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। लू की चपेट में आने से वृद्धा की मौत बताई जा रही है।

### पैसे नहीं दिए तो पिता की कर दी पिटाई, पेंशन के रुपए को लेकर विवाद

**आरा( भोजपुर), एजेंसी।** भोजपुर जिले के धोबहा थाना क्षेत्र के बेला गांव में सोमवार को पेंशन के पैसे के विवाद को लेकर बेटे ने अपने पिता और उनके दो पोते की पिटाई कर दी। जिससे सभी जख्मी हो गए। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जख्मियों में धोबहा थाना क्षेत्र के बेला गांव निवासी सह रिटायर्ड फौजी केदारनाथ मिश्र और उनके दो पोते अमर मिश्रा व गोलू कुमार शामिल है। रिटायर्ड फौजी केदारनाथ मिश्र ने बताया कि मैं आर्मी से रिटायर्ड हूं। 47 हजार रुपए पेंशन मिलता है। दो दिन पूर्व तीसरे नंबर वाला बेटा अनिल मिश्रा कोलकाता से वापस गांव लौटा है। वो पैसा मांग रहा था। मैंने कहा कि अभी मेरे पास सिर्फ 15 हजार रुपए है ले लो। लेकिन वह नहीं माना और ज्यादा पैसे की मांग करने लगा। इसी बात को लेकर उनके बीच कहासुनी हुई। इसके बाद उसने मेरी पिटाई शुरू कर दी। मुझे पिटता देख मेरे दोनों पोते अमर मिश्रा और गोलू कुमार आए तो अनिल मिश्रा ने उनकी भी पिटाई कर दी। जिससे सभी जख्मी हो गए। मामला शांत होने के बाद पीड़ितों ने इसकी शिकायत स्थानीय पुलिस से की है।

### दो थाना अध्यक्ष सहित 9 पुलिस पदाधिकारियों का तबादला

**किशनगंज, एजेंसी।** किशनगंज जिले में एसपी सागर कुमार के निर्देश पर दो थाना अध्यक्ष सहित 9 पुलिस पदाधिकारियों का तबादला कर दिया गया। जिले में बेहतर विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर एसपी सागर कुमार ने बहादुरगंज अंचल पुलिस निरीक्षक इजहार आलम को टेढ़ागाछ थाना का प्रभार दिया है। वहीं पुलिस केन्द्र में स्थापित संजय पांडेय को बहादुरगंज अंचल पुलिस निरीक्षक बनाया गया है। कोचाधामन के अपर थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार राय को साइबर थाना का प्रभार दिया गया है। कोचाधामन थाना में पदस्थापित महेश पूर्वे को अपर कोचाधामन थाना अध्यक्ष व अनुसंधान इकाई का प्रभार दिया गया है। टेढ़ागाछ थानाध्यक्ष प्रभारी धनजी कुमार गर्वनडंगा को थानाध्यक्ष बनाया गया है। साइबर थाना के राजु उर्फ जितेन्द्र को छत्तरगाछ कैंप प्रभारी बनाया गया है। वहीं कोचाधामन थाना के राजु कुमार को धनपुरा प्रभारी पिकेट बनाया गया है । पुलिस केन्द्र में पदस्थापित अमित कुमार को साइबर थाना अनुसंधान इकाई का प्रभार दिया गया है। किशनगंज हिन्दी शाखा पुलिस कार्यालय में पदस्थापित दुधनाथ सिंह को पुलिस केन्द्र में स्थान दिया गया है।

# कार चलाते वक्त आई झपकी, कंटेनर से जोरदार टक्कर, हादसे में इकलौते बेटे और भाई की मौत

**हाजीपुर, एजेंसी।** हाजीपुर जिले के गवानपुर थाना क्षेत्र के रतनपुरा पेट्रोल पंप के पास सोमवार की सुबह करीब साढ़े आठ बजे हाजीपुर-मुजफ्फरपुर एनएच-22 पर सड़क किनारे खड़े कंटेनर से एक कार टकरा गई। इस दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। जबकि चार लोग गंभीर रूप से घालय हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से क्षतिग्रस्त कार का दरवाजा तोड़कर घायलों को बाहर निकाला गया और इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। सदर अस्पताल में बच्चे अथर्व की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद दिनभर भर्ती रखने के बाद छुट्टी दे दी गई।

हादसे में कार चला रहे अश्वनी के फूफेरे भाई और उनके इकलौते बेटे की मौत हो गई। रोते-बिलखते अश्वनी कुमार ने बताया कि कैसे झपकी आई उन्हें इसका एहसास भी नहीं हुआ और हादसा हो गया। हादसे के बाद सूचना मिलते ही परिजन नालंदा और नवादा से हाजीपुर सदर अस्पताल पहुंचने लगे। जैसे-जैसे परिचितों को हादसे के बारे में पता चलते गया, वैसे-वैसे लोग सदर अस्पताल पहुंचने लगे।

घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि अश्वनी कुमार अपनी पत्नी रंजीता पाल, पुत्र अथर्व कुमार और पुत्री आश्वी आर्या के साथ काठमांडू घूमने के लिए गए थे। काठमांडू से घूमकर आने के बाद रविवार की रात को रक्सौल में फूफेरे भाई के यहां ठहर गए। इसके बाद अश्वनी कुमार रक्सौल से अपने फुफेरे भाई नागेन्द्र पाल और भाभी शांति देवी के साथ पटना के लिए निकले। सोमवार की अहले सुबह करीब 4 बजे सभी लोग कार में बैठकर पटना की ओर निकले थे।

परिजनों ने बताया कि कार चलाते समय अश्वनी को झपकी आ गई, जिससे यह हादसा हो गया। हादसे में अश्वनी के घर के चिराग अथर्व की मौत हो गई। अथर्व की मां बार-बार यही कह रही थी कि मेरा बेटा कहां है, ठीक तो है ना..। यह कहते हुए सदर अस्पताल में वह बेहोश होकर गिर जाती। होश में आने पर बार-बार यही कहती कि एक बार मेरे बेटे का मुंह दिखा दो....। किसी तरह लोगों ने उसे संभाला और दिलासा देने की कोशिश करते रहे कि उनका पुत्र सही सलामत है। काठमांडू घूमने के दौरान अथर्व ने अपने लिए दूरबीन के साथ कई खिलौने खरीदे। ताकि घर जाकर अपनी बहन के साथ दूरबीन और अन्य खिलौना से खेलेगा, लेकिन, होनी को कुछ और ही मंजूर था, हादसे के वक्त अथर्व अपने हाथों में दूरबीन से सड़क किनारे का नजारा देख रहा था। उसे पता नहीं था कि उसका आज अंतिम दिन है। कंटेनर से टकराने के बाद जिस सीट पर अथर्व बैठा था दूरबीन उसी जगह पर गिरी पड़ी मिली। मृत किशोर अथर्व के माता रंजीता पाल विद्युत विभाग एवं पिता अश्विन कुमार जल संसाधन विभाग में कार्यरत है।

आंख खुली तो हम सदर अस्पताल में थे अश्वनी कुमार ने बताया कि मुझे झपकी कब आई, मुझे पता नहीं चला। जब आंख खुली तो हम सदर अस्पताल के वार्ड में भर्ती थे। इतना जल्दी सब कुछ हो गया, कुछ समझ में नहीं आया। हादसे में मेरा सब कुछ चला गया और कहते हुए रोने लगे।

हादसे के बाद पोस्टमार्टम कराने को लेकर दोनों के शव को सदर अस्पताल लाया गया। जहां नागेन्द्र पाल के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। वहीं अथर्व के मृत शरीर का पोस्टमार्टम कराने को लेकर मनाकर दिया गया। नागेन्द्र पाल का दाह संस्कार नालंदा में पैतृक गांव में किया जाएगा, वहीं अथर्व के पार्थिव शरीर को पैतृक घर नवादा ले जाया गया।

# बिहार में गर्मी से हाहाकार, पटना समेत 14 जिलों में रेड अलर्ट

## बक्सर में पारा 46 के पार

**पटना, एजेंसी।** दक्षिण बिहार में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। गर्मी से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। हालांकि उत्तर बिहार में गर्मी से आंशिक तौर पर लोगों को रहता है। मौसम विभाग ने मंगलवार को पटना सहित दक्षिण बिहार के 14 जिलों में भीषण गर्मी का रेड और 5 जिलों में लू को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

उत्तर बिहार के 5 जिलों में गर्म दिन रहने के आसार हैं। इसके साथ ही उत्तर-पूर्व भाग के जिलों में कुछ स्थानों पर गरज व तड़क के साथ हल्की बारिश हो सकती है। सोमवार को पटना सहित 20 शहर भीषण गर्मी और लू की चपेट में रहे। प्रदेश का सबसे गर्म जिला 45.9 डिग्री सेल्सियस के साथ बक्सर और भोजपुर रहा। मौसम विभाग ने सोमवार को बताया कि 14 जून तक दक्षिण बिहार के अधिकतर जिलों में लू चलने की आशंका है। खगड़िया, मुंगेर, भागलपुर, बांका और जमुई में लू चलने को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान और छपरा में गर्म दिन रहने के आसार हैं। सुपौल, अररिया, किशनगंज, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया और कटिहार के एक-दो स्थानों पर गरज व चमक के साथ हल्की बारिश होने के आसार हैं। मौसम विभाग ने पटना, बक्सर, भोजपुर, बेगूसराय, अरवल, जहानाबाद, नालंदा, लखीसराय, शेखपुरा, भभुआ, रोहतास, औरंगाबाद, गया और नवादा में भीषण गर्मी का रेड अलर्ट जारी किया है।

## पटना में गोला रोड़ उप डाकघर का हुआ उद्घाटन:एक लाख से अधिक लोगों को मिलेगा फायदा

**पटना, एजेंसी।** पटना के गोला रोड़ रोड स्थित बैंक कॉलोनी के पास उप डाकघर का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समरोह में चीफ पोस्टमास्टर जनरल बिहार सर्किल अनिल कुमार और निदेशक डाक सेवा मुख्यालय पवन कुमार समेत अन्य कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

### 1 लाख की आबादी को मिलेगा सुविधा

वहीं चीफ पोस्टमास्टर जनरल बिहार सर्किल अनिल कुमार ने बताया कि डाक केंद्र एक कोर बैंकिंग सर्विस उप डाकघर है, इस उप डाकघर में डाक सेवाओं के अतिरिक्त अन्य आधुनिक वितीय सेवाओं का समावेश किया गया है, जिसमें बचत बैंक के सभी स्कीमों के साथ साथ स्पीड पोस्ट पार्सल और पंजीकृत पत्रों के बुकिंग भेजने से सम्बन्धित कार्य किए जाएंगे। गोला रोड़ और आसपास के आम लोगों को डाकघर की आधुनिक वितीय डाक सेवाओं खगौल या दानापुर कैंट उप डाकघर जाने कि जरूरत नहीं पड़ेगा। यह एक डबल हैण्ड उप डाकघर है,जिससे लगभग 1 लाख की आबादी को बेहतर डाक सुविधा प्रदान करने हेतु डाक विभाग सुविधा दे सकेगा।

### स्थानीय लोगों ने जताया आभार

गोला रोड़ उप डाकघर के नए भवन में शुभारंभ को लेकर स्थानीय निवासियों में हर्षोल्लास का माहौल था। स्थानीय ग्राहकों विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों, आम जनता, आसपास के व्यापारिक दुकानों, शैक्षणिक इंस्टीट्यूट के छात्र गणऔर कर्मचारियों ने डाक विभाग के प्रति आभार भी प्रकट किया है।

### सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत, रास्ते में स्कॉर्पियो ने रौंद डाला, घर से मार्केटिंग के लिए निकला था युवक

**आरा( भोजपुर), एजेंसी।** आरा-बक्सर नेशनल हाईवे पर शहर के नवादा थाना क्षेत्र के चंदवा पुल के समीप सोमवार की देर शाम अज्ञात स्कॉर्पियो ने बाइक सवार एक युवक को रौंद दिया। हादसे में उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। इसके बाद मौके पर पहुंची नवादा और ट्रैफिक थाना पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल में करवाया।

**पुलिस ने परिजनों की दी सूचना :** मृतक उदवंतनगर थाना क्षेत्र के गजराजगंज ओपी अंतर्गत अख्तियारपुर बड़का गांव निवासी स्व. सत्य नारायण चौधरी का 21 वर्षीय पुत्र शिवम कुमार उर्फ टाइगर है। मृतक के चाचा कुंदन कुमार ने बताया कि वह बाइक से मार्केटिंग करने के लिए बाजार जा रहा था। इसी दौरान चंदवा पुल के समीप विपरीत दिशा से आ रही अज्ञात स्कॉर्पियो ने रौंद दिया। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने सूचना मृतक के परिजनों को दी। सूचना पाकर मृतक के परिजन आरा अस्पताल पहुंचे। बताया जाता है कि मृतक अपने तीन भाई व एक बहन में छोटा था। उसके परिवार में मां इंदु कुंवर और दो भाई डिंपल चौधरी, दीपू चौधरी और एक बहन रेशमी देवी है।

# नालंदा में साली के प्यार में पति ने कर दी पत्नी की हत्या

**नालंदा , एजेंसी।** बिहार के नालंदा में दिल को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। जब साली के प्यार में पागल पति ने पत्नी की निर्मम हत्या कर दी। लव अफेयर में रोड़ा बन रही पत्नी की हत्या के बाद उसके टुकड़े-टुकड़े करके जमीन में दफना दिए। दो महीने पहले ही मृतका की शादी हुई थी।दीपनगर थाना क्षेत्र के गोइठवा नदी के पास से सोमवार की सुबह पुलिस ने जमीन खोदकर महिला का नरकंकाल निकाला।

आरोपी ने महिला के शव के दर्जनों टुकड़े कर दिये गये थे। उसके बाद पेट्रोल व नमक डालकर उसे जमीन में दफना दिया। शरीर पर मांस का एक टुकड़ा भी नहीं बचा है। परिजन गड्ढे में मिली बेडशीट व दुपट्टे से उसकी पहचान करने का दावा कर रहे हैं। चकदिलावर गांव निवासी दीनानाथ केवट की पत्नी अनरिका देवी के रूप में पहचान करने का दावा किया जा रहा है। उसकी शादी दो महीने पहले हुई थी।

मायके वालों का आरोप है कि वह सात दिनों से गायब थी। परिजन प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए थाना भी गये थे। हालांकि, खबर लिखे जाने तक प्राथमिकी दर्ज नहीं हो सकी थी। घटना के बाद गुस्साये मायके के लोगों ने ससुराल वालों को जमकर पीट दिया। उनका इलाज सदर अस्पताल में कराया गया है।अनरिका के भाई सरमेरा थाना क्षेत्र के गौसनगर गांव निवासी संजय केवट ने बताया कि तीन जून की सुबह बहनोई ने फोन कर पूछा कि वह मायके गयी है। उसके नहीं कहने पर कहा कि वह भाग गयी है। इसके बाद चकदिलावर गांव पहुंचे। यहां बहन नहीं थी।

संजय ने बताया कि खोजबीन में उसका कुछ पता नहीं चला। बाद में पता चला कि बहनोई घर से चार किलोमीटर दूर गोइठवा नदी के पास दारू चुलाने का काम करता है। वहां गड्ढे में मिट्टी से ढंका सिर दिखायी पड़ा। पुलिस ने शव को बाहर निकाला। शव मिलने के बाद दोनों पक्षों में मारपीट हो गयी। पुलिस ने बीच-बचाव किया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

अपर थानाध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि शरीर पर मांस का टुकड़ा नहीं था। फॉरेंसिक जांच के लिए शव को पटना भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद पहचान पुख्ता होगी। ससुराल के लोगों पर हत्या का आरोप लगाया जा रहा है। नौ जून को युवक ने पत्नी के गायब होने की शिकायत की थी। पति व भाई को हिरासत में लिया गया है।

# विचार-मंथन

## संपादकीय

## नई सरकार को संतुलन साधना होगा सबसे अहम

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने सर्वसम्मति से नरेंद्र मोदी को अपने गठबंधन का नेता चुन लिया है। इसके साथ ही लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में देश की बागडोर संभालने की दिशा में उन्होंने एक और कदम आगे बढ़ा दिया। दरअसल, इस बार के आम चुनाव में खंडित जनादेश मिला है। किसी भी राजनीतिक दल को पूर्ण बहुमत हासिल नहीं हो सका है। सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों ने गठबंधन करके चुनाव लड़ा था। भाजपा की अगुआई वाले गठबंधन, राजग, को जरूरी बहुमत से कुछ अधिक सीटें प्राप्त हुई हैं, इसलिए वह सरकार बनाने का दावा पेश करने जा रहा है। चूंकि भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है, और उसके गठबंधन के पास अस्पष्ट बहुमत है, इसलिए सरकार बनाने का दावा वाजिब है। कांग्रेस की अगुआई वाले इंडिया गठबंधन ने सरकार बनाने के सवाल पर संकेत दिया है कि फिलहाल वे किसी जोड़-तोड़ में नहीं जुटेंगे और सही समय का इंतजार करेंगे। इससे पहले खबरें आई थीं कि नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू शायद सैद्धांतिक आधार पर राजग के साथ जाने से इनकार कर दें और इसका फायदा इंडिया उठा ले। लेकिन भाजपा की अगुआई वाले गठबंधन की सरकार बनने की राह स्पष्ट हो गई है। पर यह भी तय है कि इस बार भाजपा का गठबंधन के सहयोगियों के साथ वही व्यवहार नहीं रह पाएगा, जो पहले की दो सरकारों के समय देखा गया। इस बार भाजपा को अकेले दम पर बहुमत हासिल नहीं है। उसे सरकार चलाने के लिए हर समय सहयोगी दलों पर निर्भर रहना पड़ेगा। पिछली दो सरकारों के समय भाजपा के पास स्पष्ट बहुमत था, इसलिए उसे इस बात की चिंता नहीं थी कि सहयोगी दल किसी मोड़ पर उसकी बांह मरोड़ सकते हैं। इस बार वैसी निश्चिंतता नहीं रहेगी। एक तनी हुई रस्सी पर संतुलन साधते हुए चलने जैसा होगा। जरा-सा भी असंतुलन खतरनाक साबित होगा। फिर, जिन दो दलों- तेलगु देसम पार्टी और जद (एकी) के पास सरकार चलाने के लिए निर्णायक सीटें हैं, उनके साथ संतुलन साधना सबसे अहम होगा। इन दोनों दलों के नेताओं यानी नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू के भाजपा के साथ सैद्धांतिक मतभेद पहले कई बार उजागर हो चुके हैं। वे बीच में भाजपा का साथ छोड़ कर अलग राह पकड़ चुके हैं। इसलिए उन्हें लेकर भरोसेमंद दावा कोई नहीं कर सकता। वे कब किस फैसले से नाराज हो जाएं, कहना मुश्किल है।

## नोटा का बटन बना सिर्फ दिखावा

इस बार के चुनाव में पहली बार नोटा ने लोगों का ध्यान खींचा। उसकी प्रासंगिकता पर चर्चा शुरू हो गई। इंदौर की लोकसभा सीट पर दो लाख से अधिक लोगों ने नोटा का बटन दबाया। नोटा यानी ऊपर में से किसी को नहीं। यानी जो मतदाता किसी भी प्रत्याशी को पसंद नहीं करते, वे अपना मत नोटा के रूप में दर्ज कराते हैं। इस तरह मतदान मशीन में नोटा एक तरह से स्वतंत्र प्रत्याशी के रूप में उपस्थित होता है। पहले की अपेक्षा इस बार कई जगहों पर नोटा को बड़ी संख्या में मत प्राप्त हुए। इंदौर में इस बटन को कुछ अधिक लोगों ने इसलिए दबाया कि पर्चा वापसी के आखिरी दिन कांग्रेस के प्रत्याशी ने अपना पर्चा वापस ले लिया। इससे पहले सूरत में भी कांग्रेस के एक प्रत्याशी ने अपना पर्चा वापस ले लिया था। तब भाजपा प्रत्याशी को निर्विरोध चुन लिया गया था। उस वक्त कहा गया था कि इस तरह मतदाताओं को उनके मताधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता, नोटा भी एक प्रत्याशी होता है। दरअसल, नोटा का विकल्प देने के पीछे एक लंबी लड़ाई चली थी। काफी समय से मांग उठ रही थी कि अगर किसी जनप्रतिनिधि से लोग खुश नहीं हैं, तो उन्हें उसे हटाने का अधिकार मिलना चाहिए। जिस तरह प्रतिनिधि चुनने का अधिकार है, उसी तरह मतदाता को उसे हटाने का भी अधिकार मिलना चाहिए। मगर उस पर कोई निर्णय नहीं लिया जा सका। फिर यह भी कहा गया कि बहुत सारे लोग किसी भी प्रत्याशी को पसंद नहीं करते, मगर मताधिकार का प्रयोग करते हुए उन्हें किसी न किसी को मत देना ही पड़ता है। ऐसे में यह विकल्प भी होना चाहिए कि वे हर प्रत्याशी को नकारने का मत दे सकें। इसी मांग के तहत विकल्प के रूप में नोटा शुरू किया गया। मगर इस विकल्प का कोई निर्णायक महत्व नहीं है। अगर इसे लेकर कोई स्पष्ट नियम बन जाए कि कितने प्रतिशत लोगों के नोटा का विकल्प चुनने पर नए सिरे से चुनाव कराने होंगे।

## उत्तर प्रदेश में बीजेपी के हिन्दुत्व पर भारी पड़ी सपा की जातीय जुगलबंदी

(अजय कुमार)

दस वर्षों गे बाद अबकी से यूपी के वोटिंग पैटर्न में बड़ा बदलाव देखने को मिला। भाजपा बड़े स्तर पर पिछड़ी, यह तो सबने देखा, परंतु क्यों पिछड़ी इसको लेकर उसके अंदर भी दुविधा नजर आ रही है। जो बीजेपी 2019 में यूपी में 63 सीटें जीती थीं जो अबकी से वह 33 पर सिमट गई। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को बड़ा झटका लगा है। यूपी में खराब परफारमेंस की वजह से बीजेपी केन्द्र में अपने दम पर बहुमत का भी आकड़ा नहीं पा कर पाई। भले ही एनडीए के तौर पर उसकी सरकार बनना तय लग है, लेकिन अबकी से उसके सामने चुनौती बड़ी होगी। बीजेपी का यह सारा खेल यूपी ने बिगाड़ा है। 2017 के विधान सभा चुनाव के बाद जिस तरह से अप्रत्याशित तरीके से बीजेपी आलकमान द्वारा योगी को यूपी का सीएम बनाया गया था, उसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव और 2022 के विधान सभा चुनाव में मोदी के साथ योगी का भी सिक्का खूब चला। यहां कोई भी चुनाव होता मोदी आगे तो योगी उनके पीछे नजर आते थे। अपने बल पर शानदार प्रदर्शन करने वाले सीएम योगी आदित्यनाथ का जादू अबकी लोकसभा चुनाव में क्यों नहीं चला यह यक्ष प्रश्न है। कहा यह भी जा रहा है कि समाजवादी पार्टी के पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक (पीडीए) फार्मूला ने बीजेपी के हिन्दुत्व को हासिये पर ढकेल दिया। जबकि जमीनी हकीकत यही है कि यूपी की सियासी पिच पर भले योगी मात खा गये हों, लेकिन उनकी सरकार के कामकाज को लेकर किसी को कोई खास नाराजगी नहीं है। आज भी प्रदेश में लॉ एंड आर्डर के कारण उनकी छवि काफी बड़ी दिखती है। विकास के कार्य भी ठीकठाक चल रहे थे, ऐसे में यही कहा जा सकता है कि शायद योगी अपनी बात को मतदाताओं के सामने उतने सही तरीके से नहीं जैसा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव करने में सफल रहे। वहीं बसपा के वोटर को भी जब इस बात का अहसास हुआ कि बहनजी अबकी से रेस में नहीं है तो उसने भाजपा की जगह समाजवादी पार्टी का साथ ज्यादा पसंद किया, यह भी बीजेपी के लिये माइनस प्वाइंट रहा। इसकी वजह भी साफ है। दलित और उसके साथ पिछड़ों को भी इस बात का विश्वास हो गया था कि यदि मोदी मजबूत हुए तो उनका आरक्षण खत्म हो जायेगा। बहरहाल, योगी की भविष्य की राजनीति पर लोकसभा चुनाव के नतीजे का प्रभाव पड़ना निश्चित है। एक तरफ विपक्ष उनके खिलाफ ज्यादा हमलावर होगा तो पार्टी के भीतर से भी उनके खिलाफ आवाज उठने लगेंगी। क्योंकि अक्सर ऐसी खबरें आती थीं कि योगी राज में बीजेपी के जनप्रतिनिधियों को कोई महत्व नहीं मिल रहा था और इसकी बड़ी वजह योगी को समझा जाता था। यहां तक की चौकी-थाने तक में बीजेपी नेताओं और पार्षदों की बात तो दूर विधायकों और सांसदों तक की नहीं सुनी जाती थी। यूपी में भाजपा के साथ-साथ उसके सहयोगी दलों को भी झटका लगता है। सुभासपा के बढ़ बोले नेता ओम प्रकाश राजभर अपने बेटे को चुनाव नहीं जिता पाये तो संजय निषाद की पार्टी का भी एक सीट पर खाता नहीं खुला। हॉ, राष्ट्रीय लोकदल अपनी दो और अपना दल एस की अनुप्रिया पटेल मिर्जापुर से चुनाव जीत गई हैं। वहीं, सुभासपा को घोसी लोकसभा सीट पर झटका लगा है। इंडिया गठबंधन प्रदेश की 80 में से 43 सीटें जीतने में सफल रहा। इसमें सपा की 37 सीटों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कांग्रेस को भी 6 सीटों पर जीत हासिल हुई, लेकिन इसका श्रेय भी अखिलेश को ही दिया जा रहा है। वहीं, भाजपा के नेतृत्व में एनडीए 36 सीटों पर ही हासिल कर पाई,जिसमें भाजपा की 33 सीटें थीं। यूपी में उसके सात केन्द्रीय मंत्री चुनाव हार गये। एक सीट पर आजाद समाज पार्टी को जीत हासिल हुई। दस वर्षों गे बाद अबकी से यूपी के वोटिंग पैटर्न में बड़ा बदलाव देखने को मिला। भाजपा बड़े स्तर पर पिछड़ी, यह तो सबने देखा, परंतु क्यों पिछड़ी इसको लेकर उसके अंदर भी दुविधा नजर आ रही है। जो बीजेपी 2019 में यूपी में 63 सीटें जीती थीं जो अबकी से वह 33 पर सिमट गई। पार्टी को 30 से सीटों का का नुकसान एठाना पड़ा। वहीं, कांग्रेस का आकड़ा एक से छह पर पहुंच गया है। 2009 के लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार कांग्रेस ने प्रदेश में बढ़त बनाई है। वहीं, समाजवादी पार्टी अपना सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने में कामयाब रही है। 1992 में समाजवादी पार्टी के गठन के बाद से अब तक का यह उसका सबसे शानदार प्रदर्शन था। इतना बेहतर प्रदर्शन तो किसी भी लोकसभा चुनाव में स्वयं मुलायम सिंह यादव तक नहीं कर पाये थे। इससे पूर्व 2004 में सपा ने 35 सीटें जीती थीं। इससे यही लगता है कि इंडिया गठबंधन अपनी रणनीति बेहतर तरीके से जमीन पर उतरने में सफल रही। वहीं, भाजपा के पक्ष में माहौल बनता नहीं दिख पाया। ऐसे में भाजपा प्रदेश नेतृत्व में बदलाव की रणनीति पर काम कर सकता है। इस पर चर्चा शुरू हो गई है, लेकिन यह चर्चा हवा-हवाई ज्यादा लगती है। यह वह चर्चा है जिसे आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने सबसे पहले हवा दी थी। उन्होंने दावा किया था कि लोकसभा चुनाव के बाद यूपी में सत्ता परिवर्तन होगा। योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री पद से हटाए जाएंगे। लखनऊ में इंडिया गठबंधन के प्रेस कॉन्फ्रेंस में अरविंद केजरीवाल ने सीएम योगी आदित्यनाथ पर बड़ा दावा किया था। केजरीवाल ने कहा था कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दिल्ली आए थे। उन्होंने मुझे गालियां दीं। योगी जी, मैं आपसे विनम्रता से कहना चाहता हूं कि आपके असली दुश्मन आपकी ही पार्टी में हैं। भाजपा में अपने दुश्मनों से लड़िए। आप केजरीवाल को गाली क्यों दे रहे हैं? अरविंद केजरीवाल ने दावा किया था कि पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह आपको हटाना चाहते हैं। आपको यूपी के सीएम की कुर्सी से हटाने की पूरी तैयारी चल रही है। आप उनसे निपटिए। केजरीवाल ने लोगों से कहा था कि इंडिया को बचाना है तो इंडिया गठबंधन को जिताना है। खैर, योगी से इत्तर बात बसपा की भी जरूरी है। बीएसपी सुप्रीमो मायावती की पार्टी की कहीं कोई चर्चा नहीं हो रही है। बसपा को किसी भी सीट पर जीत नहीं मिली। यूपी में बसपा की सुप्रीमों मायावती को दलितों की एकमात्र राजनीतिक मसीहा माना जाता रहा है। उनके इशारे पर दलितों का वोट पड़ता रहा है। मगर इस बार हालात इसके कुछ अलग दिखाई दिया।

> *एक इशारे पर यूपी का 17 फीसदी दलित वोट बैंक वोटिंग के लिए तत्पर रहता था। इसका अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि बसपा के टिकट को हासिल करने के लिए उम्मीदवारों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ती थी। कई बार तो मायावती पर टिकट को बेचने के आरोप भी लगे। मगर इसके बावजूद बसपा के कोर वोट बैंक को कोई खास असर नहीं पड़ा। फिलहाल इस बार के नतीजों से कुछ अलग ही हालात सामने आ रहे हैं।*

## उच्च शिक्षा में वाजिब ऊंचाई का इंतजार

(हरिवंश चतुर्वेदी, मुख्य शिक्षा सलाहकार, बिमटेक)

दुनिया भर के उच्च शिक्षण संस्थानों की रैंकिंग बताने वाली कुकक्रेरेली साइमंड्स (क्यूएस) संस्था ने साल 2025 की अपनी रैंकिंग जारी की है, जिससे भारतीय विश्वविद्यालयों की संवर रही तस्वीर की कुछ झलक दिखती है। पूर्व की तरह इस वर्ष भी रैंकिंग में शीर्ष पर मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) काबिज है, जबकि चार अन्य स्थान क्रमशः इम्पीरियल कॉलेज, ऑक्सफोर्ड, हार्वर्ड और कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के नाम हैं। मगर भारतीय शिक्षण संस्थानों ने भी अपनी रैंकिंग ठीक-ठाक सुधारी है। जैसे, आईआईटी, बॉम्बे को इस बार 118वां स्थान मिला है, जबकि पिछली रैंकिंग में वह 149वें पायदान पर थी। आईआईटी, दिल्ली भी पिछली बार के 197वें स्थान से 150वें पायदान पर पहुंच गई है। इस वर्ष रैंकिंग में शामिल हमारे शीर्ष दस संस्थानों में सबसे अधिक आईआईटी (सात) हैं, जबकि शेष तीन संस्थानों में आईआईएस (211वीं रैंकिंग), दिल्ली यूनिवर्सिटी (328) और अन्नामलाई यूनिवर्सिटी (323) शामिल हैं। सवाल है कि क्यूएस ही नहीं, अन्य दो प्रतिष्ठित रैंकिंग-एसजेटीयू व टाइम्स हायर एजुकेशन रैंकिंग में सिर्फ आईआईटी, डीयू-जेएनयू-जामिया मिल्लिया-बीएचयू जैसे केंद्रीय विश्वविद्यालय और कुछ निजी विश्वविद्यालय ही क्यों शुमार होते हैं? बाकी शिक्षण संस्थान मानकों पर क्यों खरे नहीं उतर पाते? इसकी एक वजह तो इन रैंकिंग की रूपरेखा है, जो काफी हद तक पश्चिमी विश्वविद्यालयों के अनुकूल होती है। इनमें कैंपस में विविधता, छात्रों को मिलने वाले रोजगार के अवसर, शोध-कार्य, बुनियादी ढांचा, ब्रांड-वैल्यू आदि तमाम कसौटियों पर संस्थानों को परखा जाता है। ऐसे में, उन भारतीय संस्थानों को इसमें परोक्ष लाभ मिलता है, जो आजादी के पहले या स्वतंत्रता के तुरंत बाद खोले गए, क्योंकि उनको लगातार धनराशि मिलती रहती है। वे इसका जो हिस्सा खर्च नहीं कर पाते, वह धन 'सरप्लस' के रूप में उनके पास जमा रह जाता है और इन पर मिलने वाला ब्याज आदि उनके लिए 'अक्षय निधि' बन जाता है। चूंकि ये पुराने संस्थान हैं, इसलिए इनका यह फंड भी करोड़ों रुपये में हो गया है, जिसका इस्तेमाल ये अपने हित में करते रहते हैं। यह सुविधा अन्य संस्थानों को हासिल नहीं है। बेशक, तमाम संस्थानों में ट्यूशन फीस ली जाती है, पर यह उनकी कुल आमदनी का बमुश्किल 10 से 20 फीसदी हिस्सा होती है। आमदनी के अन्य स्रोतों का अधिकतम इस्तेमाल शिक्षकों-कर्मचारियों के वेतन-पेंशन आदि में किया जाता है। फिर, उच्च शिक्षा वित्तीयन एजेंसी (हेफा) से जो ब्याज रहित या नाममात्र ब्याज पर कर्ज मिलता है, वह अमूमन केंद्रीय विश्वविद्यालयों या अच्छे संस्थानों के ही खाते में जाता है। इससे स्वाभाविक ही राज्य-स्तरीय विश्वविद्यालयों की स्थिति दयनीय हो जाती है। फिर, राज्यों की आमदनी अलग-अलग है और उनका प्रबंधन भी। आलम यह है कि अब भी हमारे देश में कुल जीडीपी का बमुश्किल तीन फीसदी हिस्सा ही शिक्षा पर खर्च किया जाता है, जबकि 1968 की पहली शिक्षा नीति में इसे छह प्रतिशत करने की वकालत की गई थी। जब राज्य सरकारों के पास पैसे होंगे ही नहीं, तो वे छह फीसदी कैसे खर्च करेंगी? यहां यह नहीं समझा जाना चाहिए कि उच्च शिक्षा में महंगी फीस की वकालत की जा रही है। कम फीस के कारण ही देश में कई ऐसे छात्र उच्च शिक्षा हासिल कर पाते हैं, जिनकी आर्थिक हैसियत निजी विश्वविद्यालयों में पढ़ने की नहीं होती। मगर सच यह भी है कि राज्य के शिक्षण संस्थानों में शोध-कार्यों के लिए पर्याप्त साधन नहीं हैं, पुस्तकालयों में प्रचुर मात्रा में किताबें नहीं हैं और प्रयोगशालाओं में उचित उपकरण नहीं हैं। इस सूरतेहाल में गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई होगी कैसे? इसका एक उपाय यह हो सकता है कि जो छात्र विपन्न हों, उनसे पूर्ववत फीस ली जाए, पर जो महंगी फीस का भार उठाने में सक्षम हैं, उनसे कुछ अधिक फीस वसूली जाए।

## सुडोकू पहेली क्रमांक- 5398

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 4 | | | | 6 | | 1 |
| | | 7 | 2 | | | | 8 | |
| | | 9 | 3 | | | | | 2 |
| | | | 1 | | | | | 9 |
| 6 | 2 | 1 | 5 | | 9 | 4 | 7 | 3 |
| 5 | | | | | 4 | | | |
| 4 | | | | | 3 | 5 | | |
| | 3 | | | | 2 | 8 | | |
| 1 | | 6 | | | | 3 | | |

**नियम :** प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

### सुडोकू पहेली क्र. 5397

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 8 | 9 | 6 | 1 | 7 | 3 | 4 | 2 |
| 2 | 4 | 1 | 3 | 5 | 9 | 8 | 6 | 7 |
| 3 | 7 | 6 | 8 | 4 | 2 | 9 | 5 | 1 |
| 4 | 9 | 2 | 7 | 6 | 8 | 1 | 3 | 5 |
| 6 | 3 | 8 | 1 | 2 | 5 | 7 | 9 | 4 |
| 7 | 1 | 5 | 9 | 3 | 4 | 6 | 2 | 8 |
| 8 | 2 | 3 | 4 | 9 | 1 | 5 | 7 | 6 |
| 9 | 5 | 7 | 2 | 8 | 6 | 4 | 1 | 3 |
| 1 | 6 | 4 | 5 | 7 | 3 | 2 | 8 | 9 |

## आज का राशिफल

### मेष
आज कुछ कठिनाई महसूस कर रहे हैं। एक साथ कई प्रकार के काम हाथ में ले लेने से ऐसा महसूस होना जरूरी भी है। आज का दिन मिश्रित फलकारक है। यदि आप समय के अनुसार चल रहे हैं तो जरूरत के मुताबिक यह भी महसूस कर रहे हैं कि आपको रिस्क लेने के लिए तैयार रहना है तो आप इस मामले में अकेले पड़ सकते हैं।

### वृष
आज दिन सफलता से भरा और आज आपको लाभ होगा। आप आज योजनाबद्ध तरीके से चलेंगे तो आपको सफलता पाने से कोई नहीं रोक सकता। कारोबार में परेशानियों पर काबू पा लें। आपको छोटी मोटी रकम या सहायता की जरूरत होगी तो आपके लिए कहीं न कहीं से इंतजाम हो जाएगा।

### मिथुन
आज कारियर के मामले में लाभ होगा और आज का दिन मिलाजुला रहेगा। आपमें से कई लोग ऐसे हैं जिनको इन दिनों अपने गृहस्थ जीवन को संवारने में काफी मेहनत करनी पड़ रही है। आपके सम्मान में वृद्धि होगी और ऑफिस में आपको आज पसंद के कार्य करने को मिलेंगे। मान सम्मान बढ़ेगा।

### कर्क
आज लाभ होगा और आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। किसी साथी या पड़ोसी के द्वारा कही बात पर विवाद हो सकता है। आज ध्यान रखें कि झगड़ा मोल लेने के बाद सुलह सफाई करने की भी गुंजाइश रखनी चाहिए। आपके कारोबार में वृद्धि के योग हैं। भाग्य साथ देगा।

### सिंह
आज कारोबार में सफलता प्राप्ति के योग हैं। अपने कार्यक्षेत्र में इस समय अच्छी ख्याति और यश बटोर सकते हैं। अगर आप गंभीर होकर अपने कार्य में तत्पर हैं तो उन्नति की उच्च सीमा तक भी जा सकते हैं। समय का सहयोग अगर मिलता रहा और आपकी इच्छाशक्ति इसी तरह से कायम रही तो वह समय भी दूर नहीं होगा।

### कन्या
आज सम्मान में वृद्धि का दिन है। यदि आप नौकरीपेशा हैं तो आपको किसी अच्छे काम के लिए पुरस्कार मिल सकता है। घर में आपका माहौल बहुत शांत हैं और परिवार के लोगों के साथ सुकून में वक्त कटेगा। आपके कारोबार में धन वृद्धि के योग बन रहे हैं। भाग्य साथ देगा।

### तुला
आज करियर के मामले में लाभ होगा। आपके सम्मान में वृद्धि होगी और सभी कार्य समय से पूर्ण होंगे। नौकरी में भी आपको आज अधिक काम करना पड़ सकता है। अपने काम को बढ़ाने के लिए संपर्क और गठजोड़ भी करने हैं। आपके लिए सम्मान में वृद्धि के योग बने हैं और कारोबार में सफलता प्राप्त होगी।

### वृश्चिक
आज कारोबार में लाभ होगा और आपका जीवन सफलता से भरा होगा और आपको आज व्यक्तिगत जीवन पर सोच विचार करने की फुर्सत मिलेगी। आगामी दिनों को ध्यान में रखते हुए आपने अपने वस्त्र आभूषण आदि का भी रखरखाव करें। आज अपने सामान्य की रक्षा करें, वरना आपको नुकसान हो सकता है।

### मकर
आज लाभ होगा और आपके सम्मान में वृद्धि होगी। भाग्य और सौभाग्य का साथ आपको मिलेगा। इन सबसे पहले रचनात्मक कार्यों में ज्यादा तल्लीन रहते तो आपको अपने परिवार का भी समर्थन मिल जाता। अब हालत ऐसी भी हो सकती है कि आपके प्रियजन आपसे खफा हो सकते हैं। कोई भी काम सोचसमझकर करें।

### कुंभ
आज करियर के मामले में समय काफी उतार चढ़ाव वाला रहेगा। आज भी आप अपने मनचले स्वभाव के कारण कुछ बातों को लेकर परेशान हो सकते हैं। अस्थिरता और पलायन करने की नौबत भी आपके जीवन में पैदा हो रही है। आपके लिए धन में वृद्धि के योग हैं। आपको सफलता प्राप्त होगी।

### धनु
आज लाभ होगा और आपको अपनी इच्छाओं से संतोष रखना है। भाग्य की एक रेखा आपके जीवन में खींची जा रही है। कभी कभी ज्यादा परिश्रम करते वक्त जब आप बोर हो जाते हैं तो मनोरंजन में खो जाते हैं। आपको परिवार के लोगों के साथ यात्रा पर जाने का मौका मिलेगा।

### मीन
आज करियर में कुछ जरूरी कार्य करने की जरूरत है। आपको बदलाव के लिए कुछ जरूरी कदम उठाने पड़ सकते हैं। अपने नौकर चाकर या सहयोगीजनों के भुगतान की भी चिंता करनी पड़ेगी। अगर ऐसा नहीं करते हैं तो आप किसी समस्या से घिर जाएंगे। आपके धन में वृद्धि के योग हैं।

## वर्ग पहेली 5398

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | 2 | 3 | | 4 | 5 | 6 |
| | ■ | 7 | | ■ | 8 | | |
| 9 | 10 | ■ | 11 | | | ■ | |
| 12 | | 13 | ■ | ■ | 14 | | |
| 15 | | | ■ | 16 | | ■ | |
| ■ | 17 | | ■ | | ■ | 18 | ■ |
| 19 | ■ | 20 | 21 | | ■ | 22 | 23 |
| 24 | | ■ | 25 | | | | |

**संकेतः बाएं से दाएं**
1. 1906 को इस भारतीय क्रांतिकारी ने जन्म लिया था (8)
7. भुना हुआ दाना, लावा, कील (2)
8. जंगल, वन, अरण्य (3)
9. सिंह, वीर पुरूष, नाहर, केसरी (2)
11. दावा, फरियाद, अभियोग, मुकदमा (3)
12. डर, भय, आशंका, जोखिम (3)
14. गंध फैलाना (3)
15. चांदी, उजला (3)
16. एक प्रसिद्ध दिवंगत हास्य अभिनेता जिनका बेटा भी अभिनेता-निर्देशक था (2)
17. मिट्टी एवं पानी आदि का लेसदार घोल (2)
20. फर्श आदि पर बिछाई जाने वाली छपी हुई चादर (3)
22. विविध, एक रिश्ता, मातामह (2)
24. दक्षिणी अमेरिका के प्रशांत तट पर स्थित पेरू देश की यह राजधनी है (2)
25. तारा शंकर बंदोपाध्याय की एक सुप्रसिद्ध कृति, समूह में बंटे हुए देवता (5)

**ऊपर से नीचे**
1. चंद्रमारूपी शिरोभूषण पहनने के कारण भगवान शिव का एक नाम (5)
2. अभिमान, दर्प, डींग, अकड़ (2)
3. अखरना, खटकना, बुरा लगना (3)
4. छोटे-छोटे तारों का समूह, मंदाकिनी (5)
5. प्राण, मूल तत्व, शरीरिक शक्ति, सामर्थ्य (2)
6. दन-दन शब्द होना, खुशी मनाना (5)
10. रात्रि में होने वाला जागरण (4)
13. उल्लू को यह भी कहा जाता है (4)
16. हमला करना, चढ़ाई करना (4)
18. पद के लिए उम्मीदवारों में से बहुमत के आधार पर चुनना (3)
19. इस देश में तांबे की विश्व की सबसे बडी खान है जो कि 3000 मीटर की ऊंचाई पर है (2)
21. संसार, विश्व, एक प्रकार का बर्तन (2)
23. रिश्ता, संबंध (2)

### वर्ग पहेली 5397 का हल

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मु | के | श | ■ | बे | ल | गा | म |
| म | ला | ल | ■ | त | ख | मी | ना |
| ता | ■ | भ | ग | वा | ■ | ■ | व |
| ज | य | ■ | री | ■ | ग | ब | न |
| ■ | क | री | ब | ■ | या | म | ■ |
| द | र | मा | ■ | वा | ना | ■ | र |
| ल | की | ■ | सा | दा | ■ | दा | ग |
| ■ | ब | ल | रा | म | जा | ख | इ |

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
**संपादक- श्रीराम अम्बष्ट**, उप संपादक- **साकेत अम्बष्ट** फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, **RNI-BIHHIN/1998/03009**

## संक्षिप्त समाचार

### धूम धाम के साथ मनाया गया सदगुरु कबीर प्रगट उत्सव

**खूंटी, एजेंसी।** श्री सदगुरु कबीर का प्रगट उत्सव सोमवार को शहर के बाजार टांड़ में बड़े ही धूमधाम के साथ सदगुरू कबीर नवयुवक मंडल, आमीन माता महिला मंडल द्वारा मनाया गया। इसमें हजारों की संख्या में कबीरपंथी संत महंत उपस्थित थे। जिनके कर कमलों से प्रसाद, दही बुन्दीया, खीर-पुड़ी, शरबत, ठंडा पानी लोगों को दिया गया। इसके साथ ही मधुर धुन में कबीर साहब के भजन, प्रवचन के माध्यम से संदेश का प्रचार-प्रसार किया गया।

### कर्रा क्षेत्र में आठ घंटे गुव रही बिजली, परेशान रहे ग्रामीण

**रांची, एजेंसी।** कर्रा के आसपास क्षेत्र में 8 घंटे बिजली नहीं रहने के कारण भीषण गर्मी में ग्रामीण बेहाल और परेशान रहे। ज्ञात हो कि सुबह 10:15 बजे बिजली कट जाने के बाद संध्या 6:15 बजे बिजली की आपूर्ति क्षेत्र में की गई। बिजली विभाग एसडीओ शैलेश कुमार ने बताया कि कमडारा से कर्रा जाने वाली 33 हजार वोल्टेज की तार के समीप आने वाली पेड़ की टहनियों का छंटनी कार्य किया जा रहा है। इसलिए क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बंद की जा रही है। उन्होंने कहा कि अभी पेड़ की टहनियों की छंटनी नहीं करने से बरसात के दिनों में परेशानी बढ़ सकती है। इसलिए बिजली विभाग द्वारा टहनी की छंटनी करायी जा रही है। वहीं शाम में बिजली पूर्ति होने के बाद आंख मिचौनी से भी लोग परेशान रहे। हालांकि संध्या 6:30 बजे आंधी तूफान एवं मेघ गर्जन के साथ हल्की बारिश हुई, जिससे लोगों को राहत मिली।

### मानव मस्तिष्क कुदरत का सबसे बड़ा उपहार: सक्सेस गुरु

**हजारीबाग, एजेंसी।** तापीन साउथ, आरआरडब्लू और तापीन नॉर्थ परियोजना के 60 कर्मचारियों ने सोमवार को सीसीएल कोलियरी कर्मचारी संघ की सदस्यता ग्रहण की। आयोजित कार्यक्रम रेलवे साइडिंग चरही में क्षेत्रीय सचिव रणविजय सिंह के नेतृत्व में किया गया जबकि अध्यक्षता जेपी राणा ने की। इस अवसर पर सीसीएल कोलियरी कर्मचारी संघ के महामंत्री राजीव रंजन सिंह, प्रदेश संगठन मंत्री बृजेश कुमार, प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील कुमार, हजारीबाग क्षेत्र के प्रभारी निर्गुण महतो, एरिया अध्यक्ष माया कुमारी, हजारीबाग जिला मंत्री नीरज सिंह, भारतीय मजदूर संघ और हजारीबाग क्षेत्र के सीसीएल कोलियरी कर्मचारी संघ के पदेन पदाधिकारी जेपी झा, अशोक, मनोज कुमार, पंकज कुमार सिंह, कौशलेंद्र कुमार, रंजीत कुमार, सुजीत झा, राजेश कुमार सिंह, अर्जुन सिंह की देख-रेख में सदस्यता ग्रहण की। सीसीएल कोलियरी कर्मचारी संघ की सदस्यता लेने वालों में आनंद शंकर सिंह, दामोदर पांडेय, देवनारायण साव, प्रदीप साव, रंजन प्रसाद, परमेश्वर महतो, मो.एनुल अंसारी, संजीत गौतम, दीपक हरी, सिकंदर चौहान, अरुण कालिंदी, राजू करमाली आदि का नाम शामिल है।

### सदर अस्पताल में अब लोगों को मिलेगा अत्याधुनिक शौचालय

**रांची, एजेंसी।** सदर अस्पताल में सोमवार को नवनिर्मित 10 सीटर अत्याधुनिक सुलभ सुविधा केंद्र का सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने उद्घाटन किया। सुलभ इंटरनेशनल सोशल सर्विस ऑर्गेनाइजन द्वारा बनाए गए इस अत्याधुनिक शौचालय में पुरुषों एवं महिलाओं के लिए शौचालय, स्नानागार के साथ बच्चों के लिए विशेष रूप से शौचालय का निर्माण किया गया है। इसके साथ ही हैंड ड्रायर की व्यवस्था भी की गई है। इसके अलावा पुरुष एवं महिला दोनों कक्ष में दिव्यांग शौचालय भी बनाया गया है। महिलाओं के लिए सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन और सेनेटरी इन्सीनरेटर मशीन भी लगाई गई है। इस अवसर पर सिविल सर्जन ने कहा कि इस सुलभ सुविधा केंद्र के निर्माण से सदर अस्पताल आने वाले मरीजों तथा उनके परिजनों को सुविधा होगी।सदर अस्पताल में निर्मित इस आधुनिक शौचालय का निर्माण सुलभ इंटरनेशनल सोशल सर्विस ऑर्गेनाइजन की ओर से परिसर में रेन वाटर हारवेस्टिंग सिस्टम का भी निर्माण किया गया है। वहीं, यह सभी कार्य रांची नगर निगम द्वारा दी गई राशि से कराया गया है। उद्घाटन के मौके पर एसीएमओ डॉ. अनिल कुमार खेतान, डिप्टी सुपरीटेंडेंट डॉ. विमलेश सिंह, सर्जन डॉ. आरके सिंह, चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉ. मृत्युजंय कुमार मौजूद थे। इसके अलावा सुलभ के मानद् नियंत्रक आनन्द शेखर उपस्थित थे।

# देश-विदेश के विश्वविद्यालयों में दाखिले के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

**जमशेदपुर, एजेंसी।** देश-विदेश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों, मेडिकल और इंजीनियरिंग कालेजों में प्रवेश दिलाने के नाम पर देशभर में 450 से अधिक छात्र-छात्राओं से करोड़ों रुपये की ठगी की गई है। नोएडा पुलिस ने गिरोह के दो सदस्यों और दो युवती समेत छह को गिरफ्तार किया है।

एक आरोपित फरार है। डेढ़ वर्ष से ये लोग प्रति छात्र छह से दस लाख रुपये तक वसूल रहे थे। आरोपितों से 5.6 करोड़ रुपये के पोस्टडेटेड चेक, 3.90 लाख कैश, दो लैपटाप, 16 मोबाइल फोन और ठगी में इस्तेमाल कार बरामद की गई है।

एडीसीपी मनीष कुमार मिश्र के मुताबिक, सोमवार को योर नेक्स्ट स्टैप स्मार्ट सॉल्यूशन ऑफिस में छापा मारा गया। यहां से पटना (बिहार) के राहुल कुमार, अनुपम कुमार, नागपुर (महाराष्ट्र) के दयानंद पांडेय, आगरा (उत्तर प्रदेश) के सचिन सिंह, गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) की विदुषी लोहिया और जमशेदपुर (झारखंड) निकिता उपाध्याय को पकड़ा। राहुल कुमार और अनुपम गिरोह के सरगना हैं। अन्य सरगना सोनू कुमार फरार है।

**कम रैंकिंग वाले छात्रों को देते थे झांसा :** पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि इंटरनेट मीडिया और विभिन्न प्लेटफार्म के माध्यम से भारत, यूके और अमेरिका के प्रतिष्ठित कॉलेजों में कम रैंकिंग वाले छात्रों को मेडिकल व इंजीनियरिंग कालेजों में प्रवेश दिलाने का भरोसा देते थे। गिरोह के तीनों सरगना पटना के रहने वाले हैं। तीनों एनसीआर में नौकरी करते थे। इन लोगों ने एक कार्यालय पुणे शहर में भी खोला है।

इसका संचालन सोनू करता है। पटना निवासी सरगना राहुल कुमार (30) पूर्व में ट्रेन में लूटपाट का आरोपित रहा है। वह पत्नी, बेटे और बेटी के साथ ग्रेटर नोएडा रह रहा था। यहीं से पुलिस ने राहुल और उसके सहयोगी अनुपम कुमार निवासी पटना को गिरफ्तार किया था।

**ऐसे करते थे ठगी :** गिरोह के सदस्यों ने इंस्टाग्राम पर नेक्स्ट एजुकेशन, एडुप्रो, कैरियर कार्नर, गुरुकुल एजुकेशन, एजुकेशन कंसल्टेंसी, कैरियर प्लान, एडमिशन साथी नाम से अकाउंट बना रखे थे, जिन पर विज्ञापन भी प्रसारित करते थे। इसमें दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क होने पर छात्र को कार्यालय में बुलाकर काउंसलिंग करते थे। इसमें देश-विदेश के मेडिकल इंजीनियरिंग के साथ ही अन्य व्यावसायिक शिक्षा देने वाले नामी कालेजों में पकड़ होने का दावा करते थे। कुछ छात्रों को प्रवेश दिलाने के फर्जी दस्तावेज भी दिखाए जाते थे। छात्र का भरोसा जीतने के बाद आधी धनराशि नकद और आधी चेक के माध्यम से मांगते थे। बैंक में चेक लगाने के बाद सिम फेंक देते थे, जिससे छात्र संपर्क न कर सकें। गिरोह ने विभिन्न शहरों में एजेंट भी बनाए थे। ये लोग छात्रों को इनके संपर्क में लाते थे और शिकार बनाने के बाद कमीशन प्राप्त कर लेते थे।

**इन शिक्षण संस्थानों में प्रवेश का देते थे झांसा :** आरोपित एनएल डालमिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च सेंटर, वेल्होर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी, जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, एनडब्ल्यूएसी, आईएमटी आदि संस्थानों के प्रवेश फार्म भरवा लेते थे। इस संबंध में नोएडा के जेपी इंस्टीट्यूट के प्रबंधन का कहना है कि उन्हें मामले की कोई जानकारी नहीं है। किसी छात्र से भी कोई शिकायत नहीं मिली है।

# साई सेंटर रांची में तीरंदाजी का आवासीय प्रशिक्षण जारी रहेगा

**रांची, एजेंसी।** भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) सैग (स्पेशल एरिया गेम) रांची में तीरंदाजी का आवासीय प्रशिक्षण जारी रहेगा। इस संबंध में साई प्रबंधन ने रांची सेंटर में फिर से खिलाड़ियों का ट्रायल लेने और रिक्त पदों को भरने का निर्देश दिया है। अब 11 और 12 जून को हॉकी और फुटबॉल (गैर आवासीय) प्रशिक्षण के लिए होनेवाले ट्रायल के साथ तीरंदाजी (आवासीय) प्रशिक्षण के लिए भी खिलाड़ियों का ट्रायल लिया जाएगा। इस ट्रायल में 12 से 16 साल तक के खिलाड़ी भाग ले सकते हैं।

साई प्रबंधन के इस फैसले के बाद अब रांची साई में हॉकी, फुटबॉल और एथलेटिक्स के साथ तीरंदाजी का आवासीय प्रशिक्षण होगा। इस फैसले से प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों में उत्साह है। चयनित खिलाड़ियों को निःशुल्क लॉजिंग, फूडिंग के साथ मेडिकल, शिक्षा आदि का खर्च दिया जाएगा। यह सुविधा आवासीय खिलाड़ियों के लिए होगी। वहीं, गैर आवासीय खिलाड़ियों को खेल वस्त्र, स्वास्थ्य बीमा, प्रतियोगिता खर्च और वजीफा दिया जाएगा।

फरवरी माह में हॉकी, फुटबॉल और एथलेटिक्स के आवासीय प्रशिक्षण के लिए ट्रायल लिया गया था। इस समय तीरंदाजी के लिए सेंटर का स्ट्रेंथ शून्य कर दिया गया था, इसलिए ट्रायल नहीं लिया गया। तब कयास लगाया जा रहा था कि पिछले साल की तरह इस साल भी सेंटर बंद करने की कवायद शुरू कर दी गई है। पिछले साल विरोध और सांसद के हस्तक्षेप के बाद सेंटर जारी रखा गया था।

रांची में तीरंदाजी के लिए कोच की भी जल्द नियुक्ति की जाएगी। साई प्रबंधन ने बताया कि खिलाड़ियों का ट्रायल होने के बाद कोच भी भेजा जाएगा। बीते मार्च माह में कोच महेंद्र सिंह का ट्रांसफर हो गया था। इस समय छह-सात तीरंदाज हैं, जो पिछले दो माह से बिना कोच के प्रशिक्षण ले रहे हैं। तब कयास लगाया गया था कि इन खिलाड़ियों को पद्मा (हजारीबाग) सेंटर भेजा जाएगा और रांची में तीरंदाजी का प्रशिक्षण बंद होगा।

साई रांची के प्रभारी बिनोद सिंह ने बताया कि गैर आवासीय सेंटर (हॉकी, फुटबॉल) के प्रशिक्षण ट्रायल में शहर के 15 किलोमीटर की परिधि में रहनेवाले खिलाड़ी भाग ले सकते हैं।

## 7 दिनों से 12 घंटे बिजली कटौती, एक टावर को खड़ा नहीं कर पाया विभाग

**बोकारो , एजेंसी।** विद्युत प्रमंडल चास के फुदनीडीह सबस्टेशन व डीवीसी के बीच का टावर गिरने के कारण फुदनीडीह के साथ-साथ चास सबस्टेशन के उपभोक्ताओं को सात दिनों से बिजली संकट का सामना करना पड़ रहा है। चार जून को आए तेज आंधी और पानी के कारण टावर गिरा था। इसके बाद से ही क्षेत्र में 12 घंटे बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है। टावर गिरने को सात दिन होने जा रहे हैं, पर अभी तक टावर का फाउंडेशन तैयार भी नहीं किया जा सका है।ऐसे में अब चास और फुदनीडीह सबस्टेशन के उपभोक्ताओं को अभी और कई दिन बिजली संकट का सामना करना पड़ेगा। टावर गिरने से दो में से एक प्वाइंट से बिजली आपूर्ति बाधित है और दूसरे प्वाइंट से बिजली आपूर्ति की जा रही है। एक प्वाइंट से डीवीसी चास को बिजली आपूर्ति कर रही है, वहीं दूसरे प्वाइंट से फुदनीडीह सब स्टेशन को बिजली आपूर्ति करती है। अभी टावर गिरने के कारण फुदनीडीह प्वाइंट पूरी तरह से बंद है और चास प्वाइंट से ही दोनों सबस्टेशन चास और फुदनीडीह को बारी-बारी से बिजली आपूर्ति की जा रही है। वहीं दूसरी तरफ बरमसिया पावर ग्रिड से चास को मिलने वाली सरप्लस बिजली तो मिल रही है, पर उसी से फुदनीडीह सबस्टेशन को भी बिजली आपूर्ति की जा रही है।जबकि फुदनीडीह सबस्टेशन का यह टावर महज दो वर्षों में ही गिर गया। टावर गिरने की दो वजह बताई गई है, पहली टावर का फाउंडेशन कमजोर होने के कारण पानी के तेज बहाव में बहने से टावर का गिरना। दूसरा कारण टावर के फाउंडेशन के प्लेट व नट बोल्ट चोरी होना बताया जा रहा है। इसकी वजह से यह टावर हल्की आंधी में ही गिर गया।

# झारखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने की समीक्षा बैठक, दिए कई निर्देश

**चाईबासा, एजेंसी।** चाईबासा स्थित परिसदन में झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य विकास दोदराजका द्वारा सभी बाल अधिकार एवं संरक्षण से संबंधित विभागों तथा गैर सरकारी संगठनों के साथ जिला में सरकार द्वारा बच्चों के अधिकारों एवं कानूनों के बारे विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने मुख्य रूप से जिला की कार्य प्रगति एवं जिला की आवश्यकता के बारे में संबंधित जानकारी प्राप्त की। उन्होंने शिक्षा विभाग द्वारा प्रखंड स्तर पर ड्रॉप आउट बच्चों की सूची तैयार करने तथा शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत जल्द से जल्द ऐसे बच्चों को विद्यालय में नामांकन प्रक्रिया पूर्ण करने का निदेश दिया।

बैठक में स्वास्थ्य विभाग द्वारा चल रहे एमटीसी सेंटर के बारे में चर्चा की तथा बाल कल्याण समिति से प्राप्त परित्याग वाले बच्चों की देखभाल के लिए विशेष ध्यान रखने की बात कही। साथ ही बाल देखरेख संस्थानों तथा विधि के संपर्क में आये बच्चों का मासिक हेल्थ कैम्प बाल गृहों में लगाने के लिए निर्देश दिये। बैठक में बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य द्वारा कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में जरूरतमंद एवं देखभाल करने वाले बच्चों के लिए विशेष सीट आरक्षित करने पर चर्चा की। सदस्य द्वारा जिला में बाल संरक्षण मुद्दों पर जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी को जिला की योजना तैयार करने तथा बाल संरक्षण समिति की तिमाही बैठक के लिए निर्देश दिये। उन्होंने जिला को बालश्रम मुक्त करने के लिये श्रम अधीक्षक को संबंधित विभागों से समन्वय के साथ विभिन्न स्थानों पर बाल मजदूरों को रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर मुक्त कर ऐसे नियोक्ताओं को कानून के तहत प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर कार्यवाई करने को कहा। बैठक के उपरांत उन्होंने जिला बाल संरक्षण ईकाई के स्पॉन्सरशिप एवं फोस्टरकेयर के प्रगति का अधतन किया। इस बैठक में टाटा स्टील फाउंडेशन मेगा स्किल प्रशिक्षण के निदेशक द्वारा बताया गया कि 18 वर्ष से ऊपर आयु वर्ग के लिये टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा विकास भवन स्थित परिसर में जॉब ओरियेंटेड प्रशिक्षण द्वारा जरूरतमन्द बच्चों के लिए विभिन्न ट्रेड में नामांकन कर प्रशिक्षित किया जाता है। बैठक में बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य, किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य, पुलिस विभाग के उपाधीक्षक, श्रम विभाग के श्रम अधीक्षक, शिक्षा विभाग के समन्वयक, स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी, जिला बाल संरक्षण ईकाई कर्मी, छाया बालिका गृह के गृहपति, यूनिसेफ के सोशल मोबिलाइज़र, चाइल्ड लाइन के कर्मी, टाटा स्टील फाउंडेशन के समन्वयक,अस्पायर संस्था के निदेशक एवं अन्य विभागों के कर्मी उपस्थित थे।

# नौकरी देने के नाम पर लाखों की ठगी, ग्रामीणों को चकमा देकर भागा पास्टर, आरोपी लड़ चुका है

**गुमला, एजेंसी।** झारखंड बचाओ ग्राम सभा समिति के संचालक और खूंटी संसदीय क्षेत्र से लोकसभा चुनाव के प्रत्याशी रहे पास्टर संजय कुमार तिर्की ने गुमला जिला के कुरुमगढ़ थाना क्षेत्र के नक्सल प्रभावित उरु और आस-पास के गांवों के तीन सौ से अधिक युवाओं को स्थायी नौकरी देने के नाम पर चूना लगाया है।

ठगी का यह काम पिछले पिछले दिसंबर 2023 में ही किया गया है। ज्ञात हो कि पास्टर संजय खूंटी जिला में तोरपा थाना क्षेत्र के काटी बेलटोली का रहने वाला है। दिसंबर माह में उरु गांव में झारखंड बचाओ ग्राम विकास समिति के नाम से कार्यालय खोला और ग्रामीणों को जानकारी दी कि इस क्षेत्र में लगभग 600 करोड रुपए की लागत से मॉल पार्क का निर्माण होना है।

योजना का उद्देश्य अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार से जोड़ना है। पद के अनुरूप वेतन निर्धारित होगा। गांव के लोग पास्टर के झांसे में आ गए और तीन सौ से अधिक युवाओं ने पंजीयन के नाम पर प्रति व्यक्ति 170 रुपये और यूनिफार्म के नाम पर प्रति व्यक्ति सात हजार रुपये जमा किए। छह माह बीत गया।

कार्यालय में काम करने तथा पंजीयन को यूनिफार्म के लिए पैसा जमा करने वाले युवकों को को अब तक एक भी रुपया नहीं मिला है।पिछले आठ जून को पास्टर संजय उरू गांव आया था तभी ग्रामीणों ने उसका घेराव किया और काम के बदले पैसे की मांग की।

ग्रामीणों को चकमा देकर पास्टर भाग गया। पैसा भुगतान करने में टाल मटोल करने तथा एकाउंटेंट सपना लकड़ा व अन्य कर्मचारियों पर कार्यालय में लगे प्रिंटर व अन्य सामग्री की चोरी का आरोप लगाने के बाद ग्रामीणों को ठगी का अहसास होने लगा। सपना लकड़ा,अंकित कुजुर,माइकेल तिग्गा,भूषण तिग्गा, आशिक टोप्पो, रजत तिर्की ने पास्टर पर ठगी का आरोप लगाया है।

झामुमो के जिला उपाध्यक्ष सह बेंदोरा पंचायत के मुखिया सुशील दीपक मिंज ने कहा कि क्षेत्र के गरीब आदिवासी किसान वर्ग के लोगों से नौकरी के नाम पर ठगी करने की जानकारी मिली है। ठगने वाले एनजीओ व संचालक पर लगे आरोप को गंभीरता से लिया जाएगा और गरीबों के पेसा वापस कराने के दिशा में काम होगा।

इस संबंध में झारखंड बचाओ ग्राम सभा समिति के संचालक पास्टर संजय कुमार तिर्की ने फोन पर बताया कि वे लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी थे। जिस कारण से कर्मियों को वेतन नहीं दिया गया है। जल्द ही लोगों का वेतन दिया जाएगा।

## शाह पर टिप्पणी मामले में एमपी-एमएलए कोट में हुई सुनवाई, सर्विस रिपोर्ट जमा नहीं करने पर मिली अगली तारीख

**रांची, एजेंसी।** गृहमंत्री अमित शाह पर टिप्पणी मामले में एमपी एमएलए कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट की ओर से जारी किए गए समन पर सर्विस रिपोर्ट जमा नहीं किए जाने की वजह से अदालत ने एक और तारीख देने की बात कही है। अगली तारीख में अगर राहुल गांधी का जवाब नहीं आता है तो फिर नोटिस जारी किया जाएगा। इस मामले में अगली तारीख अभी निर्धारित नहीं की गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को आज रांची के एमपी-एमएलए कोर्ट में हाजिर होना था। 21 मई को एमपी-एमएलए के विशेष न्यायधीश सार्थक शर्मा की अदालत में सुनवाई हुई थी। सुनवाई के दौरान विशेष न्यायधीश ने उन्हें समन जारी था और 11 जून को अदालत में हाजिर होने का निर्देश दिया था।

राहुल गांधी की ओर से कोर्ट से जारी समन को झारखंड हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी, जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था। इसके बाद एमपी-एमएलए कोर्ट ने राहुल गांधी को फिर से समन जारी किया था।

दिल्ली में साल 2018 में अधिवेशन हुआ था। इस अधिवेशन को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा था कि भाजपा में हत्या का आरोपी भी अध्यक्ष बन सकता है, लेकिन कांग्रेस में ऐसा नहीं हो सकता है। इसको लेकर चाईबासा कोर्ट में भी शिकायत दर्ज कराई गई थी।

झारखंड हाईकोर्ट ने पूर्व में राहुल गांधी पर 1000 रुपए का जुर्माना भी लगा चुका है। ये जुर्माना अदालत में जवाब दाखिल करने में देरी के कारण लगाया गया। दरअसल, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का मामला चाईबासा सिविल कोर्ट में चल रहा है, जिसे निरस्त करने के लिए उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इसी को लेकर अदालत ने जवाब मांगा था, जिसे नहीं देने पर कोर्ट ने जुर्माना लगाया।

## झारखंड में इस सांसद की हुई सबसे बड़ी जीत, मोदी 3.0 कैबिनेट में मिली बड़ी जिम्मेदारी, पति के मौत के बाद रखा था राजनीति में कदम

**कोडरमा, एजेंसी।** झारखंड में सबसे अधिक मतों के अंतर से 2024 का लोकसभा चुनाव जीतने वाली कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार में दूसरी बार मंत्री बनी हैं। इनके पूरे 25 वर्षों के राजनीतिक जीवन में 5 वर्ष को छोड़ दिया जाए तो बाकी के 20 वर्ष में अधिकतर समय सत्ता के केंद्र में रहीं। वर्ष 1998 में पति रमेश प्रसाद यादव की मौत के बाद एक गृहिणी से राजनीति में कदम रखने वाली अन्नपूर्णा देवी आज देश की राजनीति में एक नामचीन हस्ती बन चुकी हैं। केंद्रीय कैबिनेट में शामिल होने वाली अन्नपूर्णा देवी कोडरमा लोकसभा की पहली प्रतिनिधि हैं।

वह नरेंद्र मोदी 2.0 कैबिनेट में शिक्षा राज्यमंत्री रहीं। पुनः नरेन्द्र मोदी सरकार 3.0 में भी उन्हें मंत्रिमंडल में जगह मिली। अन्नपूर्णा देवी के पति रमेश प्रसाद यादव एकीकृत बिहार में राबड़ी देवी सरकार में खान एवं भूतत्व राज्य मंत्री रहे थे। वर्ष 1998 में रमेश प्रसाद यादव की मौत के बाद उन्होंने गृहिणी से राजनीति में कदम रखा। वह 1998 में कोडरमा विधानसभा उप चुनाव में जीत कर पहली बार विधायक बनीं। पुनः 2000 के आम चुनाव में दूसरी बार कोडरमा से जीत दर्ज कीं।इसके बाद उन्हें बिहार की राबड़ी देवी सरकार में खान एवं भूतत्व राज्य मंत्री का पद मिला। नवंबर, 2000 में झारखंड अलग राज्य के रूप में अस्तित्व में आने के बाद झारखंड में संख्या बल के आधार पर भाजपा की सरकार बनी तो अन्नपूर्णा देवी को मंत्री पद छोड़ना पड़ा।

इसके बाद वह 2005 और 2009 का विधानसभा चुनाव राजद के टिकट पर जीतीं। 2013 में करीब डेढ़ वर्षों तक हेमंत सोरेन की सरकार में जल संसाधन, निबंधन, महिला एवं बाल विकास जैसे महत्वपूर्ण विभागों की मंत्री रहीं। 2014 में उनके राजनीतिक जीवन में पहला झटका लगा और इस चुनाव में वह भाजपा की नीरा यादव से हार गईं।

# मारवाड़ी कॉलेज में इस माह 300 रिक्तियों साथ आ रहे 5 कंपनियों के कैंपस ड्राइव

**रांची, एजेंसी।** मारवाड़ी कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है। जून में प्लेसमेंट सेल की ओर से कॉलेज में पांच कंपनियों का प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित होने जा रहा है। इसमें 300 से अधिक रिक्तियों के लिए भर्ती प्रक्रिया होगी। जो कंपनियां आ रही हैं, उनमें- वेदांता, स्पार्क प्लैनेट, माइका एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, यस बैंक और इंडिया मार्ट शामिल हैं।

सबसे पहले वेदांता ग्रुप का कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव 12 जून को आयोजित होगा। इसमें गणित/भौतिकी/रसायन विज्ञान (उत्तीर्ण वर्ष 2024) के विद्यार्थियों को मौका मिलेगा। ड्राइव ऑनलाइन मोड में होगा। अभ्यर्थियों का लिखित परीक्षा देनी होगी। चयनित अभ्यर्थियों को ऑफलाइन साक्षात्मकार में शामिल होने का मौका मिलेगा। प्लेसमेंट सेल को इसके लिए 140 आवेदन मिले, 70 योग्य पाए गए जो ऑनलाइन परीक्षा में शामिल होंगे।

वेदांता में 150 से अधिक रिक्तियों के लिए चयन होगा। चयनित विद्यार्थियों को बतौर ग्रेजुएट ट्रेनी, काम करने का मौका मिलेगा। सीटीसी-4.65 लाख रुपये प्रतिवर्ष (आवास और भोजन कंपनी से मिलेगा) के साथ 2-3 वर्ष नौकरी के बाद आईआईएम से एमबीए करने का भी मौका मिलेगा। वेदांता के पिछले कैंपस ड्राइव में मारवाड़ी कॉलेज के 35 विद्यार्थियों का ग्रेजुएट ट्रेनी में चयन हुआ था। सभी वर्तमान में कंपनी में कार्यरत हैं। इसके बाद स्पार्क प्लैनेट का कैंपस ड्राइव आयोजित होगा। इसमें बीसीए, एमसीए और आईटी के विद्यार्थी हिस्सा ले सकेंगे। चयनित विद्यार्थियों की नियुक्ति योग्यतानुसार कंप्यूटर टीचर और सॉफ्टवेयर इंटर्न पद पर की जाएगी। इसमें 10 से अधिक रिक्तियां हैं।

14 जून को यस बैंक का प्लेसमेंट ड्राइव होगा। किसी भी संकाय के विद्यार्थी इसमें हिस्सा ले सकेंगे। उम्र 27 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। चयनित विद्यार्थियों को पहले सशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा, इसके बाद उन्हें नियुक्ति मिलेगी। चयनित होने पर अभ्यर्थी को प्रशिक्षण शुल्क- 29,500 रुपये यस बैंक को देना होगा, इसमें मारवाड़ी कॉलेज की कोई भूमिका नहीं रहेगी। इससे पहले मारवाड़ी कॉलेज में यस बैंक का प्री-प्लेसमेंट टॉक 13 जून को आयोजित हुआ था। वहीं, 18-21 जून के बीच माइका एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड का कैंपस ड्राइव कंप्यूटर टीचर और सॉफ्टवेयर इंटर्न पदों पर भर्ती के लिए होने जा रहा है। इसमें 20 से अधिक रिक्तियां हैं, जिसमें बीसीए, एमसीए और आईटी के विद्यार्थी हिस्सा ले सकेंगे।

इंडिया मार्ट का कैंपस ड्राइव इसी हफ्ते होगा। इसमें सिर्फ एमबीए के विद्यार्थी हिस्सा ले सकेंगे। चयनित की नियुक्ति प्रस्तावित पद कार्यकारी- ग्राहक सेवा पर की जाएगी। अभ्यर्थियों के लिए एबीएम के अलावा स्नातक में न्यूतम 55 प्रतिशत या अधिक प्राप्तांक और 10वीं-12वीं में 70 प्रतिशत या अधिक प्राप्तांक होना अनिवार्य है। यह ड्राइव सिर्फ छात्रों के लिए है। वार्षिक पैकेज 4 लाख रुपये होगा।

प्लेसमेंट में अव्वल मारवाड़ी कॉलेज

रांची विश्वविद्यालय के अंतर्गत जितने भी अंगीभूत, संबद्ध और अल्पसंख्यक कॉलेज हैं, उनमें विद्यार्थियों के प्लेसमेंट के मामले में मारवाड़ी कॉलेज अव्वल है। वर्ष 2022-23 के दौरान कॉलेज में 25 से अधिक कंपनियां कैंपस ड्राइव के लिए आईं और इनमें 450 से अधिक विद्यार्थियों को प्लेसमेंट मिला। कॉलेज में विप्रो, टीसीएस, पीरामल फाउंडेशन, एक्सेंचर, कॉग्नीजेंट, इंफोसिस, कैपजेमिनी, सैप, बजाज एलायंज, आदित्य बिड़ला ग्रुप, एचडीएफसी बैंक, बंधन बैंक, आईसीआईसीआई बैंक आदि बड़ी कंपनियों के कैंपस ड्राइव हुए हैं। पिछले दिनों कॉलेज में गुजरात की कंपनी इंटरनेशनल अकाउंट का कैंपस ड्राइव 10 पदों के लिए हुआ। कॉलेज के प्लेसमेंट सेल सहायक अनुभव चक्रवर्ती ने बताया कि विद्यार्थियों को प्रथम वर्ष से ही प्लेसमेंट ड्राइव के लिए तैयार किया जाता है, ताकि वे अंतिम वर्ष तक पूरी योग्यता के साथ इनमें हिस्सा ले सकें।

## जैनामोड़ पेयजलापूर्ति योजना शुरू नहीं होने पर विरोध प्रदर्शन

**जैनामोड़, एजेंसी।** जैनामोड़- फुसरो मुख्य मार्ग में खुटरी स्थित जैनामोड़ ग्रामीण पेयजलापूर्ति पिछले कई दिनो से बंद होने से भीषम गर्म में चास के दो तथा जरीडीह के आठ पंचायतो में पेयजल को लेकर हहाकर मचा हुआ है। सोमवार को जैनामोड चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष संजय सिंह के अगुवाई मे पानी टंकी के समीप पहुँचकर सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया। श्री सिंह ने कहा कि आज तो संवेदक एव पेयजलापूर्ति विभाग को चेतावनी के रूप मे सांकेतिक विरोध दर्ज करवया है। अगर विभाग अविलम्ब दो दिनो के अन्दर दस पंचायतो मे पेयजलापूर्ति शुरू नही किया गया। तो पानी टंकी के समीप जोरदार ताला बन्दी कर अनिश्चित कालीन धरना पर पूरे क्षेत्र की महिला- पुरुषो के साथ बैठने के बाध्य होगें। कार्यक्रम के दौरान किसी भी अनहोनी घटना के लिये सेंवेदक एवं पेयजल विभाग जिम्मेवार होगा । उन्होंने कहा कि पानी टंकी के फेज टू के निर्माण मे घटिया सामग्री का उपयोग , तय प्राक्कलन मानक के विरुद्ध किये गये निमार्ण कार्यो का जाँच टीम गठित कर जांच आदि की मांग शामिल है। मौके पर कमल किशोर सिंह, पुनित कर्मकार % पूर्व मुखिया मंतोष सोरेन , नन्दकिशोर किस्कू, बालेश्वर मांझी, नवीन गर्ग % देवेन्द्र प्रसाद , अशोक यादव , रामू वर्णवाल , महेन्द्र प्रसाद , निलू कुमार , निर्मल कुमार , संजय कुमार , रंजीत महतो, माथुर सिंहं , हाकिम सिंह , आदि उपस्थित थे ।

## संक्षिप्त समाचार

### मोदी सरकार की वापसी का जश्न मनाने पर मारे चाकू, पांच लोगों को किया अरेस्ट

**बेंगलुरु, एजेंसी।** नरेंद्र मोदी सरकार की वापसी का जश्न मनाकर लौट रहे भाजपा के दो कार्यकर्ताओं पर कर्नाटक के मंगलुरू में 5 लोगों ने हमला बोल दिया। इन लोगों ने भाजपा कार्यकर्ताओं को चाकू से गोद डाला, जो फिलहाल अस्पताल में एडमिट हैं। इनमें से एक खतरे से बाहर है, जबकि दूसरे का ऑपरेशन होना है। पुलिस कमिश्नर अनुपम अग्रवाल ने बताया कि इस घटना में 41 साल के हर्ष और 24 साल के नंदकुमार पर हमला हुआ था। दोनों मोदी सरकार की वापसी के मौके पर आयोजित एक विजय जुलूस में हिस्सा लेने गए थे और वहीं से लौट रहे थे। दूसरे पक्ष ने आरोप लगाया है कि इन लोगों ने धार्मिक स्थल के बाहर नारेबाजी की थी, जिसके बाद उनसे भिड़ंत हो गई। भाजपा कार्यकर्ताओं पर चाकू से हमला बोलने के आरोप में मोहम्मद शाकिर, अब्दुल रज्जाक, अबू बकर सिद्दीकी, सवाद और हफीज को अरेस्ट किया गया है। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि यह विवाद एक बार के बाहर हुआ था। यहां 20 से 25 बाइक सवार युवकों ने भाजपा कार्यकर्ताओं का पीछा किया था। उन दोनों भाजपा वर्कर्स पर आरोप था कि उन्होंने नारेबाजी की थी। पुलिस ने इस मामले में मस्जिद से जुड़े पीके अब्दुल्ला की अर्जी पर केस दर्ज किया है। अब्दुल्ला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि पीटे गए भाजपा कार्यकर्ता उकसाने वाले नारे लगा रहे थे। इसके अलावा वहां बाहर खड़े लोगों को गालियां भी दी थीं। इस मामले से सांप्रदायिक लिहाज से संवेदनशील कर्नाटक में नया विवाद छिड़ सकता है। फिलहाल कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है और भाजपा आरोप लगाती रही है कि वह मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति करती है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में 240 सीटें जीतने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने फिर से एनडीए के घटक दलों के समर्थन से सरकार बनाई है और रविवार को पूरे मंत्री परिषद के साथ शपथ भी ग्रहण कर ली है।

### केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने ठुकरा दिया राज्य सरकार का न्योता

**तिरुअनंतपुरम, एजेंसी।** केरल में पिनाराई विजयन की सरकार और राज्यपाल के बीच तनातनी लंबे समय से चल रही है। इसी बीच केरल सरकार ने जब लोक केरल सभा के उद्घाटन के लिए राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को आमंत्रित किया तो उन्होंने कार्यक्रम में शामिल होने से साफ इनकार कर दिया। बता दें कि तीन दिन चलने वाली लोक केरल सभा दुनियाभर के केरलाइट्स का एक कार्यक्रम होता है। चीफ सेक्रेटरी वी वेणु प्रसाद खुद राज्पाल को आमंत्रित करने राजभवन गए थे। बता दें कि कई मामलों को लेकर केरल की सरकार और राज्यपाल में मतभेद देखने को मिलता है। वहीं खान ने चीफ सेक्रेटरी से कहा कि सीपीआई (एम) के नेता उनपर निराधार आरोप लगाते रहते हैं। वहीं सार्जनिक जगहों पर भी उनके छात्र और युवा ऐक्टिविस्ट उनका रास्ता रोकने लगते हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक जब मंत्रियों ने खुले आम प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया तो उससे उन्हें बहुत दुख पहुंचा। मीटिंग के दौरान राज्यपाल ने कहा कि आखिर सरकार इस तरह से अचानक उनके प्रति अपना रवैया क्यों बदल रही है। इसके बाद उन्होंने कार्यक्रम में आने से इनकार कर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि पहले भी कई कार्यक्रम कराए गए जिनमें उन्हें आमंत्रित नहीं किया गया था। बता दें कि केरल विधानभवन में ही दुनियाभर के केरलाइट्स के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। यह 13 से 15 जून तक चलेगा। बता दें कि बीते साल दिसंबर में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान भारतीय उद्योग के कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। तभी रास्ते में एसएफआई के कार्यक्रातओं ने उन्हें काले झंडे दिखाए। केरल राज्यपाल ने कहा था कि यह इस तरह की पांचवीं घटना है। उन्होंने कहा था कि झंडों को रॉड में लगाया गया था।

# लोकसभा रिजल्ट आते ही अजित पवार के बदले बोल ! चाचा शरद पवार की तारीफ

### कहा- विचारधारा नहीं बदली

**महाराष्ट्र, एजेंसी।** लोकसभा चुनाव के नतीजे आ गए हैं और नई सरकार का गठन भी हो चुका है। महाराष्ट्र में अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार से बीते साल ही बगावत कर ली थी और अपनी नई पार्टी बनाकर चुनाव में उतरे थे। उनके दल को महाराष्ट्र में एक सीट पर ही जीत मिली थी। इसके अलावा बारामती लोकसभा सीट पर अजित पवार की पत्नी सुनेत्र को सुप्रिया सुले के मुकाबले हार का सामना करना पड़ा। इन नतीजों को अजित पवार के लिए झटके के तौर पर देखा जा रहा है, जो भाजपा और एकनाथ शिंदे गुट के साथ गठबंधन सरकार में डिप्टी सीएम हैं।

इस बीच नतीजों के बाद अजित पवार के बोल बदलते दिख रहे हैं। उन्होंने सोमवार को एनसीपी के 25 साल पूरे होने के मौके पर शरद पवार की तारीफ की। अजित पवार ने कहा, शरद पवार ने सोनिया गांधी के विदेशी मूल के मुद्दे पर अलग होकर नई पार्टी का गठन किया था। वह तब से ही पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं और हमारे संगठन को दिशा दे रहे हैं। जून 2023 में शरद पवार से अलग होने के बाद से ऐसा पहली बार है, जब अजित पवार ने उनकी तारीफ की है। अजित पवार की ओर से ऐसे वक्त में तारीफ किया जाना कयासों को जन्म दे रहा है, जब उनके गुट को महज एक लोकसभा सीट मिली। वहीं शरद पवार खेमे ने 10 पर जीत हासिल की है।

इस मौके पर अजित पवार ने एनडीए के साथ अपने रिश्तों और मोदी सरकार में मंत्री पद न लेने पर भी सफाई दी। उन्होंने कहा, हमारा कहना था कि प्रफुल्ल पटेल पहले भी कैबिनेट मिनिस्टर रहे हैं। ऐसे में वह राज्य मंत्री क्यों बनेंगे। हमने इस बार में भाजपा की लीडरशिप को बता दिया है। हम कुछ समय इंतजार करेंगे और एनडीए में ही बने रहेंगे। इसके अलावा 15 अगस्त से पहले तक ही हमारी राज्यसभा में एक बजाय तीन सीटें हो जाएंगी। वहीं भाजपा सूत्रों का कहना है कि अजित पवार को नेतृत्व ने कह दिया था कि 7 सीटें जीतने वाले एकनाथ शिंदे गुट को एक राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार का ही पद मिला है। इसलिए एक सीट वाले आपके दल के लिए यह ऑफर ठीक है। अजित पवार ने यह भी साफ किया कि भले ही वह भाजपा और एकनाथ शिंदे सेना के साथ हैं, लेकिन हमारी विचारधारा में कोई बदलाव नहीं आया है। हमारी विचारधारा वही है। वही राह है, जो महात्मा फुले, भीमराव आंबेडकर और शाहू जी महाराज ने दिखाई थी। एनडीए की ओर से संविधान बदले जाने के सवाल पर अजित पवार ने कहा कि विपक्ष ने गलत नैरेटिव फैलाया था, जिसमें वह सफल रहा।

### दांत साफ कर रहे बच्चे की भाई ने ऐसे थपथपाई पीठ, गले में फंस गया ब्रश; मची चीख-पुकार

**पुडुचेरी, एजेंसी।** दांत साफ करते समय एक बच्चे के गले में ब्रश फंस गया। दर्द के मारे बच्चे की चीख-पुकार मच गई। हालत और बिगड़ने लगी तो घरवाले उसे अस्पताल ले गए। बच्चे की जान बचाने के लिए डॉक्टरों को उसकी सर्जरी करनी पड़ी। डॉक्टरों ने बताया कि अगर समय रहते सर्जरी नहीं होती तो सांस न ले पाने के कारण उसकी मौत भी हो सकती थी। डॉक्टरों ने उसी दिन गले का ऑपरेशन करके उसे अस्पताल से भी छुट्टी दे दी। पुडुचेरी का सरकारी अस्पताल महात्मा गांधी पोस्ट ग्रेचुएट इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइसेंज (एमजीपीजीआईडीएस)के डॉक्टरों ने किशोर की जान बचाई। डॉक्टरों की टीम ने 14 वर्षीय लड़के के गले में फंसा टूथब्रश निकाला है। 45 मिनट के कठिन ऑपरेशन के बाद अस्पताल ने बच्चे को उसी दिन डिस्चार्ज भी दे दिया। हालांकि डॉक्टरों का कहना था कि ऑपरेशन इतना आसान नहीं था।

लड़के की पहचान विल्लुपुरम जिले के किलियानूर के किसान सुरेश के बेटे एस दीबेश के रूप में हुई है। उसे शनिवार की सुबह तब अस्पताल में भर्ती किया गया, जब डॉक्टरों को जानकारी हुई कि उसके गले में ब्रश फंस गया है। जानकारी के अनुसार, दीबेश अपने भाई के साथ ब्रश कर रहा था। तभी खेल-खेल में उसके भाई ने उसकी पीठ जोर से थपथपा दी। इससे हुआ यूं कि दीबेश के हाथ से ब्रश की पकड़ ढीली हुई और ब्रश उसके गले के अंदर जाकर फंस गया। मारे दर्द के दीबेश की चीख निकलने लगी। जब उसके घरवालों को यह जानकारी मालूम हुई तो उन्होंने उसे तुरंत अस्पताल ले जाने का फैसला लिया।

### अपमानित नहीं होना चाहता, नहीं लड़ूंगा जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव- उमर अब्दुल्ला

**जम्मू कश्मीर, एजेंसी।** लोकसभा चुनाव 2024 में जम्मू कश्मीर की बारामूला सीट से करारी हार मिलने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला के लिए राज्य विधानसभा चुनाव का विकल्प है। लेकिन, उन्होंने यह कहते हुए चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया कि वे केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव जीतकर विधानसभा की सीढ़ियां नहीं चढ़ना चाहते, क्योंकि वह खुद को अपमानित नहीं करना चाहते हैं। उनका कहना है कि वह भले ही चुनाव न लड़ें लेकिन, पार्टी के चुनावी अभियान का नेतृत्व जरूर करेंगे। जेल में बंद शेख अब्दुल रशीद उर्फ ??इंजीनियर रशीद से बारामूला लोकसभा चुनाव हारने को उमर अब्दुल्ला परेशान करने वाली बात नहीं मानते। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि चुनावी राजनीति में हार के लिए भी तैयार रहना पड़ता है। अगर आप इस तथ्य को अलग रखें कि मैं हार गया, तो कुल मिलाकर मुझे लगता है कि हमारी पार्टी नेशनल कॉफ्रेंस के पास संतुष्ट होने के लिए बहुत कुछ है। जहां तक मेरी अपनी सीट का सवाल है, मैं निराश होने के अलावा और क्या कर सकता हूं? लेकिन यह चुनावी राजनीति है। अगर आप हारने के लिए तैयार नहीं हैं, तो आपको अपना पर्चा दाखिल नहीं करना चाहिए। मैं यह नहीं कह सकता कि परिणाम उम्मीदों के अनुसार था।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि वह जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पार्टी के प्रचार अभियान का नेतृत्व करेंगे। उमर ने कहा, मैं हमारे राज्य का दर्जा वापस पाने के लिए लड़ूंगा। मैं जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किए जाने के लिए लड़ूंगा। फिर, अगर संभव हुआ तो मैं विधानसभा में प्रवेश करने और वहां अपनी भूमिका निभाने का अवसर तलाशूंगा। लेकिन, मैं केंद्र शासित प्रदेश की विधानसभा में प्रवेश करके खुद को अपमानित नहीं करूंगा। गौरतलब है कि 2019 में, केंद्र सरकार ने तत्कालीन जम्मू और कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त कर दिया था और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों - जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया था।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 में जिस तरह भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं मिला है, इससे वह आशांवित हैं कि जम्मू कश्मीर राज्य को एक बार फिर विशेष राज्य का दर्जा मिल सकता है। विधानसभा चुनावों के संचालन पर अब्दुल्ला ने कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट ने 30 सितंबर तक चुनाव कराने का निर्देश नहीं दिया होता तो उन्हें इतनी उम्मीद नहीं होती। उन्होंने कहा, अगर भाजपा अल्पमत सरकार या केंद्र में गठबंधन सरकार में तब्दील नहीं होती, तब भी मुझे विधानसभा चुनाव और राज्य के दर्जे की इतनी उम्मीद नहीं होती। चुनाव इसलिए नहीं हो रहे हैं क्योंकि भाजपा चुनाव चाहती है।

### डॉक्टर की लग्जरी कार से शराब तस्करी, तीन गिरफ्तार

**मुजफ्फरपुर, एजेंसी।** मुजफ्फरपुर मध निषेध की पुलिस ने दो लग्जरी कार में यूपी के शराब के साथ तीन शातिर शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। लग्जरी कार पर डॉक्टर का स्टिकर लगा कर शराब की तस्करी कर रहा था।द टीम को गुप्त सूचना मिली कि कुछ शराब तस्कर जिले के पारू थाना क्षेत्र में लालू छपरा गांव में विदेशी शराब को कार में लादकर पताही ले जा रहे है। टीम लालू छपरा गांव में छापेमारी करने पहुंची। जहां पुलिस टीम ने दो लग्जरी कार से 45 कार्टन शराब बरामद की। मौके से तीन शराब तस्कर को गिरफ्तार किया। एक कार का नंबर प्लेट बंगाल और एक कार पर डॉक्टर लिखा हुआ है।

**मोहमदपुरखाजा गांव के रहने वाले हैं बदमाश :** दो तस्कर की पहचान करजा थाना क्षेत्र मोहमदपुरखाजा गांव निवासी के रूप में हुई है। मध निषेध की इंस्पेक्टर शिबेंद्र कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने पारू थाना क्षेत्र लालू छपरा में कार्रवाई की। दो लग्जरी कार से शराब की खेप लेकर पहुंचे तीन लोग पकड़े गए।

### तेरहवीं के दिन जिंदा घर लौटा युवक, मरा समझ परिवार ने कर दिया था अंतिम संस्कार

**श्योपुर , एजेंसी।** मध्य प्रदेश के श्योपुर में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। यहं एक व्यक्ति को उसके परिवार द्वारा मरा हुआ समझ अंतिम संस्कार करने के बाद तेरहवीं की रस्म वाले दिन पहले वह जीवित घर लौट आया। अब यह बात पूरे गांव में चर्चा का विषय बन गई है।

दरअसल, हाल ही में राजस्थान के सवाई माधोपुर के पास सूरवाल में हुए एक हादसे की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी, जिसमें घायलों की शिनाख्त की अपील की गई थी। इस फोटो को देख, मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले के लाहचोड़ा गांव के एक परिवार ने घायल व्यक्ति की पहचान सुरेंद्र शर्मा के रूप में की और उसे जयपुर ले गए, जहां उसे इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। जयपुर में डॉक्टरों ने परिवार को बताया कि इलाज के दौरान सुरेंद्र की मौत हो गई है। थाना प्रभारी लाल बहादुर मीना ने बताया कि परिवार ने शुरुआत में हादसे में मरने वाले व्यक्ति की

पहचान सुरेंद्र के रूप में की थी। पोस्टमॉर्टम के बाद शव उन्हें सौंप दिया गया। शव का अंतिम संस्कार 28 मई को किया गया। परिवार जब सुरेंद्र की तेरहवीं के दिन की रस्मों की तैयारी कर रहा था, तभी उन्हें एक दिन पहले सुरेंद्र का फोन आया। शुरू में उन्हें लगा कि यह कोई मजाक है, लेकिन उसके भाई ने सुरेंद्र से वीडियो कॉल के जरिये पुष्टि करने को कहा। वीडियो कॉल पर जब उन्होंने सुरेंद्र को जिंदा देखा, तो उन्होंने उसे तुरंत घर लौटने के लिए कहा और तेरहवीं की सभी तैयारियां बंद कर दीं। यह भ्रम तब शुरू हुआ जब सुरवाल में एक व्यक्ति की दुर्घटना में मृत्यु हो गई। श्योपुर में एक सड़क किनारे के रेस्तरां का एक खाद्य बिल उसकी जेब से मिला, जिससे सुरवाल पुलिस को दुर्घटना में मरने वाले व्यक्ति की पहचान करने में मदद मिली। सोशल वर्कर बिहारी सिंह सोलंकी ने सोशल मीडिया पर मृतक की फोटो पोस्ट की, जिसमें सुरेंद्र के परिवार ने गलती से उसे सुरेंद्र के रूप में पहचान लिया और उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया। सुरेंद्र की मां कृष्णा देवी ने बताया कि परिवार ने एक अज्ञात शव की पहचान सुरेंद्र के रूप में की और सभी अनुष्ठान भी कर दिए। उन्होंने कहा कि उनके पास जब सुरेंद्र का फोन आया, तो उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ।

### हमारे नेताओं को अपने गांव में ही वोट नहीं मिले- डीके शिवकुमार

**बेंगलुरु, एजेंसी।** लोकसभा चुनाव में 99 सीट लाकर दूसरे नंबर पर रही कांग्रेस पार्टी के आंकड़ों पर राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे समेत दिग्गज नेता भले ही खुश हों लेकिन, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि परिणाम कांग्रेस के लिए खतरे की घंटी है। हमारे नेताओं को अपने गांवों में भी वोट नहीं मिले। कर्नाटक में सत्ता पर होने के बावजूद कांग्रेस के खाते में 28 में से सिर्फ 9 सीटें आई। डीके ने आगे कहा कि सुधार और आत्ममंथन की आवश्यकता है। हालिया संपन्न हुए आम चुनाव के परिणामों को चेतावनी की घंटी बताते हुए डीके शिवकुमार ने कहा कि सुधार की बहुत आवश्यकता है। अफने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा, हम सभी नेताओं के साथ समीक्षा बैठकें करेंगे। यह आत्मनिरीक्षण करने और सुधार करने का समय है। परिणाम हमारे लिए खतरे की घंटी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य भर के निर्वाचन क्षेत्रों के लिए समीक्षा बैठकों की योजना बनाई गई है। उन्होंने कहा कि इन बैठकों की तारीखों की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश के नतीजों पर शिवकुमार ने कहा, हमें 14-15 सीटें जीतने का भरोसा था, लेकिन हम इन आंकड़ों को हासिल करने में विफल रहे। हमें लोगों के फैसले को स्वीकार करना होगा। पार्टी के नेताओं को अपने ही गांव-कस्बों से वोट नहीं मिले, यह चिंता की बात है। शिवकुमार ने कहा, किसी ने भी मुझसे इसकी शिकायत नहीं की है। आरोप-प्रत्यारोप का कोई मतलब नहीं है। जो नेता निर्वाचन क्षेत्रों के प्रभारी हैं, उन्हें पार्टी कार्यकर्ताओं से बात करनी चाहिए, कारणों की जांच करनी चाहिए। उन्होंने विधायक बसवराज शिवगंगा के एक बयान का जिक्र करते हुए सलाह दी कि विधायकों को अनावश्यक रूप से सार्वजनिक रूप से बयान जारी नहीं करना चाहिए।

### साढ़े तीन लाख कमाई वाले वीडीओ ने साढ़े तीन करोड़ किए खर्च, अब आय से अधिक संपत्ति का केस

**गोरखपुर, एजेंसी।** आमदनी अठन्नी खर्चा रुपइया% की नसीहत को पीछे छोड़ते हुए गोरखपुर में तैनात रहे एक ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ) ने शाहखर्ची की हद कर दी है। विजलेंस ने वीडीओ के पद से बर्खास्त किए जा चुके रामफेर यादव उर्फ अंशुल यादव के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का केस दर्ज किया है। आरोपी विशेष खंड गोमतीनगर, लखनऊ का रहने वाला है। शासन के निर्देश पर विजलेंस ने उसके खिलाफ लखनऊ में आय से अधिक संपत्ति होने की जांच की थी। जांच में आरोपों की पुष्टि होने के बाद इसकी रिपोर्ट विजलेंस ने शासन को भेजी थी। अब शासन के निर्देश पर इस मामले में केस दर्ज किया गया है। कमाई 3.68 लाख, खर्चा 3.56 करोड़ पूछताछ में आरोपी रामफेर यादव उर्फ अंशुल यादव ने यह स्वीकार किया था कि लोक सेवक के रुप में काम करते हुए उसने 3,68,106 लाख रुपये आय के रूप में अर्जित की थी। जबकि, इसी दौरान आरोपी की कुल परिसम्पत्ति के अर्जन पर और भरण-पोषण पर किया गया कुल खर्च 3,56,84,264 करोड़ पाया

गया है। जांच के दौरान आरोपी के पास ज्ञात और वैध स्रोतों से अर्जित की गई आय की तुलना में 3,53,16,158 करोड़ रुपये अधिक पाया गया। जांच में नहीं दे सका आय के श्रोतों का हिसाब जांच अफसरों ने जब इन रुपयों के आय का श्रोत आरोपी अफसर से मांगा तो आरोपी रामफेर यादव विजलेंस को कोई संतोषजनक जवाब या स्पष्टीकरण नहीं दे सका। जिसके बाद जांच टीम ने उसे आय से अधिक संपत्ति का दोषी मानते हुए रिपोर्ट शासन को भेज दी। शासन से स्वीकृति के बाद विजलेंस गोरखपुर में आरोपी अफसर के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

# आंदोलनकारी किसानों को मिला ममता बनर्जी का साथ

### खनौरी बॉर्डर पहुंचा टीएमसी प्रतिनिधिमंडल

**खनौरी , एजेंसी।** पंजाब के खनौरी बॉर्डर पर पिछले कई महीनों से अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे पंजाब के किसानों से मिलने सोमवार को तृणमूल कांग्रेस नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल पहुंचा। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी की किसान नेताओं से फोन पर बात भी करवाई। ममता बनर्जी ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि तृणमूल कांग्रेस किसानों के न्याय के लिए हमेशा खड़ी रहेगी। पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में टीएमसी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डेरेक ओ ब्रायन, मोहम्मद नदीमुल हक, डोला सेन, सागरिका घोष और साकेत गोखले शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल में शामिल सागरिका घोष ने बाद में सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट कर यह जानकारी दी।

टीएमसी की राज्यसभा सांसद सागरिका घोष का कहना है कि हम किसानों के साथ खड़े हैं। सागारिका ने कहा कि ममता बनर्जी ने हमेशा किसानों के लिए आंदोलन किया है। उन्होंने कहा कि जब पश्चिम बंगाल के सिंगूर में किसानों की जमीन पर अधिग्रहण हुआ था, उस दौरान ममता बनर्जी ने 26 दिनों तक भूख हड़ताल कर अपनी जान की बाजी लगा दी थी। जब 2020 में बड़ा किसान आंदोलन चला उस समय तृणमूल कांग्रेस पार्टी ने किसान नेताओं से मुलाकात कर बातचीत की थी।

राज्यसभा सांसद ने कहा कि हम हमेशा किसान के साथ थे, हैं और आगे भी रहेंगे। ऐसे में हम किसानों का मुद्दा लगातार उठाते रहेंगे। सागरिका घोष ने कहा कि मोदी सरकार झूठ बोलती है, मोदी सरकार झूठे आश्वासन देती है। किसान हमारे देश का अन्नदाता हैं। हम भोजन करने में सक्षम हैं क्योंकि किसान काम करते हैं, वे हमें खाद्यान्न उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार को किसानों से माफी मांगनी चाहिए। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) के नेता अभिमन्यु कोहर ने कहा कि टीएमसी प्रतिनिधिमंडल एक घंटे के लिए संगरूर जिले के खनौरी में था। उन्होंने फरवरी में हरियाणा के साथ सीमा बिंदु पर पुलिस के साथ हुई झड़प का जिक्र करते हुए कहा कि वे उस स्थान पर गए, जहां ट्रैक्टर क्षतिग्रस्त हुए थे और शुभकरण सिंह को गोली लगी थी। उन्होंने किसानों से बात की। कोहर ने कहा कि बनर्जी ने किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल से बात की। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी कहा कि टीएमसी संसद के मानसून सत्र में न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए कानूनी गारंटी का मुद्दा उठाएगी।

### आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंसर तकनीक से लैस होगा गंगा एक्सप्रेसवे, 2 विदेशी संस्थानों से हुए एमओयू

**मेरठ, एजेंसी।** मेरठ से प्रयागराज तक बन रहे गंगा एक्सप्रेसवे पर एयरो सेंसर तकनीक का इस्तेमाल होगा। साथ ही एआई सेंसर माडयूल लागू होगा। इस विश्वस्तरीय तकनीक का इस्तेमाल करने वाला यूपी पहला राज्य होगा। गंगा एक्सप्रेसवे की इस तकनीक को बाद में अन्य एक्सप्रेसवे पर लागू किया जाएगा। इसके लिए अब ईटीएच ज्यूरिख और आरटीडीटी लेबोटरीज एजी के साथ यूपीडा ने दो अलग-अलग एमओयू किए हैं।

औद्योगिक विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह ने इन समझौता ज्ञापनों को अहम बताते हुए कहा कि इसके तहत किए जाने वाले काम से गंगा एक्सप्रेसवे की गुणवत्ता बेहतर होगी। मार्गों को बेहतर बनाया जाएगा। इस लिहाज से यह गेम चेंजर होगा। उन्होंने कहा कि पायलट प्रोजेक्ट की सफलता के बाद इस तकनीक को अन्य एक्सप्रेसवे पर लागू किया जाएगा। इससे लाखों उपभोक्ताओं को फायदा होगा। इस काम के लिए पिछले साल आईडीसी ने स्विटजरलैंड जाकर इस तकनीक को समझा। बाद में इस तकनीक का मुख्यमंत्री के सामने प्रस्तुतिकरण किया गया। बाद में अधिकारी जर्मनी व स्विटजरलैंड गए जहां के राष्ट्रीय राजमार्गों के संचालन व ट्रैफिक व्यवस्था का अध्ययन किया।

# मेरी आंखों में आंसू थे, पंत को लेकर दिग्गज खिलाड़ी ने किया बड़ा खुलासा

**न्यूयॉर्क**

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत टी20 विश्व कप में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित कर रहे हैं। पंत ने लंबे समय बाद भारतीय टीम में वापसी की है। पंत दिसंबर 2022 में एक कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे जिससे उबरने में उन्हें लंबा समय लगा था। अब पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने पंत को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। शास्त्री ने बताया कि जब उन्होंने पंत के दुर्घटना में घायल होने की खबर पढ़ी तो उनकी आंखों में आंसू आ गए थे।

### पंत को अस्पताल में देखकर काफी बुरा लगा था

शास्त्री ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, %जब मेंने उसकी कार दुर्घटना के बारे में पढ़ा तो मेरी आंखों में आंसू थे। जब मैंने उसे अस्पताल में देखा तो मुझे और भी खराब लग रहा था। वहां से आपका वापसी करना और भारत बनाम पाकिस्तान जैसे बड़े मैच में शीर्ष स्तर पर वापसी करना शानदार है।% पंत 30 दिसंबर 2022 में हुई इस कार दुर्घटना में बाल बाल बचे और गंभीर रूप से घायल हो गए थे। एक साल तक रिहैबिलिटेशन के बाद पंत ने इस साल आईपीएल से पेशेवर क्रिकेट में वापसी की। उन्होंने अमेरिका और वेस्टइंडीज में चल रहे टी20 विश्व कप के लिए इस महीने भारतीय टीम में वापसी की।

### शास्त्री ने की पंत की सराहना

शास्त्री ने कहा, आप बल्लेबाजी में कितने माहिर हो सभी आपके एक्स फैक्टर से वाकिफ हैं। लेकिन आपकी विकेटकीपिंग और वापसी के बाद इतनी जल्दी मूवमेंट हासिल करना इस बात का सबूत है कि आपने इसके लिए कितनी कड़ी मेहनत की है। यह सिर्फ आपके लिए नहीं बल्कि दुनिया भर के लाखों लोगों के लिए प्रेरणा है कि आप कठिन समय से निकलकर जीत हासिल कर सकते हो। बहुत बढ़िया, शानदार। अच्छा काम जारी रखो और आगे बढ़ते रहो। आज सभी बहुत अच्छा खेले।

भारत ने पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में छह रन से हराकर टी20 विश्व कप में अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की थी। पंत ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन किया था और 31 गेंदों पर छह चौकों की मदद से सर्वाधिक 42 रन बनाए थे।

## संक्षिप्त समाचार

### क्लासेन-मिलर ने तोड़ा कोहली-पांड्या का रिकॉर्ड, बाउचर-एल्बी भी छूटे पीछे

**न्यूयॉर्क**

टी20 विश्व कप 2024 का 21वां मैच गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश के खिलाफ चार रनों से जीत लिया। न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए मैच में दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 113 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश ने 20 ओवर में सात विकेट पर 109 रन बनाए।टी20 विश्व कप 2024 में यह दक्षिण अफ्रीका की लगातार तीसरी जीत है। ग्रुप डी की अंक तालिका में टीम फिलहाल पहले स्थान पर है। उनके खाते में छह अंक हैं। वहीं, बांग्लादेश को दूसरे मैच में हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले उन्होंने श्रीलंका को हराया था। फिलहाल वह तालिका में दो अंकों के साथ दूसरे पायदान पर है। दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में 113 रन बनाए। यह उनका टी20 विश्व कप के इतिहास में सबसे कम स्कोर है। इससे पहले 2007 में टीम ने भारत के खिलाफ 20 ओवर में नौ विकेट पर 116 रन बनाए थे। वहीं, दक्षिण अफ्रीका सबसे कम स्कोर का बचाव करने वाली पांचवीं टीम बन गई है। बांग्लादेश के बल्लेबाजों को द. अफ्रीका के गेंदबाजों के खिलाफ संघर्ष करते देखा गया। इस मैच में एनरिक नॉर्त्जे ने कहर बरपाया। उन्होंने अपने चार ओवर के स्पेल में 4.25 के इकोनॉमी रेट से सिर्फ 17 रन खर्च किए और दो विकेट हासिल किए। 30 वर्षीय गेंदबाज ने आठवें ओवर में शाकिब अल हसन (तीन) और नाजमुल हसन शांतो (14) का विकेट चटकाया। तेज गेंदबाज बांग्लादेश के खिलाफ टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने नौ विकेट चटकाए हैं। इस मामले में वह अजंता मेंडिस से पीछे हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 विश्व कप में 13 विकेट हासिल किए।

### मांजरेकर ने बांधे बुमराह की तारीफों के पुल, विराट कोहली को लेकर कही ये बात

**नई दिल्ली-** भारत को रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान पर मिली जीत के बाद पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की सराहना की, जबकि विराट कोहली पर ध्यान केंद्रित करने को लेकर भारतीय मीडिया पर तंज कसा। भारत ने उस मुकाबले में पाकिस्तान को छह रन से हराया था और 119 रनों का सफलतापूर्वक बचाव किया था। बुमराह की शानदार गेंदबाजी ने भारतीय टीम के पक्ष में मैच को मोड़ दिया था। बुमराह ने इस मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए 14 रन देकर तीन विकेट लिए थे। उन्होंने पाकिस्तान की बल्लेबाजी आक्रमण को लड़खड़ा दिया था और भारत की जीत सुनिश्चित की थी। मांजरेकर ने बुमराह के प्रयास को सराहा, जबकि इस बात पर सवाल खड़े किए कि जहां बुमराह भारत के लिए मजबूत कड़ी साबित हो रहे हैं, वहीं मीडिया का ध्यान कोहली पर है।

# आईओए का बड़ा फैसला, ओलंपिक जाने वाले पहलवानों को देगा सहयोग, विनेश की मांग भी स्वीकारी

**नई दिल्ली**

ओलंपिक जाने वाले देश के छह पहलवानों को सहायता देने पर भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बड़ा बयान जारी किया है। बताया जा रहा है कि संघ पहलवानों की मदद करेगा। इसके अलावा राष्ट्रीय ओलंपिक समिति और डब्ल्यूएफआई (भारतीय कुश्ती महासंघ) ने शीर्ष पहलवान विनेश फोगाट की ट्रेनिंग के लिए और अधिक मदद के अनुरोध को भी स्वीकार कर लिया है।

छह भारतीय पहलवानों में महिला वर्ग में विनेश फोगाट (50 किग्रा), अंतिम पंघाल (53 किग्रा), अंशु मलिक (57 किग्रा), निशा दहिया (68 किग्रा) और रीतिका हुड्डा (76 किग्रा) तथा पुरुष वर्ग में अमन सहरावत (57 किग्रा) ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया है।

आईओए अध्यक्ष पीटी ऊषा ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि इस कदम का उद्देश्य पहलवानों के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सुनिश्चित करना है। उन्होंने

कहा, हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हमारे पहलवानों को सर्वश्रेष्ठ संसाधन की मदद मिले जिससे वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। यह फैसला हमारी ऐसे माहौल को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है जिसमें खिलाड़ी आगे बढ़ सकें।

आईओए और डब्ल्यूएफआई पहलवानों के लिए ओलंपिक तक एक ऐसी सहयोगी टीम बनाने की योजना बना रहे हैं जिसमें कोच, फिजियोथेरेपिस्ट, पोषण विशेषज्ञ, मेंटल कंडिशनिंग कोच और अन्य जरूरी स्टाफ शामिल हों।डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता विनेश को पेरिस ओलंपिक की ट्रेनिंग के लिए और सहयोगी स्टाफ मुहैया कराया जायेगा। उन्होंने कहा, ÷हम सुनिश्चित करेंगे कि विनेश और हमारे अन्य सभी पहलवानों को अच्छा प्रदर्शन करने और भारत का तिरंगा ऊंचा रखने के लिए जरूरी सहयोगी स्टाफ मिले।

# बांग्लादेश की हार के बाद अंपायर के फैसले पर उठे सवाल

**न्यूयॉर्क**

बांग्लादेश को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में चार रन से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत से जहां दक्षिण अफ्रीका ने सुपर आठ के लिए लगभग अपनी जगह पक्की कर ली है, वहीं बांग्लादेश के लिए आगे की राह कठिन हो गई है। बांग्लादेश की हार के बाद अंपायर के फैसले पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। दरअसल, बांग्लादेश की पारी के दौरान अंपायर ने महमूदुल्लाह को एलबीडब्ल्यू आउट करार दिया था, लेकिन बांग्लादेश ने डीआरएस लिया और फैसला पलट गया। हालांकि, अंपायर के आउट देने के कारण गेंद डेड करार दी गई जिससे उस गेंद पर मिला रन बांग्लादेश के खाते में नहीं जुड़ सका।

### क्या था पूरा मामला

बांग्लादेश की पारी के 17वें ओवर के दौरान ओटेनील बार्टमैन की गेंद महमूदुल्लाह के पैर से लगते हुए चौके के लिए गई। दक्षिण अफ्रीका ने इस पर एलबीडब्ल्यू की अपील की और अंपायर ने आउट करार दिया। बांग्लादेश ने फैसले के खिलाफ डीआरएस का इस्तेमाल किया और तीसरे अंपायर ने महमूदुल्लाह को नॉटआउट करार दिया। चूंकि अंपायर ने आउट दिया था इसलिए इस गेंद को डेड बॉल करार दिया गया जिस कारण बांग्लादेश को वो चार नहीं मिले और अंत में बांग्लादेश की हार का अंतर भी चार रन का ही रहा।

# भारत से हार पर भड़के शोएब मलिक

### बाबर आजम से कहा- तुम्हारा दिमाग कब काम करेगा, कप्तानी छोड़ दो

**करांची (एजेंसी)।** टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ शर्मनाक हार के बाद पाकिस्तान के अनुभवी क्रिकेटर शोएब मलिक ने अपने पूर्व साथी बाबर आजम पर निशाना साधा है। मलिक ने कहा कि बाबर आजम को टी20आई कप्तान का पद छोड़ देना चाहिए।

मलिक ने अभी तक आधिकारिक तौर पर टी20आई प्रारूप से संन्यास नहीं लिया है, ने पाकिस्तान की ओर से विशेषकर वर्तमान कप्तान के लिए कुछ कठोर शब्द आरक्षित रखे थे। मलिक ने कहा कि बाबर को कप्तानी से हटा देना चाहिए क्योंकि वह एक बल्लेबाज के तौर पर प्रदर्शन नहीं कर सकते। पाकिस्तान रविवार 9 जून को भारत के खिलाफ मैच की दूसरी पारी में हार गया जिससे न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 120 रन के आसान लक्ष्य का पीछा करना मुश्किल हो गया। बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान समेत पूरी बैटिंग लाइन-अप फेल हो गई और पाकिस्तान 6 रन से मैच हार गया। शोएब मलिक ने कहा, मैं काफी समय से कह रहा हूं, कृपया कप्तानी छोड़ दें। आप एक क्लास खिलाड़ी हैं और आप अपना क्लास तभी दिखा पाएंगे जब आपके ऊपर अतिरिक्त जिम्मेदारियां नहीं होंगी। अगर बाबर कप्तानी से दूर रहते हैं, तो ऐसा होगा। उनके लिए अच्छा है। शोएब मलिक ने तकनीकी रूप से गलत पारी खेलने के लिए बाबर की आलोचना की और पूछा कि कठिन परिस्थितियों में बाबर का दिमाग कब काम करेगा। उन्होंने कहा, लोग बाबर और रिज़वान के स्ट्राइक रेट के बारे में बात करते रहते हैं, इसलिए आप सईम अयूब को लाए। कल, यह 120 का पीछा था, आप कल अपने स्ट्राइक रेट में सुधार करने की कोशिश क्यों कर रहे थे? मंच हर तरह से तैयार किया गया था। यदि एक नेता के रूप में और एक बल्लेबाज, इस तरह की स्थितियों में आपका दिमाग सक्रिय नहीं होता है तो ऐसा कब होगा? मैं आज यह कहने के लिए मजबूर हूं कि टी20आई प्रारूप में इस टीम के मूल खिलाड़ी का समर्थन करना बंद करना होगा। पाकिस्तान भारी परेशानी में है और उसे टी20 विश्व कप 2024 में बने रहने के लिए अपने अंतिम दो मैच बड़े अंतर से जीतने की जरूरत है क्योंकि भारत से पहले पाकिस्तान को अमेरिका से भी हार का सामना करना पड़ा था।

# 'खो खो' गुमनामी से अंतर्राष्ट्रीय शिखर तक : सुधांशु मित्तल

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** पीछा करने के सदियों पुराने रोमांचक खेल 'खो खो' की जड़ें भारतीय पौराणिक कथाओं में हैं और यह खेल प्राचीन काल से प्राकृतिक घास या मैदान में नियमित रूप से पूरे भारत में खेला जाता है। 'खो' मराठी शब्द है जिसका अर्थ है जाओ और पीछा करो। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों द्वारा खेले जाने वाला 'खो खो' प्राचीन भारत का पारंपरिक खेल माना जाता है और यह ग्रामीण क्षेत्रों में कबड्डी के बाद दूसरा रोमांचक टैग गेम है। 'खो खो' की उत्पत्ति भारत में मानी जाती है। इतिहास में इसका वर्णन मौर्य शासनकाल (चौथी ईसा पूर्व) में मिलता है। 'खो खो' खेल का वर्णन महाभारत काल में भी किया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि महाभारत काल में 'खो खो' रथ पर खेला जाता था जहां प्रतिद्वंद्वी रथ पर सवार होकर एक-दूसरे का पीछा करते थे, जिसे 'रथेरा' कहा जाता था। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि महाभारत युद्ध के 13वें दिन गुरु द्रोणाचार्य द्वारा बनाए गए चक्रव्यूह में प्रवेश करने के लिए अभिमन्यु ने 'खो खो' में इस्तेमाल की जाने वाली रणनीति का उपयोग किया था और 'खो खो' के कौशल का उपयोग करके कौरव वंश को भारी नुकसान पहुँचाया था।

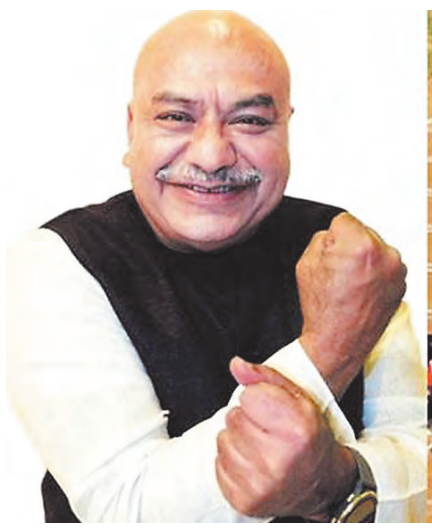

लोकमान्य तिलक द्वारा गठित डेक्कन जिमखाना पुणे ने पहली बार इस खेल के विधिवत नियम तय किए। वर्ष 1923-24 में इंटर स्कूल स्पोर्ट्स कम्पटीशन की स्थापना की गई जिसके माध्यम से ग्रामीण स्तर पर 'खो खो' को लोकप्रिय करने के लिए कदम उठाए गए। वर्ष 1928 में भारत की पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए गठित 'अखिल भारतीय शारीरिक शिक्षण मंडल' द्वारा वर्ष 1935 में इस खेल के नियमों को पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया गया। आधुनिक काल में 'खो खो' खेल को महाराष्ट्र के अमरावती के हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल के तत्वाधान में सबसे पहले 1936 के बर्लिन ओलंपिक्स में प्रदर्शित किया गया था तथा इस खेल को अडोल्फ हिटलर ने जमकर सराहा। वर्ष 1938 में अखिल महाराष्ट्र शारीरिक शिक्षण मंडल ने 'खो खो' खेल की दूसरी नियम पुस्तिका प्रकाशित की। इसी वर्ष अकोला में इंटर जोनल स्पोर्ट्स का आयोजन किया गया।

आज 'खो खो' भारत के सभी राज्यों में खेली जाती है तथा राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर 'खो खो' की अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। आजादी के बाद भारतीय खेलों को प्रोत्साहन देने के अंतर्गत 1955-56 में 'अखिल भारतीय खो-खो मंडल' की स्थापना की गई। पुरुषों की पहली राष्ट्रीय खो-खो चैंपियनशिप का आयोजन 25 दिसंबर 1959 से 01 जनवरी 1960 को आयोजित किया गया जबकि महिलाओं की पहली राष्ट्रीय खो-खो चैंपियनशिप महाराष्ट्र के कोल्हापुर में 13 से 16 अप्रैल 1961 को आयोजित की गई। वर्ष 1964 में इंदौर, मध्य प्रदेश में आयोजित 5वीं नेशनल खो-खो चैंपियनशिप में व्यक्तिगत पुरस्कार शुरू किए गए। वर्ष 1966 में 'खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया' की स्थापना की गई तथा वर्ष 1970 में किशोर लड़कों की पहली नेशनल खो-खो चैंपियनशिप का आयोजन किया गया जबकि वर्ष 1974 में किशोर लड़कियों की पहली नेशनल खो-खो चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। 1982 में दिल्ली में आयोजित 9वीं एशियाई खेलों में खो-खो का डेमोंस्ट्रेशन मैच आयोजित किया गया। वर्ष 1987 में कोलकाता में आयोजित तीसरी साउथ एशियाई खेलों में खो-खो खेल को प्रदर्शित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय खेलों में पहली बार वर्ष 1996 में 'खो खो' की पहली एशियाई खो-खो चैंपियनशिप आयोजित की गई, जिससे 'खो खो' को अंतर्राष्ट्रीय खेल के रूप में लोकप्रियता मिली, जिससे आज यह खेल 36 से अधिक देशों में खेला जाता है। वर्ष 1998 में पहला नेता जी सुभाष गोल्ड कप इंटरनेशनल खो-खो टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। 'खो-खो' को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहित करने के लिए जुलाई 2018 में 'इंटरनेशनल खो-खो फेडरेशन' का गठन किया गया जिसका हेडक्वार्टर लंदन में है। लंदन में पहली इंटरनेशनल खो-खो चैंपियनशिप वर्ष 2018 में आयोजित की गई।

आज 'खो खो' भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक रूप से खेला जाने वाला खेल है। यह विभिन्न अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों का हिस्सा है जिसमें लगभग 20 देशों की राष्ट्रीय खो-खो टीमें हैं। ऐसे गौरवशाली इतिहास के साथ खो-खो की लोकप्रियता आने वाले वर्षों में भी बढ़ती रहेगी।

# टी20 विश्व कप में गेंदबाज कर रहे मैचों का फैसला

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में हो रहे टी-20 विश्वकप में पिचों के मिजाज को देखते हुए इस बार अभी तक खेले गये लीग मैचों में बल्ले की जगह गेंद का जलवा दिख रहा है और गेंदबाज कर रहे मैचों का फैसला। अभी तक खेले गये 21 लीग मुकाबलों में गेंदबाज इस तरह हावी रहे कि कोई भी बल्लेबाज सैकड़े तक नहीं पहुंच सका है। फिर चाहे कमजोर टीम के साथ मुकाबला रहा हो या धुरंधर के साथ। सबसे अधिक विकेट लेने के मामले में अफगानिस्तान के गेंदबाज फजलहक फारुकी दो मैचों में नौ विकेट लेकर सबसे आगे चल रहे है। वहीं दक्षिण अफ्रीका के एनरिक नॉर्खिया तीन मैचों में नौ रन प्रति ओवर की औसत के साथ आठ विकेट लेकर दूसरे स्थान पर है। वेस्टइंडीज के अकील हुसैन दो मैचों में सात की औसत से छह विकेट के साथ तीसरे, चौथे स्थान पर अफगानिस्तान के राशिद खान दो मैचों में आठ रन की औसत के साथ छह विकेट लिये है। ओमान के मेहरान खान तीन मैच आठ रन प्रति ओवर की औसत से छह विकेट पांचवें स्थान पर है।

भारत के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह दो मैच में 8.40 की औसत से छह विकेट चटका कर छठें स्थान पर है। दक्षिण अफ्रीका के ओट्टनील बाटमैंन तीन मैच 14.40 के साथ पांच विकेट के साथ सातवें स्थान पर है। श्रीलंका के नुवान तुषारा और नीदरलैंड के लोगन वैन वीक दो मैच में 8.40 की औसत से पांच-पांच विकेट के साथ संयुक्त रुप से आठवें और नौवें स्थान पर है। युगांडा के ब्रायन मसाबा तीन मैच 14.40 की औसत के साथ पांच विकेट लेकर दसवें स्थान पर है।

टी-20 विश्वकप में कुल सात गेंदबाज को सबसे अधिक विकेट लेने की उपलब्धि हासिल है, जिसमें चार गेंदबाज एशिया से हैं। वर्ष 2007 और 2009 में पाकिस्तान के उमर गुल, साल 2021 और 2022 में श्रीलंका के वनिंदु हसरंगा दो ऐसे गेंदबाज हैं जिन्होंने इस प्रतियोगिता में दो बार सबसे अधिक विकेट हासिल करने की उपब्लब्धि हासिल थी। टी-20 विश्वकप 2024 की शुरुआत और जून से हुई है और इसका फाइनल 29 जून को केनसिंग्टन ओवल में खेला जाएगा।

### मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स से जुड़ने वाले पहले भारतीय पुरुष पहलवान बनेंगे संग्राम सिंह

**मुंबई (एजेंसी)।** राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व चैंपियन संग्राम सिंह मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) से जुड़ने वाले पहले भारतीय पुरुष पहलवान बनने के लिए तैयार हैं। संग्राम महिला पहलवान पूजा तोमर के बाद एमएमए फाइटर के रूप में प्रतिस्पर्धा करने वाले दूसरे भारतीय पहलवान बनेंगे। मंगलवार को यहां जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। विज्ञप्ति के अनुसार संग्राम ने कहा, 'कुश्ती ने मुझे बहुत कुछ दिया है जिसमें मेरे देश के लोगों का प्यार भी शामिल है और मुझे पूरा विश्वास है कि आगे भी मुझे उनका समर्थन मिलता रहेगा। उन्होंने कहा, 'एमएमए खेल का भविष्य है और पिछले कुछ वर्षों में इसकी बढ़ती लोकप्रियता पूरी कहानी बयां करती है। भारत में इसको देखने वाले लोगों की संख्या बहुत अधिक है और मुझे उम्मीद है कि इस खेल के प्रशंसक मेरा समर्थन करेंगे।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉग ऑन करें
www.sonvarshavani.com
ई-पेपर
sonvarshavani.com.epaper



## एक नजर

### तीसरी बार पीएम की शपथ लेने पर नरेंद्र मोदी को भाजपा कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

**औरंगाबाद (का.सं.)।** पीएम नरेंद्र मोदी को तीसरी बार शपथ लेने पर औरंगाबाद भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। सभी नेताओं व कार्यकर्ताओं ने पीएम को बधाई व शुभकामनाएं दी है। बधाई देते हुए भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम कुमार सिंह ने कहा कि नरेंद्र मोदी का तीसरी बार चुना जाना देश की जनता के लिए महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री की साधना का ही प्रतिफल है कि पिछले 10 वर्षों में राष्ट्र का नव उत्थान हुआ है। देश के गरीब, युवा, महिला एवं किसान के साथ-साथ वंचित वर्ग का जीवन भी आसान हुआ है। 140 करोड़ भारतवासियों की सुख, शांति और समृद्धि के लिए प्रधानमंत्री का यह कार्यकाल निःसंदेह आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करते हुए भारत को विश्व में महाशक्ति के रूप में स्थापित करने वाला सिद्ध होगा। प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की मजबूत सरकार भारत के गरीब अन्नदाता एवं नारी शक्ति के उत्थान के लिए भी समर्पित रहेगी।

### गबन के आरोपी पैक्स प्रबंधक ने कोर्ट में किया सरेंडर

**ओबरा (औरंगाबाद)( नि.सं.)।** ओबरा प्रखंड के महुआंव पैक्स प्रबंधक राजेश कुमार ने न्यायालय में सरेंडर कर दिया है। वे दाउदनगर थाना क्षेत्र के अरई गांव के निवासी हैं। उनकी गिरफ्तारी को लेकर पुलिस लगातार उनसे जुड़े ठिकानों पर दबिश दे रही थी। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि महुआंव पैक्स अध्यक्ष व प्रबंधन पर 2 करोड़ रुपए की सरकारी राशि के गबन का आरोप हैं। उनके विरुद्ध कोर्ट से वारंट जारी है। उनके फरार रहने की स्थिति में इश्तिहार चिपकाया गया था व कुर्की की कार्रवाई की तैयारी थी। इधर गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी चल रही थी। ऐसी स्थिति में प्रबंधक ने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया है। इससे पूर्व पैक्स अध्यक्ष रामाश्रय शर्मा ने थाने में पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया था। विदित हो कि गबन के आरोप में डीएम के आदेश पर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। चिराग पासवान ने कहा कि बिहार में इस सेक्टर में प्रचूर संभावनाएं हैं।

# अंतर्राज्यीय ट्रक लूटेरा गिरोह का उद्भेदन, दो गिरफ्तार चार की तलाश जारी, ट्रक व लूट का 13 एसी बरामद

निज संवाददाता

**मदनपुर (औरंगाबाद)।** मदनपुर थाना की पुलिस ने नेशनल हाईवे पर ट्रकों से सामानों की चोरी और लूट की घटनाओं को अंजाम देने वाले एक अंतर्राज्यीय लूटेरा गिरोह का उद्भेदन किया है। मामले में पुलिस ने ट्रक और चोरी की 13 एसी के साथ लूटेरा गिरोह के दो प्रमुख सदस्यों को भी गिरफ्तार किया है। औरंगाबाद सदर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ)-2 अमित कुमार ने बताया कि की मदनपुर थाना क्षेत्र में एनएच-19 पर स्थित एक पेट्रोल पम्प के पास से 31 मई को ट्रक से 27 एयर कंडिनशनर की चोरी की वारदात हुई थी। मामले में आदित्य विजन के गया गोदाम इंचार्ज ने मदनपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी में ट्रक चालक गया के बिजहरा मठ निवासी रंजीत कुमार, ट्रांसपोर्ट कंपनी के मालिक मिथिलेश कुमार वर्मा एवं ट्रक मालिक संजीत कुमार को नामजद आरोपी बनाया था। प्राथमिकी में गोदाम इंचार्ज ने उल्लेख किया था कि आदित्य विजन के गया स्थित गोडाउन से सासाराम स्टोर पहुंचाने के लिये ट्रक से 100 एयर कंडिश्नर रवाना किया गया था। रास्ते में मदनपुर थाना क्षेत्र में जीटी रोड से सटे एक पेट्रोल पम्प के पास से कुल 27 एयर कंडिनशर चोरी कर लिया गया। मामले में एसपी के निर्देश पर उनके नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया।

टीम ने वैज्ञानिक अनुसंधान, गुप्तचरों के सहयोग, टावर डम्प आदि तकनीकी सहायता के आधार पर मामले का उद्भेदन करते हुये घटना को अंजाम देने में शामिल दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही घटना को अंजाम देने में प्रयुक्त ट्रक को भी बरामद किया गया है। गिरफ्तार अपराधियों में पूर्णिया जिले के कसबा थाना के कदवा गांव निवासी मो. शाहिद एवं रोहतास जिले के गोड़ारी थाना के जमुआ निवासी अमरेंद्र कुमार सिंह उर्फ रिंटू सिंह शामिल है। इनके अलावा मामले में चार और अपराधी फरार है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयासरत है।फरार अपराधियों में उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के रतनपुरी थाना के बमबाड़ा गांव निवासी मो. शहजाद, मो. मुर्सलीन, मेरठ के सरधाना थाना के हर्रा निवासी मो. राशिद एवं मेरठ के ही जेई निवासी आसिफ शामिल है। गिरफ्तारी के बाद मो. शाहिद ने पुलिस के समक्ष स्वीकार किया कि उसने अपने साथियों शहजाद, राशिद, आसिफ एवं मुर्सलीन के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया था। गिरफ्तार अपराधियों की निशानदेही पर चोरी किये गये एयर कंडीनशर में से 12 एयर कंडीनशर रोहतास जिला के गोड़ारी थाना के जमुआ से तथा 02 एयर कंडीशनर गया जिले के बेहरा थाना के निरपुर से बरामद किया गया। शेष अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी हैं। पुलिस के समक्ष अपराधियों ने गिरोह के काम करने का तरीका भी बताया, जिसके अनुसार चोर गिरोह के सदस्यों द्वारा घटना को अंजाम देने के पहले रेकी की जाती है। रेकी कर रोड के किनारे लगे ट्रको से सटा कर अपने ट्रक को खड़ा कर ट्रक से तेल चोरी करना एवं ट्रक पर लदे चलंत सामानों की चोरी कर ली जाती है। बाद में लोकल एजेंट के माध्यम से समानों को औने-पौने दाम में बिक्री कर दी जाती हैं।

पुलिस की छापेमारी दल में एसडीपीओ-2 अमित कुमार, मदनपुर थानाध्यक्ष राजेश कुमार, पुअनि सह अनुसंधानकर्ता कन्हाई सिंह, पुअनि सुशील कुमार चौधरी, सअनि मनोज कुमार, सिपाही कविता कुमारी, रंजय पासवान, रंजय कुमार, राजेश कुमार, अजीत यादव, चालक सिपाही शिवकुमार एवं चालक गृहरक्षक पंकज कुमार शामिल रहे।

# डीएम की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की हुई समीक्षा बैठक

कार्यालय संवाददाता

**औरंगाबाद।** मंगलवार को समाहरणालय सभा कक्ष में जिला पदाधिकारी, श्री श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षात्मक बैठक आहूत की गई। सर्वप्रथम बैठक की शुरूआत करते हुए जिला पदाधिकारी, औरंगाबाद के द्वारा गत बैठक के अनुपालन की समीक्षा की गई एवं तत्पश्चात् शिक्षा विभाग में संचालित अन्य योजनाओं की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में जिला पदाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के शौचालय एवं स्नानागार में टाईल्स लगवायें एवं छात्राओं के कमरों में भी टाईल्स लगाने का कार्य कराया जाय। केजीबीभी, दाउदनगर में टाईप IV का भवन निर्माण का कार्य अब तक प्रारम्भ नहीं किया गया है, जिसे शीघ्र प्रारम्भ कराने का निर्देश दिया गया।

जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा असैनिक कार्य अन्तर्गत संचालित अतिरिक्त कमरों का निर्माण / शौचालय निर्माण/ समरसेबल / मरम्मति एवं जिर्णोद्धार आदि कार्यों के बारे में अवगत कराया गया, जिला पदाधिकारी द्वारा कार्यों को गुणवत्तापूर्ण एवं ससमयपूर्ण करने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा विद्यालयों में चल रहे निरीक्षण की समीक्षा की गई।

# जम्होर में तैयार हुआ सौ बेड का अस्पताल

निज संवाददाता

**जम्होर (औरंगाबाद)।** कलेक्ट्रेट के सभा कक्ष में स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। डीएम श्रीकांत शास्त्री ने भीषण गर्मी को लेकर लू एवं मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु अस्पतालों में तथा सामुदायिक स्तर पर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। सदर अस्पताल से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक वातानुकूलित हीट स्ट्रोक वार्ड को तैयार रखने के साथ घर-घर ओआरएस पैकेट भिजवाने का निर्देश दिया। शहर से लेकर गांव तक प्रमुख स्थानों पर गर्मी से बचाव हेतु प्रचार सामग्रियों को लगवाने का निर्देश दिया गया। डीपीएम ने बैठक में बताया कि अस्पतालों में हीट स्ट्रोक के साथ चमकी-बुखार एवं डायरिया के प्रबंधन की व्यवस्था के लिए 24 घंटे चिकित्सकों की उपलब्धता है। अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं स्वास्थ्य उप केंद्र सह हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर नियमित रूप से खोलने को कहा गया। बताया गया कि सदर अस्पताल, पांच अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं 29 स्वास्थ्य उपकेंद्र का निर्माण बीएमएसआईसीएल के द्वारा पूर्ण कराया जा चुका है। जम्होर में सौ बेड का प्रीफैब्रिकेटेड अस्पताल बनाया जा चुका है। बारुण, देव, मदनपुर एवं ओबरा में 20 शैया के प्रीफैब्रिकेटेड वार्ड का निर्माण कराया गया है। जीएनएम एवं पैरामेडिकल कॉलेज इस साल के अंत तक बनकर तैयार हो जाने की संभावना है। सदर अस्पताल के निर्माणाधीन भवन को जल्द तैयार करने हेतु निर्देशित किया गया। सामुदायिक स्तर पर गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण, प्रसव, परिवार नियोजन से संबंधित गतिविधियों को प्रभावी रूप से आयोजित कराने हेतु कार्यरत आशा कर्मियों में से वर्षों से निष्क्रिय आशा कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया।

# डीएलएसए के सचिव ने की न्यायिक पदाधिकारियों के साथ बैठक

कार्यालयसंवाददाता

**औरंगाबाद।** जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव, सुकुल राम ने आगामी 13 जुलाईं को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर मंगलवार को न्यायिक पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी माधवी सिंह, राजेश सिंह, दीवान फहद खान, अविनाश कुमार, प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी शोभित सौरभ, निधि जायसवाल एवं न्यायिक दंडाधिकारी शुभंकर शुक्ला शामिल रहे। बैठक में डीएलएसए के सचिव ने न्यायिक पदाधिकारियों के साथ लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के निस्तारण हेतु अब तक की गई कार्यवाही की समीक्षा की। साथ ही आगे की रूपरेखा तय की। सचिव ने न्यायिक पदाधिकारियों को अपने न्यायालय से संबंधित सुलहनीय वादों को चिन्हित वादों से संबंधित पक्षकार को सूचना और नोटिस की अद्यतन जानकारी प्राधिकार को यथाशीघ्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, ताकि समय रहते संबंधित पक्षकारों से प्री-काउंसिलिंग कर ज्यादा से ज्यादा वादों का निष्पादन कराया जा सके। इस पर बैठक में उपस्थित न्यायिक पदाधिकारियों ने अपने-अपने न्यायालय से संबंधित पूरी सूची प्राधिकार को उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।गौरतलब है कि आगामी 13 जुलाईं को राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन को लेकर प्राधिकार में वृहत रूप से तैयारी की जा रही है। सचिव ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत वादों के सुलह के आधार पर निस्तारण कराने का एक सशक्त माध्यम है जिसमें संबंधित को त्वरित न्याय प्राप्त होता है। सचिव ने आमजनों से भी अपील किया कि 13 जुलाईं को आयोजित राष्ट्रीय लोक

अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाए। जो भी व्यक्ति अपने सुलहनीय वाद का निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत में कराना चाहते हैं।

# बढ़ती गर्मी को न करें नजरअंदाज, हो सकती है मौत

- 10 से शाम चार बजे तक घर से न निकलें बाहर
- भीषण गर्मी में ठंडा व छायादार स्थान पर करें आराम
- इस सप्ताह मौसम में सुधार की नहीं है संभावना

### मौसम में बदलाव की नहीं है गुंजाइश : डॉ. अनूप

जिला कृषि विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक डा. अनूप कुमार चौबे ने बताया है कि राज्य मौसम विभाग के ताजा आंकड़े देख पूरे सप्ताह मौसम परिवर्तन के आसार नहीं हैं। दिन के तापमान में हल्के उतार चढ़ाव के बाद भी कोई बदलाव नहीं दिख रहा है। मानसून दक्षिण-पश्चिम की ओर आगे बढ़ रहा है जिससे बिहार आने में देर हो सकता है। मौसम सुर्ख व जानलेवा हो सकता है। आवश्यकता है आमजन, किसान धूप में बाहर निकलने से बचें। जानवर एवं पक्षियों को छायादार स्थान पर रखें तथा समय पर पानी पिलाएं। कृषि कार्य शाम एवं रात को करें।

निज संवाददाता

**अंबा (औरंगाबाद)।** जिंदगी बचानी है तो बढ़ते तापमान को नजरअंदाज न करें। ऐसा करना घातक परिणाम दे रहा है। मौसम चक्र में आए बदलाव से जीव जंतु से लेकर मनुष्य परेशान हैं। गर्मी अपना रौद्र रूप दिखा रहा है। दो माह से जिस प्रकार का तापमान बना है उससे बड़ी संख्या में लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। आसमान से सूर्य अंगारे बरसा रहे हैं। दिन चढ़ते हीं लू एवं हीट वेव का असर होने लगता है। जिन पौधों में सुबह सिंचाई की जाती है वे शाम में मुरझाए और जले हुए दिखते हैं। जानवर धूप में जाने से बचना चाह रहे हैं। नजरअंदाज कर धूप में निकलना जानलेवा हो सकता है। धूप में रखे पानी की टंकी में जो उष्मा प्रवाहित हो रही है उसमें चावल तक पक रहा है। मौसम वैज्ञानिक डा. अनूप कुमार चौबे ने बताया कि जिस प्रकार मौसम का तापमान बढ़ा है उससे आम नागरिक, मजदूर वर्ग, आफिस एवं फील्ड में काम करनेवाले लोगों को दिन में 10 बजे से पहले तथा शाम चार बजे के बाद अपना कार्य करें। खुले स्थान पर निकलने पर लू का शिकार हो जान गंवा रहे हैं। जिले व राज्य में भीषण लू का असर है। हर दिन लोगों को हीट वेव से मरने की खबर आ रही है। ऐसे में लोगों को सचेत रहना तथा अन्य को सचेत करना आवश्यक हो गया है। मौसम वौज्ञानिक का कहना है कि तापमान 45 से 49 डिग्री तक जा रहा है। यह तापमान सामान्य लोगों के शरीर सहन करने योग्य नहीं है। जो लोग तापमान को नजरअंदाज कर रहे हैं वे अपनी जान गंवा रहे हैं। बीमार होकर अस्पताल में भर्ती हो रहे हैं। सूती वस्त्र पहनने एवं ठंडे पेय पदार्थ का सेवन करने से थोड़ी राहत मिलेगी। छायादार वृक्ष का सहारा अवश्य लें।

बिहार सरकार

संदेश

बाल श्रम एक सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक कुप्रथा है तथा समाज एवं राष्ट्र के लिए अभिशाप है। बाल श्रम के इस कुचक्र को समाप्त करने एवं विमुक्त बाल श्रमिकों के समुचित उत्थान हेतु राज्य सरकार कृत संकल्पित है। इसी क्रम में प्रत्येक वर्ष 12 जून को "**विश्व बाल श्रम उन्मूलन दिवस**" के रूप में मनाया जाता है।

बाल श्रम से विमुक्त बिहार को सुनिश्चित करने की श्रृंखला में बिहार राज्य बाल श्रमिक आयोग का पुनर्गठन किया गया है। आयोग स्वतंत्र रूप से बाल श्रम विमुक्ति पर अपने निर्धारित दायित्वों का अनुपालन कर रहा है। बच्चे देश के भविष्य होते हैं एवं उनकी सही जगह स्कूल एवं खेल का मैदान हैं। बाल श्रम के उन्मूलन एवं बाल श्रम से विमुक्त बच्चों के पुनर्वास हेतु राज्य कार्य योजना के माध्यम से हम सतत प्रयत्नशील हैं। सरकार इस पुनीत कार्य में समाज, स्वयंसेवी संगठन, स्थानीय जनप्रतिनिधि, आदि सभी का सहयोग अपेक्षित है।

आइए बिहार को बाल श्रम मुक्त राज्य बनाने के लिए हम संकल्प से एवं पूरी निष्ठा एवं प्रतिबद्धता के साथ अपनी भूमिका का निर्वहन करें।

संतोष कुमार सिंह
मंत्री, श्रम संसाधन विभाग

PR No.- 001719 (LRD)D. 2024-25

# भव्यता एवं दिव्यता के साथ मनायी गयी भजन संध्या

कार्यालय संवाददाता

**औरंगाबाद।** जिला मुख्यालय औरंगाबाद के महाराजगंज रोड में शुभम इंटरनेशनल होटल के सभागार में एकल अभियान परिवार के सान्निध्य में भजन संध्या का आयोजन किया गया।भजन संध्या का शुभारंभ भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी समिति के सदस्य गोपाल शरण सिंह,नगर परिषद औरंगाबाद के अध्यक्ष उदय प्रसाद गुप्ता, रेड क्रॉस के अध्यक्ष सतीश कुमार सिंह,जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह,महामंत्री धनंजय जयपुरी,समकालीन जवाबदेही पत्रिका के प्रधान संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा, डॉ शिवपूजन सिंह,डॉ रणधीर सिंह, जगनारायण बाबू, अधिवक्ता योगेंद्र नारायण सिंह,अमित श्रीवास्तव, डॉ महावीर प्रसाद जैन, रामभजन सिंह, सुरेश विद्यार्थी, शिव शिष्य पुरुषोत्तम पाठक,उर्मिला देवी,मीना देवी सहित अन्य लोगों ने दीप प्रज्वलित कर किया। एकल विद्यालय के अंचल अध्यक्ष डॉ रामाधार सिंह के नेतृत्व में आयोजित भजन संध्या में दरभंगा की खुशबू कुमारी,अमेठी की विद्या कुमारी,कानपुर की अंकिता कुमार,कौशांबी की श्वेता कुमारी, फतेहपुर की वंदना कुमारी, बाराबंकी की प्रियंका कुमारी, लखीमपुर खीरी के कमलजीत जी ने शिवसागर जी, आनंद कुमार सिंह ने शिरकत किया और मंगल भवन अमंगल हारी से भजन की शुरुआत की।भजन संध्या में सनातनी परंपरा से ओतप्रोत एक से एक प्रस्तुतियां दी गई जिसे सुनकर दर्शक दीर्घा में बैठे लोग भक्ति के अविरल धारा में सराबोर भाव विह्वल होकर करतल ध्वनि के साथ झुमने लगे।देवा ओ देवा गणपति देवा सारी उमर करुंगी तेरी सेवा, का जब गान किया गया तो लोग खुशी से झूमने लगे। एकल विद्यालय के सचिव सिंहेश सिंह, कोषाध्यक्ष कमलेश तिवारी अशोक सिंह ने सभी आगंतुकों को पुष्पहार देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि गोपाल शरण सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजन से सामाजिक समरसता एवं भाईचारे को बढ़ावा मिलती है। भजन संध्या के मौके पर सत्येंद्र राम,विजय कुमार, सूर्य देवदास नंद किशोर , इंदु देवी, पूनम कुमारी सहित अन्य उपस्थित थे।

श्रम संसाधन विभाग, बिहार सरकार

बाल श्रम के विरुद्ध बिहार

बालश्रम दण्डनीय अपराध है

किसी भी दूकान / प्रतिष्ठान / कल-कारखानों आदि में 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों तथा 18 वर्ष से कम उम्र के किशोर एवं किशोरियों से जोखिम वाला कार्य कराया जाना संज्ञेय एवं दण्डनीय अपराध है।

दण्डनीय प्रावधान: पकड़े जाने पर नियोजक (कार्य करवाने वाले को) को रु0 20,000/- (बीस हजार) से रु0 50,000/- (पचास हजार) तक का जुर्माना एवं 6 माह से 2 वर्ष तक की सजा अथवा दोनों हो सकता है।

अपराध पुनरावृत्ति करने पर एक वर्ष से तीन वर्षों तक का कारावास हो सकता है।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार दोषी नियोजकों के द्वारा रु0 20,000/-(बीस हजार) बाल पुनर्वास - सह - कल्याण कोष में देय होगा, अन्यथा सर्टिफिकेट केस दायर कर यह रकम वसूली जायेगी ।

आइये! मिलकर बनायें बाल श्रम मुक्त बिहार ।

किसी भी जगह बाल श्रमिक दिखने पर संबंधित प्रखण्ड के श्रम प्रवर्त्तन पदाधिकारी / जिले के श्रम अधीक्षक एवं जिला पदाधिकारी को अविलम्ब सूचित करें।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस (12 जून-2024)

बाल एवं किशोर श्रम कानूनन संज्ञेय अपराध है ।

हमें तस्वीर एवं पते के साथ वाट्स अप करें- 9471229133

/BiharLabourResourcesDept /@LRD_Bihar

PR No.- 001647 (LRD)D. 2024-25